हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

10 मार्च, 1978

खंड 1, अंक 10

अधिकृत विवरण

विषय–सूची

शुक्रवार, 10 मार्च, 1978

पृष्ठ–सख्या

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

(10) 1

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए

तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

(10) 27

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर (10) 40

विशेषाधिकार प्रश्न

(10) 42

विशेषाधिकार समिति द्वारा रिपोर्ट पेश करने

संबंधी अध्यक्ष द्वारा अवलोकन

(10) 45

मुख्य मन्त्री द्वारा वक्तव्य–

सरस्वती शूगर मिल यमुना नगर के सम्बन्ध में
(10) 45

बैठक का समय बढ़ाना
(10) 45

वर्ष 1978– 79 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)
(10) 46

बहिर्गमन (10)
66

वर्ष 1978–79 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)
(10) 68–94

हरियाणा विधान सभा

शुक्रवार, 10 मार्च, 1978

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर 1, चण्डीगढ में 9. 30 बजे प्रातः हुई ।

अध्यक्ष (बिग्रेडियर रण सिंह) ने अध्यक्षता की ।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Criminal Cases in the State

***214. Shri Shamsher Singh :** Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) the number of persons died and injured in police firing, lathi charge in the State during the period from the month of June to December, 1977 ;

(b) the number of murders, murderous assaults, other hurt cases, kidnappings, rapes, dacoities, thefts, assault on public servants registered in Police Stations during the aforesaid period ; and

(c) the number of persons challaned for security proceedings during the period as referred to in part (a) above ?

Minister for Industries (Doctor Mangal Sain)

	Killed	Injured
(a) Police firing	1	

1

Lathi Charge

(b) Murder 149

Murderous assault 73

Other hurt cases 1110

Kidnappings 143

Rapes 49

Dacoities 13

Thefts 3059

Assaults on Public servants 125

(c) 17912.

श्री शमशेर सिंह : क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि जो रेप्स की फिग्गर्ज बताई गई हैं, इसमें हरिजन औरतों की संख्या कितनी है?

डाक्टर मंगल सैन : स्पीकर साहब, इन्होंने मेन क्वैश्चन में यह बात नही पूछी इसालिये मैं हैलपलैस हू । ये अलग से नोटिस दे दे', मैं बता दूंगा ।

श्री शमशेर सिंह : क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि ये जो पुलिस फायरिग की' फिग्गर्ज दी हैं, ये कौन सी जगह की हैं?

डाक्टर मंगल सैन : आनरेबल मैंबर ने अपने क्वैश्चन में जगह के बारे में नही पूछा था इसलिये ये अलग नोटिस देंगे तो बता दिया जाएगा ।

चौधरी गया लाल : तहसील पलवल में लगभग बीस डाके पड़े है और 5– 6 लूट मार और कत्ल हुए हैं जबकि वही प्रुलिस कर्मचारी वहां मौजूद थे जैसे डी0 एस0 पी. 0 वहां मौजूद थे और थानेदार वगैरह भी मौजूद थे । इसके अलावा पलवल में हवालात से दो डा कू लोहे के सरिये काट कर भाग गये तो उनके बारे में सरकार क्या एक्शन ले रही है?

डांक्टर मंगल सैन : माननीय सदस्य ने जो प्रश्न पूछा है वह इस सवाल से संबंधित नही है । सकल तो यह पूछा गया है कि एक जुलाई से लेकर दिसम्बर के आखिर तक पितने केसिज' हुए हैं । माननीय सदस्य जो सवाल कर रहे हैं यह कौन से समय. का कर रहे हैं?

चौधरी गया लाल : मैं अलग–अलग नाम बता सकता हूं । दो डाके तो होडल में पड़े है पिछने एकं महीने के अन्दर, एक डाका रसीमरुर में पड़ा है और एक करीमपुर में पड़ा हैं । यानी पिंकने– दो महीने में 5– 6 डांके पड़े हैं ।

डाक्टर मंगल सैन : स्पीकर साहब सवाल. तो जुलाई 1 977 से दिसम्बर, 1 977 के समय का पूछा गया है । अगर मैंबर साहब अब के. धोरे पूछना चाहते हैं तो ये अलग नोटिस दे दें मैं

वता दंगा । जहां तक डाकुओं के भागने का सवाल. है वह बड़ी अलारमिंग सिचुएशन थी । हमने दो पुलिस वालों को जेल में दे दिया। है और थानेदार को सस्पैड कर दिया है । हमने बड़ा सख्त एक्शन लिया है।

श्री भले राम : क्या मन्त्री जी बतायेंगे कि ऐसा सुनने में आया है कि पहले की निस्बत अब चोरियां बहुत होने लग गई है इसका क्या कारण है?

(कोई जवाब नहीं दिया गया)

चौधरी भजन लाल : क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि. स्टेट में पिछले छ महीने मैं कितनी चोरियां हुई और उनमें से कितनी बरामद हुई?

डाक्टर मंगल सैन : स्पीकर साहब, इसके बारे में मे न प्रश्न में नही पूछा गया था । हन। री स्टेट बड़ी लंबी चौड़ी है इसलिये इस समय यह बताना मेरे 'लिये असंभव है अगर अलग से नोटिस दे तो बता दिया जाएगा ।

चौधरी हरस्वरूप बूरा : क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि जो लोग जख्मी हु ए हैं या जिनका मर्डर हुआ है, उनके परिवारों को कोई कम्पनसेशन दिया गया है? अगर दिया है तो कितना?

डाक्टर मंगल सैन : स्पीकर साहब मेरी डिफीकल्टी वही है कि मेन सवाल में यह नहीं पूछा गया था ।

चौधरी सुरेन्द्र सिंह : क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि जो फौजदारी मुकद्दमे विदड्रा किये जाते है जो फूल प्रूफ हैं, जो गवर्नमैंट के इनिशियेटिव पर रजिस्टर हुए थे और बाद मे विदड्रा किये गये क्या वे गृह मन्त्री के आदेश पर विदड्रा किये जाते हैं?

डाक्टर मंगल सैन : इस प्रश्न की मेन प्रश्न से कोई रैलेवेसी नहीं है । आनरेबल मैंबर को पहले ट्रेनिंग लेनी चाहिये फिर सवाल पूछे ।

चौधरी गंगा राम : क्या मन्त्री जी बताएंगे कि हरियाणा विधान सभा के एक सदस्य श्री शकरुल्ला खां के घर पर 40 हजार की चोरी हुई, इसको दो महीने से पर हो चुके हैं लेकिन आज तक किसी भी चोर को सरकार नहीं पकड़ सकी है, एक विधायक के घर चोरी हो जाना और सरकार उसको अभी तक न पकड़ सके, इसका क्या कारण हे?

डाक्टर मंगल सैन : स्पीकर साहब, यह सवाल भी मेन प्रश्न से तो संबंधित नही है । वैसे मैं सूचना केलिये बता दूं कि शकरुल्ला खां जी से मैं मिला था इस चोरी में एक आदमी पकड़ा गया है । हमारी पुलिस मुजरिमों की तलाश पूरे जोरों से कर रही है ।

चौधरी खुरशीद अहमद : जिस छ महीने के अर्से के बारे में सवाल पूछा गया है, क्या उस अर्से में कोई ऐसी शिकायत

सरकार के पास आई है कि कोई आदमी थाने में केस रजिस्टर करवाने गया हो और उसका केस रजिस्टर न किया गया हो?

डाक्टर मंगल सैन : स्पीकर राहब, यह बात तो बिल्कुल उलट है । एमरजैसी के दिनो में लोग थाने है पास से गुजरने से डरते थे लेकिन अब जनता पार्टी के राज की सब से बड़ी देन यह है कि अब लोग निर्भयता से और फीली फिरते है और जो भी कोई अपराध होता है उसके लिये पुलिस वालों को हिदायत है कि सारे अपराधों को दर्ज किया जाए और सब किये जाते है ।

चौधरी भजन लाल : क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि हिसार जिले में 5– 6 चोरियां एक एक लाख से पर की हुई हैं, क्या उनमें से कोई चोरी बरामद हुई है या नही?

डाक्टर मंगल सैन : माननीय सदस्य बड़े पुराने पार्लियामैंटेरियन हैं, उनका यह सवाल मेन सवाल में कवर नहीं होता, अगर वे अलग से नोटिस देंगे तो बता दिया जाएगा ।

चौधरी भजन लाल : स्पीकर साहब, एक एक लाख रुपये की चोरी हो और उसका मिनिस्टर साहब को पता न हो तो कोई मुनासिब बात नहीं ।

श्री अध्यक्ष : आप टाइम बताएं कि किस टाइम की हैं?

चौधरी भजन लाल : ये चोरियां अभी पिछले 3– 4 महीनों में हुई हैं।

चौधरी संत कंवर : क्या मन्त्री महोदय को मालूम है कि पाकिसमा गांव के एक लड़के को जींद पुलिस पकड़ ले गई और थाने में उसकी पिटाई की गई जिससे उसकी मौत हो गई लेकिन पुलिस वालों ने उसे भागा हुआ दिखाया है । मैं यह बात आई0 जी0 के नोटिस में भी लाया हूं लेकिन चार महीने हो गये हैं, कोई कार्यवाही नही हुई है । क्या इसके लिये सरकार कोई कदम उठाएगी 1

डाक्टर मंगल सैन : मैं माननीय सदस्य को इस बात का आश्वासन दिलाना चाहता हूं कि अगर कोई ऐसी घटना हुई है और पुलिस कस्टडी में कोई निर्दोष व्यक्ति मारा गया है तो जरूर एक्शन लिया जाएगा ।

श्री मूल' चन्द जैन : क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि जितने केसिज पुलिस में दर्ज हुए, उनमें से कितने केस झूठे साबित हुए और दूसरे जो ऐसी शिकायतें आई हैं कि पुलिस ने केस दर्ज नहीं किया, वे कितने हैं । क्या इसके बारे में बताएंगे?

डाक्टर मंगल सैन : माननीय सदस्य ने पूछा है कि झूठे केस कितने साबित हु ए उसके लिये ? मैं इनसे कहूंगा कि अलग से नोटिस दें, मैं बता दूंगा । जहां तक इस बात का ताल्लुक है कि कोई केस रजिस्टर करवाने के लिये आया हो और वह न किया गया हो, ऐसा केस कोई नहीं है ।

चौधरी मेहर सिंह राठी : मैं मन्त्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि करीमपुर में नवम्बर और दिसम्बर के बीच एक बडा भारी डाका पड़ा और वह केस चोरी का रजिस्टर किया गया था । जब मैंने इस बारे में लिखा तो बाद में उसे डाके का केस दर्ज किया गया । क्या वहां की पुलिस के खिलाफ एक्शन लिया जाएगा?

डाक्टर मंगल सैन : माननीय सदस्य की इस संबंध में पहले मेरे से कोई वार्ता नही हुई । ये अब मेरे नोटिस में ला रहे हैं, अन्यार ऐसी कोई बात होगी तो सख्त कार्यवाही की जाएगी ।

चौधरी रिजक राम : मन्त्री महोदय ने अम्मी बताया कि पुलिस को हिदायत दी गई है कि वह हर केस को दर्ज करें । क्या मन्त्री महोदय के नोटिस में यह बात है कि पुलिस वाले केस दर्ज करने की बजाए एक लिखित में दर्खास्त ले लेते हैं और यह उनकी मर्जी होती है उस पर कोई कार्यवाही करें या उसको फाड कर फेंक दें । तो क्या ऐसी सभी शिकायतें दर्ज की जाएंगी?

डाक्टर मंगल सैन : स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने यह कहा कि पुलिस वाले रपट दर्ज करने की बजाए दर्खास्त ले लेते हैं । यह तो उस जमाने की बात है जब हमारे दूसरे' दोस्तों की हकूमत थी । वे ऐसा' ही कार्यवाही करते थे और उन्होंने यही धंधा अपनाया हुआ था । यह पुरानी बातें हैं अब ऐसी कोई बात नहीं होती है । हमने पुलिस वालों को हुकम दिया हुआ है कि

कोई भी जो फरियादी आता है उसकी बात जरूर दर्ज होनी चाहिये ।

श्री टेक चन्द : हांसी तहसील में, सिधवा गांव में डाका पडा है, गोली चली है और कई आदमी गोली से घायल हो गए । क्या मन्त्री महोदय के नोटिस में यह बात आई है, अगर आई तो क्या एक्शन लिया है?

डाक्टर मंगल सैन : बेसिक सवाल जिसकी मैं तैयारी करके आया हूं, वह जून से लेकर दिसम्बर के बीच के समय से सम्बन्ध रखता है । हरियाणा प्रदेश इतना फैला हुआ है जिसकी सारी इन्फर्मेशन एकदम नहीं आ सकती । जैसा कि माननीय सदस्य फरमा रहे है कि गोली चली और बहुत से लोग घायल हो गए, इसकी इन्क्वायरी करवाई जाएगी और अपराधियों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा ।

चौधरी ईश्वर सिंह : स्पीकर साहब, जिला कुरुक्षेत्र के एक गांव में 5 साल का एक बच्चा जिन्दा दबा दिया गया और उसका कलेजा निकाला गया है । यह खुन अभी तक बरामद नहीं हुआ है । क्या गृह मन्त्री बतायेंगे कि इस केस के बारे में क्या कार्यवाही की है?

डाक्टर मंगल सैन : इसके लिए सैप्रेट नोटिस चाहिए ।

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैम्बर यह बात मानेंगे कि इंडिविज्वल जो केसिज हैं उन के बारे में बताना बड़ा मुश्किल है

क्योंकि ऐसे केसिज हजारों होते हैं । इसके लिए डैफिनिट नोटिस दे ।

चौधरी पीर चन्द : जैसा कि मन्त्री महोदय ने जवाब में बताया है कि मर्डर हुए हैं । क्या गृह मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि जिलावार कितने–कितने हुए हैं?

डाक्टर मंगल सैन : जिलावार पूछा ही नहीं गया ।

चौधरी रिजकराम : स्पीकर साहब, मन्त्री महोदय ने फरमाया है कि यह पुरानी प्रैक्टिस है कि पुलिस वाले रपट दर्ज करने की बजाये दरख्वास्त ले लेते थे, रोजनामचे में दर्ज बाद में करते थे । मैं यह नहीं कहता कि मन्त्री महोदय जानबूझ कर ऐसी बात कह रहे हैं । मैं मन्त्री महोदय से एक स्पैसिफिक बात जानना चाहता हूं कि क्या वह प्रैक्टिस अब भी चालू है? क्या इस के बारे में कोई छानबीन करेंगें?

डाक्टर मंगल सैन : मैंने कैटेगरिकली अर्ज कर दिया है कि दरख्वास्त लेकर केस को रजिस्टर करने की प्रथा को बिल्कुल चलने नहीं दिया जाएगा । इसके बारे में हिदायत जारी कर दी हैं, अगर कहीं कोई कमी होगी तो पूरी करने की कोशिश करेंगे ।

श्री जगजीत सिंह पोहलू : हरियाणा में डाके, कत्ल के केसिज बहुत ज्यादा होने लग गए है, महकमे वाले कोई काम नही करते । क्या वजीर साहब महकमे को कम करने की कोशिश करेंगे ताकि कुछ बचत हो सके?

(कोई उत्तर नहीं दिया गया)

चौधरी उदय सिंह दलाल : स्पीकर साहब, चौधरी सोहन लाल टीचर्ज यूनियन के प्रधान थे, हरियाणा के बहुत अच्छे आदमी थे । हरियाणा में उन के खिलाफ गलत झूठे –केस बनाये गए । बड़े बेहूदा केस बनाये, क्या सरकार उन लोगों के खिलाफ, जिन्होंने ये बेहूदा केस बनाये है, कोई इक्वायरी करवायेगी?

डाक्टर मंगल सैन : हमने पहले भी ऐसे मामलों की जिन में लोगों को परेशान किया है, जांच करवाई है और इस मामले भे भी जाच करवाई जाएगी ।

श्री मूल चन्द जैन : क्या मन्त्री महोदय फरमायेंगे कि जिस पीरियड के केसिज की आपने तादाद बताई है, क्या यह तादाद पिछले साल की तादाद से ज्यादा है या कम है?

डाक्टर मंगल सैन : इसके लिए सैप्रेट नोटिस दें ।

चौधरी खुरशीद अहमद : जैसा कि वजीर साहब ने बताया कि थानों को हिदायते दी हैं कि कोई दरख्वास्त न ली जाए केस दर्ज करने के लिए । क्या वजीर साहब फरमायेगे कि पिछले 8 महीने के दौरान किसी थाने में दरख्वास्त मांगी गई है, अगर उनके नोटिस में लाया जाए कि फलां अफसर ने मांगी है तो क्या सरकार एक्शन लौ के लिये तैयार है?

डाक्टर मंगल सैन : जरूर लेंगे ।

श्री जय नारायण : क्या गृह मन्त्री महोदय बतायेंगे कि एमरजैसी के दौरान राम लाल शर्मा के साथ बहुत ज्यादा ज्यादती हुई थी, उसकी इन्क्वायरी करवायेंगे?

डाक्टर मंगल सैन : उनकी इन्क्वायरी. हो रही है ।

चौधरी संत कंवर : स्पीकर साहब, सांपला रेलवे स्टेशन पर डकैती की कई घटनाएं हुई हैं । और जगहों पर भीहुई हैं, इन घटनाओं को रोकने के लिये सरकार ने क्या कदम उठाए हैं?

डाक्टर मंगल सैन : स्पीकर साहब, आज भी अखबार में छपा है कि रूसिया और रोहतक के बीच रेलवे लाईन पर घटना हुई है । मैं गृह मन्त्री होने के नातेऔर अपना कर्त्तव्य पूरा करते हुए हाउस को यह अश्योर करना चाहता हूं कि हम इस मामलेमें पूरी तरह सजग हैं, ऐसी दुर्घटनाएं नही होने देंगे । सरकार का फर्ज है कि वह जनता के जान माल की हिफाजत करे और हम करेगे ।

चौधरी हुक्म सिंह : स्पीकर साहब, आबादी बढ़ गई है खास तौर पर शहरों में काफी बढ़ी है । क्या गृह मन्त्री महोदय बढ़ती हुई आबादी को देखते हुए थानों में पुलिस फोर्स बढा ने की कृपा करेंगे?

डाक्टर मंगल सैन : इस प्रश्न का मूल प्रश्न से कोई समबन्ध नहीं. है । फिर भी माननीय सदस्य पूछ रहे हैं । हम

अपने वित्त मन्त्री से कहेंगे कि हमारा ख्याल रखे और थोड़ा सा पैसा और दे दें, पैसा मिलेगा तो जरूर बढ़ाने की कोशिश करेग ।

चौधरी बीरेन्द्र सिंह : जब से गृह मन्त्रालय डा 0 मंगल सैन जी के पास आया है, शहरों के अन्दर आर 0एस 0एस 0 के वर्कर छोटे किरायेदारों को जबरदस्ती पुलिस के द्वारा निकलवा देते हैं, क्या मन्त्री महोदय बतायेगे कि ऐसा क्यों किया जाता है?

डाक्टर मंगल सैन : स्पीकर साहब, माननीय सदस्य को अपने दिल के गुबार निकालने की और रास्ता 'मिना नहीं है, इस बलने से कह रहे है । यह बात सरासर गलत है ।

चौधरी भजन लाल : मैं मन्त्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि हिसार डिस्टिक्ट के चूमा पुलिस स्टेशन में पुलिस ने एक हरिजन को गोली से उड़ा दिया है, उनके खिलाफ क्या कार्यवाही की है?

मुख्य मंत्री (चौधरी देवी लाल) : चूना पुलिस स्टेशन पर पुलिस फायरिंग में जो एक हरिजन की डैथ हूई थी, उसकी मैजिस्टीरियल इक्वायरी हुई थी' और वह बात गलत साबित हुई ।

श्रीमती शकुन्तला भगवाडिया : क्या मन्त्री महोदय बतायेंगे कि जनता पार्टी बनने के बाद हरियाणा में हरिजन लड़कियों के कितने हरण हुए हैं और कितने केस पुलिस की सहायता से बरामद हुए हैं?

डा0 मंगल सैन : यह सवाल मेरे से पूछा नहीं गया लेकिन मैं सदन को अश्योर करना चाहता हूं कि हमारे प्रदेश में जो बीकर सैक्शन हैं उन पर कोई ज्यादती नहीं करेगा और अगर करे गा तो सरकार ऐसे अपराधियो को सख्ती से कुचल कर रख देगी ।

चौधरी भजन लाल : स्पीकर साहब., यह सीरियस मैटर है । डसका जवाब तसल्लीबख्श नही मिला है । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप क्या कहना चाहते है ।

चौधरी भजन लाल : स्पीकर साहब, मैं यह पूछना चाहूंगा

श्री अध्यक्ष : मैंने आपका नाम नही लिया है ।

चौधरी भजन लाल : स्पीकर साहब, मैं यह प्रार्थना करना चाहता हूं कि यह एक सीरियस मैटर है लेकिन इसका जवाब. तसल्लीबख्श नही आया है । अगर आप इजाजत दें तो मैं एक प्रश्न पूछना चाहता हूं ।

श्री अध्यक्ष : मेरा ख्याल है कि जवाब बड़ा साफ मिल गया है कि उसके बारे में मैजिस्टीरियल इक्वायरी हुई और वह बात बिल्कुल गलत साबित हुई।

चौधरी भजन लाल : क्या हरिजन मरा ही नही?

चौधरी देवी लाल : हरिजन मरा वह मैंने कहा था और चूकि वह मरा इसी. वास्ते मैजिस्टीरियल इन्क्वायरी' हुई थी ।

चौधरी भजन लाल : क्या मुख्य मन्त्री' जी उसकी जुडीशियल इनकवायरी करायेंगे क्योंकि मैजिस्टीरियल इन्क्वायरी' से लोगों की तसल्ली नहीं हुई है क्योंकि पुलिस ने बिना किसी कसूर के एक हरिजन को मारा है ।

चौधरी देवी लाल : मैजिस्टीरियल इन्क्वायरी हो जाने के बाद अगर गवर्नमैंट को शक हो तो मैजिर्स्टारियल इन्क्वायरी. के खिलाफ जुडीशियल इक्वायरी करवाई जाती. है लेविन क्योंकि वह सैल्फ डिफैन्स में गोली चली थी इसलिये मैजिस्टीरियल इन्यवायरी से गवर्नमैंट की तसल्ली हो गई ।

Number of Panchayats without resources in the State

***233. Swami Aditya Vesh :** Will the Minister for Development and Panchayats be pleased to state -

(a) the total number of Panchayats without any resources of their own in the State at present ;

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to provide resources to the Panchayats as referred to in part (a) above; if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to be implemented ; and

(c) the total number of Sarpanches who have misappropriated the public funds to date togetherwith the

action taken against them and the number of those who have been proceeded against and punished ?

विकास तथा पंचायत मंत्री (सरदार तारा सिंह) :

(क) शून्य । समस्त पंचायतों को अधिकार है कि वे अवश्य ही गृह कर लगाएं और इसके अतिरिक्त वे कोई भी अन्य कर सरकार की अनुमति से लगा सकती है । समस्त पंचायतों को लैण्ड होल्डंग टैक्स का 3 प्रतिशत तक भाग कानून से नियत किया हुआ अनुदान दिया जाता है ।

(ख) नहीं ।

(ग) चूंकि कोई विशेष अकधि सष्ट नहीं की गई है इसलिये इसप्रश्न– का उत्तर ठीक ठीक दिया जाना सम्भव नही है ।

स्वामी आदित्य वेश : क्या मन्त्री जी बतायेगे कि जो पंचायतें साधनहीन है उनको साधन सम्पन्न बनाने के लिये सरकार कोई कदम उठा रहीहै? अध्यक्ष महोदय, यह जो उतर दिया गया है यह पर्याप्त नहीं है । यहां तो कहा गया है कि वे चूलहा टैक्स लगा सकती हैं और उनको लैण्ड होल्डिंग टैक्स का तीन परसैन्ट भाग दिया जाता है लेकिन ऐसा व्यवहार मेदेखने में नही आ रहा ।

सरदार तारा सिंह : स्पीकर साहब, मैंने साफ जवाब दिया है कि कोईऐसी पंचायत नहीं है जो साधन हीन दु । सब

पंचायतें टैक्स लगा सकती है । वे चूल्हाटैक्स लगा सकती हैं, कोई और टैक्स लगा सकती हैऔरइसके अलावा उनको लैडं होल्डिग टैक्स का 3 प्रतिशत भाग भी मिलता है । (विघ्न)

स्वामी आदित्य वेश : अध्यक्ष महोदय, मैं तो यह जानना चाहता हू कि क्या कोई ऐसी प्रपोजल गवर्नमैंट के विचाराधीन है जिससे पंचायते साधन–सम्पन्न बन सकें?

श्री अध्यक्ष : इसका जवाब वे पहले दे चुके हैं । अगर पंचायतें कोई टैक्स लगाना चाहती हैं तो गवर्नमैंट उसकी इजाजत देगी ।

स्वामी आदित्य वेश : पंचायतें तो चाहती हैं ।

श्री अध्यक्ष : अगर चाहती हैं तो प्रोसीजर के मुताबिक केस भेजा जाए ।

चौधरी बीरेन्द्र सिंह : क्या मन्त्री जी बतायेंगे कि तीन परसैन्ट जो लैण्ड टैक्स है वह इस साल पंचायतों को दिया गया रू अगर अभी तक नहीं दिया गया तो क्यों नहीं दिया गया?

सरदार तारा सिंह : स्पीकर साहब, यह सैपरेट सवाल है क्योंकि इस सवाल में यह नही पूछा गया था कि कोई पैसे पे किए गए या नहीं किए गए ।

Chaudhri Birinder Singh : My question is quite relevant. I want to know whether three per cent of the land tax

has been given to the Panchayats or not ?

श्री अध्यक्ष : पैसे दिए गए या नही दिए गए, इस वक्त इनको इस बारे में मालूम नहीं है लेकिन यह नौर्मल रूल है ।

चौधरी भजन लाल : स्पीकर साहब, कुछ पंचायतों के पास साधन न होने के कुछ कारण हैं । मिसाल के तौर पर आप बड़ा गांव को ले लीजिए । वहां 4– 5 मजरे अलग हो गए और उनकी अलग अलग पंचायतें बना दी गई । मैं मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि जो पंचायतें अलग बनी हैं क्या उनको गांव की शामलात देह में से हिस्सा दिया जाएगा?

सरदार तारा सिंह : स्पीकर साहब, बात यह है कि जों पंचायतें सैपरेट की नई उनके बारे में डी0 सी रिर्पोट करता है ?? इस माजरे की इतनी आमदन–है । उस आमदन के बगैर किसी पंचायत का सेपरेट नही किया जाता ।

चौधरी संत कंवर : अध्यक्ष महोदय, मै मन्त्री जी से पूछना चाहता हूं कि कांग्रेस राज के टाईम में पंचायत भवन के लिए जो 1 5 लाख रुपया इकट्ठा किया गया था वह कहां है? क्या उसे आप पंचायत भवन बनाने के लिये प्रयोग करेंगे या पंचायतो को ग्रांट देने के लिये प्रयोग करेंगे?

Sardar Tara Singh : It is a separate question, Sir.

चौधरी हरस्वरूप बूरा : क्या मन्त्री जी बताने की कृपा करेगे कि जो गांव बड़े हो गए हैं लेकिन वहां एक ही पंचायत है

और लोग अब दूसरी पंचायत बनाना चाहते है, वहां दूसरी पंचायत बनाने का क्या क्राइटेरिया है?

सरदार तारा सिंह : एक गांव में ही दूसरी पंचायत बनाना कोई अच्छी बात नही । मगर अगर उस पैचायत के दो–तीन गांव हों और उनमें से कोई गांव सैपरेट होना चाहते हो तो उनकी हम जरूर दूसरी पंचायत बना देते है ।

चौधरी लाल सिंह : स्पीकर साहब, मै मन्त्री जी से पूछना चाहता हूं कि पिछले राज मे कांग्रेसियों से मिलकर पंचायतों ने जो घपले कितु, उनकी कोई स्पेशल इन्क्वायरी होगी?

सरदार तारा सिंह : इन्क्वायरी रही है । कई पंचायतों के 'खिलाफ क्रिमिनल केसिज दर्ज किए गए है और कई अन्डर इन्वैस्टिगेशन भी है ।

स्वामी आदित्य वेश : अध्यक्ष महोदय, मन्त्री महोदय ने मेरे प्रश्न के (ग) भाग का उत्तर दिया है कि चूंकि मैंने टाईम स्पष्ट नही किया है कि किस समय से किस समय तक सरपंचों ने जनता कीनिधियों का दुरुपयोग किया, इसलिये इस प्रश्न का उत्तर ठीक ठीक दिया जाना संभव नही है । अध्यक्ष महोदय मेरा प्रश्न तो बिल्कुल स्पष्ट था । मैंने पूछा था कि उन सरपंचों की' कुल संख्या कितनी है जिन्होंने सार्वजनिक निधियों का दुरुपयोग किया और उनके विरुद्ध दया कार्यवाही की गई?

श्री अध्यक्ष : लेकिन कब से कब. तक ?

स्वामी आदित्य वेश : आज तक ।

श्री अध्यक्ष : लेकिन शुरू कब से करना है?

स्वामी आदित्य वेश : हरियाणा जब से बना है ।

श्री अध्यक्ष : वह जवाब ठीक है ।

श्री जय नारायण : अध्यक्ष महोदय, कलानौर के अन्दर एन 0ए0सी 0 बनी हुई है और उसमें दो गांव ऐडजस्ट किए हुए हैं जिसकी वजह से हरेक को दो अढाई किलोमीटर कीं दूरी तय करनी पड़ती है । वहां पचायत बनाने के लिये दो अढाई साल पहले प्रपोजल भेज गई थी डी0सी0 ने भी रिकोमैंड करके केस वहां भेजा है लेकिन अभी तक यहां पंचायते नही बनाई गई । कल भी मैंने बात की थी लेकिन बताया गया कि अभी फैसला नही हुआ । क्या मन्त्री जी बतायेंगे कि यह फैसला कब तक हो जाएगा?

सरदार तारा सिंह : अध्यक्ष महोदय, इनका सवाल एन0ए 0सी 0 के मुताल्लिक है । वह मेरा डिपार्टमैंट नहीं है ।

चौधरी राजेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, कई स्थानों पर तीन–तीन या चार–चार गांव को इकट्ठा मिला करके पंचायतें बनाई गई हैं लेकिन अब उनमें से कई गांव बाइफरेकशन चाहते हैं । क्या मन्त्री जी बतायेगे कि उनकी मिनिमम रिक्वायरमैंट क्या है, किन किन शर्तो को पूरा करना चाहिए जिससे अलग पंचायतें बन सके ।

सरदार तारा सिंह : अध्यक्ष महोदय, दो बड़ी शर्तें है । एक तो पापुलेशन पांच सौ हो और आमदन कम से कम तीन सौ रुपये हो । यदि गांव वाले यह प्रस्ताव करके भेज दें और डी0सी 0 रिकोमैंड कर दे तो मैं फौरन उसी वक्त फैसला कर देता हूं ।

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, हमारे जिला जींद में 7 4– 75 में एक–यूक हजार रुपया हर पंचायत से सी0 आर0 कालेज के लिये जबरदस्ती दिलाया गया था । क्या यह उचित है? अगर उचित नहीं है तो उसके खिलाफ क्या कार्यवाही होगी?

सरदार तारा सिंह : मेरे नोटिस में ऐसी शिकायत नही आई । अगर माननीय सदस्य कोई स्पैसिफिक शिकायत करेंगे तो मैं जरूर ऐक्शन लूगा ।

चौधरी पीर चन्द : अध्यक्ष महोदय, कई जगह दो–दो, तीन–तीन गांवों को मिला करके पंचायतें बनाई गई हैं । अब कई गांव अलग पंचायत बनाना चाहते हैं । क्या मन्त्री जी बतायेगे कि अलग पंचायत बनाने के लिये क्या नियम हें?

श्री अध्यक्ष : अभी तो इन्होंने बताया है ।

सरदार तारा सिंह : मैंने पहले इसका जवाब दे दिया है ।

श्री फतेह चन्द विज : क्या मिनिस्टर साहब के नोटिस में आया है कि पंचायतो का काम सही ढंग से नहीं हो रहा है ।

जिस मकसद के लिए पंचायतें बनी. थीं वह मकसद पूरा नही हो रहा है । क्या मन्त्री जी बतायेगे कि कोई ऐसी कमेटी बनाई जाएगी. जो' इस बात को देखे और अपने सुझाव दे ताकि पंचायती राज सही ढंग से काम कर सके?

सरदार तारा सिंह : वह कमेटी बनी हुई है । हमने हरजिले मेंजाकर लोगोंसे पूछा है और नई रिर्पोट भी देने वाले हैं ।

चौधरी ईश्वर सिंह : अध्यक्ष महोदय, अभी तक तो सरपंचों को जो अधिकार हैं वे कागजों में ही. हैं । क्या जनता सरकार उन्हें विशेष अधिकार देगी ताकि पंचायती राज. को प्रैक्टिकल रूप में लागू किया जा सके?

सरदार तारा सिंह : सरपंचों के पास मुकम्मल अख्तियार है बल्कि वे अपने अख्तियार ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं ।

कंवर राम पाल सिंह : क्या मंत्री जी को इल्म है कि पंचायत फंड्ज में गबन हो रहाहै? पीछे पंचायत डिपार्टमैंट ने ऐसा किया था कि सैक्रेट्रीज के पास जो फाइनैन्शल पावर्ज होती थी वे सरपंचों को लौटा दी । चूंकि सरपंच अनपढ़ होते है इसलिए पंचायत सैक्रेट्रीज उन पावर्ज को मिस यूज करते हैं तो क्या इन फंड्ज को गबन से बचाने के लिरर कोई प्रपोजल सरकार के विचाराधीन है जिसके तहत ये पावर्ज किसी अन्य प्रौपर अथौरिटी को दी जा सकें?

सरदार तारा सिंह : अध्यक्ष महोदय, इसके म्उताल्लिक ऐक्ट में क्लीयर प्रोविजन है ह चूंकि यह डिफिकल्टी देखी गई थी कि सरपंच अनपढ़ होते हैं और सैक्रेट्रीज उनसे अंगूठा लगवा लेते हें इसलिये यह अमैंडमैंट की थी ।

श्री टेक राम : क्या मंत्री जी बताएंगे कि अगर एक गांव में एक पंचायत हो लेकिन लोग ज्यादा पंचायतें बनाना चाहते होंतो उसका क्या क्राइटेरिया है?

सरदार तारा सिंह : अध्यक्ष महोदय, केवल एक गांव में दो पंचायतों की बात मेरे नोटिस में आई है । उसमें दो पाने थे और उनमें हमेशा जिद्द बाजी रहती थी । केवल उसी गांव में दो पंचायतें की हैं, बाकी जगह ऐसी बात नहीं है ।

चौधरी देस राज : क्या मंत्री जी बताएंगे कि एक ब्लाक के लिए एक ओवरसीयर लगाया जाएगा क्योंकि इस वक्त दो ब्लाकों में एक ओवरसीयर है जिसकी वजह से पंचायत्त के कामों में ओबस्ट्रक्शन हो रही हे?

सरदार तारा सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह तो सैपरेट क्वैश्चन है ।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, ऐमरजैसी के दिनों में बहुत से सरपंचों के खिलाफ झूठे केस बनाए गए थे लेकिन अबवे अदालतों से बरी हो गए हैं । क्या मंत्री जी बताएंगे

कि उन अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी जिन्होंने उनके विरुद्ध झूठे मुकद्दमें बनाए थे?

सरदार तारा सिंह : अध्यक्ष महोदय, इस वक्त कोई ऐसा केस मेरे नोटिस में नहीं है । अगर माननीय सदस्य कोई ऐसा केस मेरे नोटिस में लाएने तो जरूर कार्यवाही करूंगा ।

चौधरी हरस्वरूप बूरा : क्या मन्त्री महोदय बताने का कष्ट करेगे कि आने वाले सरपंचों के चुनाव डायरैक्ट होगे या इसी प्रकार से होंगे जैसे पहले हुए थे?

सरदार तारा सिंह : आपको पता है । पार्टी मीटिंग में जो फैसला हुआ था, उसी फैसले को लागू किया जायेगा ।

स्वामी आदित्य वेश : क्या मंत्री महोदय बताने का कष्ट करेंगे कि चूल्हा टैक्स लगाने के इख्तियारात सरकार को है या पंचायत को है? यदि पंचायत को हैं तो 5, 8, और 11 रुपये जबरदस्ती क्यों लिया जाता है?

सरदार तारा सिंह : किसी पर जबरदस्ती चूल्हा टैक्स नही लगाया जाता । यह पंचायत के अपने फैसले के मुताबिक है ।

Drinking Water

***255. Shri Sant Kanwar :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the tehsil wise steps being taken by the Government to provide more drinking water to villages of district Rohtak particularly in Hassangarh

Constituency during the year 1977.78 ?

Irrigation and Power Minister (Shri Verendar Singh) : A statement is laid on the table of the House.

STATEMENT

These are three Tehsils in. District Rohtak namely Rohtak, Jhajjar and Bahadurgarh .

2. During the year 1977-78, a sum of Rs. 16.63 lacs has been allotted to Rohtak District, out of the State's total of Rs. 2.00 crores. This amount has has been distributed for the execution of Normal Rural Water Supply Schemes in district Rohtak as given in Appendix `A' .

3. In addition, out of the amount of Rs. 1 crore and 40 lacs allocated by the Central Government to Haryana State under the Accelerated Rural Water-supply Programme started by the Central Government, a sum of Rs. 9 lacs been allocated to two schemes in Jhajjar Tehsil of Rohtak District during the year 1977-78. These schemes are as under :—

Sr. No.	Name of Scheme	Estimated cost (Rs. in lacs)	Village covered	Funds provided this year (Rs. in lacs)	Month in which work started
1	2	3	4	5	6
1.	Asadpur Khera group of 4 nos. villages	14.10	1. Asadpur Khera	5.00	5/76

		2. Kulana			
		3. Koka			
		4. Rattanthal			
2.Dujana and Chamanpura	12.86	1. Dujana 2. Chamanpura	4.00		11/74

4. As regards Hassangarh Constituency in Rohtak Tehsil, allocations of Rs. 55,000/- for Sampla Group of villages (comprising of Sampla, Kheri Sampla and Garhi Sampla) and Rs. 1.60 lacs for Bhambeva and Kiraur Group of villages (out of which Kiraur village is in Hassangarh Constituency) have been made as mentioned above in the year 1977-78 .

5. Moreover, 11 villages of Rohtak Tehsils have been included in the World Bink Scheme for 175 villages costing Rs. 13.20 crores, which is expected to be

started next year. Out of these 11 villages, 3 villages are in Hassangarh Constituency.

The following villages of Rohtak Tehsil have been included in the World Bank Scheme :-

1. Ismaila 1 9 Biswa and 11 Biswa Sr. No. 1.3 fall in Hassangarh Constituency

2. Ismaila

3. Morkheri

4. Jasurkheri

5. Kheri Jasur

6. Chiri

7. Singhpura

8. Samar Gopalpur

9. Bansi

10. Khark Jattan

11. Gogaheri

6. No funds have been allocated for any village of Bahadurgarh tehsil during the year 1977-78.

APPENDIX 'A'

Statement showing the position of funds allocated during the year 1977-78 in District Rol**

S. No.	Name of scheme	Name of Tehsil	Name of District	Name of Constituency	Estimated cost (Rs. in lacs)	Funds allocated during 1977-78 (Rs. in lacs)	Total funds allocated to date (in lacs)	Expenditure upto 31.12-77 (in lacs)	Total population of the constituency 1971 census	Month & Year of start of scheme	Month & year of completion of scheme	No. of villages in the scheme	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1.	Madina	Rohtak	Rohtak	Meham	10.25	2.50	4.29	1.70	1,06,940	3/77	-	2	Completion of scheme depends on availability

												of funds
2.	Sampla	Rohtak	Rohtak	Hassangarh	9.10	0.55	8.57	8.78	1,04,914	4/72	3/76	3	W/s provided in all villages
3.	Anwal	Rohtak	Rohtak	Kalanaur	4.40	0.30	4.35	4.35	1,02,481	7/72	9/74	1	Water supply provided
4.	Sabana	Jhajjar	Rohtak	Jhajjar	7.07	1.50	4.09	2.04	1,18,680	5/75	-	1	Likely to be completed by the end of 3/78.
5.	Dhakla	Jhajjar	Rohtak	Jhajjar	5.07	2.50	4.57	2.51	1,18,680	5/76	-	1	Completion of scheme depends upon availability of funds
6.	Khatiwas	Jhajjar	Rohtak	Beri	9.00	2.05	6.38	4.76	1,07,018	6/76	2/78	2	

7.	Chimni	Jhajjar	Rohtak	Beni	9.97	1.75	1.87	0.01	1,07,018	2/78	-	2	-do-
8.	Dhirana Bhamboeva & Kiraur Group	Jhajjar	Rohtak	Beri/Hassangarh	8.79	1.60	1.60	-	1,07,018 1,04,914	2/78	-	2	-do-
9.	Nahir 'C' group	Jhajjar	Rohtak	Sahalawas	38.18	3.00	28.98	33.75	1,05,006	5/67	6/77	30	W/s provided to all villages
10.	Surheti	Jhajjar	Rohtak	Sahalawas	1.56	0.80	1.64	0.30	1,05,006	7/73	3/74	1	Water supply provided
11.	Khanpur group	Jhajjar	Rohtak	Sahalawas	1 .54	0.08	1 .47	0.98	1,05,006	7/73	3/77	2	Water Supply provided

2 Nos.

चौधरी संत कंवर : मंत्री महोदय ने जो जवाब दिया है उसमें हसनगढु कांस्टीच्यूंसी के तीन गांवों को इस योजना के तहत लिया गया है परन्तु इस जवाब के नीचे जो लिस्ट लगी हुई है उसमें हसनगढ कांस्टीच्यूंसी के दो गांव शामिल किये गये हैं एक इस्मायला और दूसरा मोरखेडी ।

श्री वीरेन्द्र सिंह : इस्मायला दो 'दिखाये है, एक नहीं है । यह भी हो सकता है कि एक ही गांव में दौ टंकियाँ बननी हों । कोई न कोई बात जरूर है । इस्मायला 9 बीसवे और इस्मायला 11 बीसवें और तीसरा गांव मोरखेडी है, इन तीन गांवों में यह स्कीम लागू की गई है ।

चौधरी संत कंवर : मैं चाहूंगा कि वर्ल्ड बैक की स्कीम के तहत जिन गांवों को पानी दिया जायेगा उसमें एक गांव इस्मायला है और दूसरा मोरखेडी है, इसलिए तीसरा भी शामिल कर ले ।

श्री अध्यक्ष : लिस्ट में इस्मायला गांव दो दफा लिखा हुआ है ।

चौधरी हरस्वरूप बूरा : जिन जिलों में गांव से 12 परसैन्ट रुपया लेते हैं, उसमें भी कुछ सबसिडी दी जायेगी?

श्री वीरेन्द्र सिंह : सबसिडी का कोई सवाल ही नही है । केवल 12 परसैन्ट रुपया लेते हैं, उसमें क्या सबसिडी देंगे?

चौधरी लाल सिंह : क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि जो गांव 12 परसैन्ट रुपया भी नहीं दे सकते हैं, उनमें पीने का पानी नहीं दिया जायेगा? (हंसी)

श्री अध्यक्ष : इसका जवाब तो आपको जरूर देना पड़ेगा ।

श्री वीरेन्द्र सिंह : जिन लोगों में 12 परसैटं रुपया देने की कैपेसिटी नहीं है, ऐसे इलाके पहले ही बैकवर्ड एरिया डिक्लेयर कर दिये गये हैं । अगर ऐसा इलाका अब भी कोई नजर आया तो उसको भी बैकवर्ड 'डिक्लेयर कर दिया जायेगा ।

चौधरी प्रताप सिंह : ठाकरान क्या मंत्री महोदय बताने का कष्ट करेंगे कि वे कौन से इलाके हैं जिनको बैकवर्ड करार दियां गया हे?

श्री वीरेन्द्र सिंह : वैसे तो मैं सारे हरियाणा के बैकवर्ड एरिया को बताने के लिए तैयार हूं लेकिन यी प्रैक्टिस स्पीकर साहब ने खत्म कर दी है । सिर्फ रोहतक जिले के बारे में सवाल पूछा गया था इसलिए रोहतक तक ही सीमित रहे तो ठीक रहेगा ।

चौधरी संत कंवर : जो गांव साढ़े बारह परसैन्ट रुपया देंगे, इसमें उस जर्मीन की कीमत को भी शामिल किया जाता है 'जिसमें टैक बनाये जाते हैं या आप अलग से साढ़े बारह परसैन्ट तो नही लेंगे?

श्री वीरेन्द्र सिंह : साढ़े पांच परसैन्ट तो जमीन की कीमत हो जाती है और बाकी पैसा लेबर और कैश की शकल में लेते हैं ।

श्री जयनारायण : क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि रोहतक में कितनी पानी की योजनाओं का निर्माण किया जा रहा है?

श्री वीरेन्द्र सिंह : इसके लिए सैपरेट नोटिस दें ।

श्री अध्यक्ष : रोहतक जिले की लिस्ट है, उससे आप देख सकते हैं ।

श्री वीरेन्द्र सिंह : सदन के पटल पर लिस्ट प्रस्तुत है । उससे देख सकते है ।

चौधरी उदय सिंह दलाल : क्या मंत्री महोदय के नोटिस में यह बात है कि हरियाणा में जितने भी वाटर सप्लाई के टैंकस हैं, वे फूट गये हैं, आइन्दा से ऐसा प्रबन्ध करेंगे कि फूटने से बच सकें और उनमें पूरा मैटीरियल लगाया जाये?

श्री बीरेन्द्र सिंह : मैटीरियल तो पूरा जरूर लगा है । अगर फूट गये हैं तो फिर रिपेयर करा देंगे लेकिन फूटते तो आगे भी रहेंगे ।

चौधरी हरस्वरूप बूरा : बैहनी–महाराजपुर जो मेहम से हांसी रोड पर है, उस स्कीम से तीन गांवों को पानी सप्लाई होता है अभी तक वह आधी कैपेसिटी की बनी है । तो मैं मंत्री महोदय

से यह जानना चाहता हूं कि उसको पूरा करने के लिए अलग से साढ़े बारह परसैन्ट जमा करना पड़ेगा या नहीं?

श्री बीरेन्द्र सिंह : अलग से टैंक बनाना पड़ेगा तो जमीन की कीमत दे दें, बाकी का पैसा छोड़ देंगे ।

चौधरी संत कंवर : स्पीकर साहब आपकी कांस्टीच्युएंसी में भी दो गावों को तीन बनाया हुआ है ।

श्री अध्यक्ष : मेरा कोई एतराज. नहीं है । (हंसी)

चौधरी संत कंवर : मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि चिमनी, ढराण और खातीवास की स्कीम को कब तक पूरा कर देंगे?

Shri Verendar Singh : It depends upon the availability of funds.

चौधरी मेहर सिंह राठी : मैं मिनिस्टर महोदय से जानना चाहता हूं कि बहादुरगढ़ के हलके में इस स्कीम के तहत कौन कौन से गांव आते हैं? मेरे हल्के में किसी भी गांव में कोई भी पानी की टंकी आज तक नहीं बनी है वहां पर पानी भी खॉरी हैं ।

श्री वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, मैं इस सवाल का इन्तजार कर ही रहा था । हम बहादुरगढ़ के हल्के में सब–डिवीजन को पानी देना चाहते हैं लेकिन ये लेना नहीं चाहते

। हमने कितनी ही स्कीमें अप्रूव करके भेजी लेकिन उन गांव की पंचायते 12 परसैन्ट रुपया जमा कराने के लिए भी तैयार नही है । मैं राठी साहब को उन स्कीमों के नाम भी बता देता हूं । अगर वे 1 2 परसैन्ट रुपया दाखिल करदें तो फौरी तौर पर काम शुरू करा देंगे ।

चौधरी रिजक : राम मंत्री महोदय ने अभी फरमाया था कि यह प्रैक्टिस ठीक नहीं है, तो उनको यह प्रैक्टिस इतनी जल्दी नहीं तोडनी चाहिए । (हंसी)

श्री अध्यक्ष : यह सवाल तो रोहतक जिले का है । (हंसी)

श्री बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, मैं नाम बता देता हूं जिनको हमने अप्रूव किया– मातनहेल, खेडी जसौर, बरहाई, ईशाहेडी, शादी पुर, आसौदा, भापडोदा और मांडोठी ।

श्री अध्यक्ष : राठी साहब यह तो आपकी ही ढिलाई मालूम होती है ।

चौधरी मेहर सिंह राठी : वर्ल्ड बैक की स्कीम के तहत जिन गांवों को पानी दे रहे हैं, मैं तो उनके बारे में पूछ रहा हूं ।

चौधरी रिजक राम : स्पीकर साहब, अभी मंत्री महोदय ने बताया कि मांडोठी गांव वर्ल्ड बैक की स्कीम के नीचे नहीं आता है । वहां के लिए कोई स्कीम नही बनी है । तो क्या मंत्री

महोदय इस बात को मद्देनजर रखते हुए कि दलाल साहब ने अभी इलैक्शन लड़ा है, खर्चा ज्यादा हूआ है, उन्हें कोई कनसैशन देने की बात करेंगे (हंसी)

राव राम नारायण : मन्त्री महोदय यह बताने की कृपा करेगे कि मेरे हल्के में एक दो गांव ऐसे हें जहां पर तीन–तीन, चार–चार मील से पानी लाते हैं, क्या उन गांवों के लिये भी कोई स्कीम है?

श्री वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, जैसे कि मैं अर्ज कर चुका हूं कि हरियाणा में 4,000 गांव ऐसे हैं जिन्हें सकेयर्सिटी विलेजिज डिक्लेयर किया जा चुका है । ये वे गांव हैं जहां पर कि तीन–तीन व चार–चार मील से पानी लाना पड़ता है । उनके लिये हम एक अलग से लिस्ट बना रहे हैं । नैक्स्ट फाइनैशियल ईयर में हम उन गांवों को प्रायरिटी देने की कोशिश करेगे ।

श्री मूल चन्द जैन : क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृ पा करेंगे कि जो आपने स्कीम बनायी हे, इसका एडमिनिस्टेरटिव अप्रूवल कब हुआ और इसके लिये रुपया कब सैकशन हुआ ।

श्री वीरेन्द्र सिंह : कौन सी स्कीम की बाबत पूछ रहे है आप?

श्री मूल चन्द जैन : बहादुरगढ़ वाली की बाबत मैं पूछ रहा हूं । मेरा सवाल एक बार फिर सुन लीजिये कि

एडमिनिस्टेरटिव अप्रूवल कब हुई और इसके लिये रुपया कब सैक्शन हुआ ?

श्री वीरेन्द्र सिंह : मातन गांव के बारे में पोजीशन इल प्रकार है :–

An estimate for this village for an amount of Rs. 8.32 lakhs was administratively approved and funds to the tune of Rs. 31,000/-were allowed in 1974-75. The work could not have been taken up in hand as no beneficiary share was deposited.

कैप्टन मांगे राम : क्या वजीर साहब यह बताने की कृ पाकरेंगे किइस वाटर सप्लाई स्कीम के तहत झज्जर जोकि बैडली फलड अफेक्टिड एरिया हें, के कुछ गांव लिए गयें हैं या नहीं, अगर लिए गये हैं तो कितने लिये गए हैं?

श्री वीरेन्द्र सिंह : जैसे कि मैंने बताया है बर्ल्ड बैक की स्कीम के तहत 175 गांव, कई ब्लाक्स के इस लिस्ट में शामिल किये गये हैं, अगर यह कोई खॉस गांव का नाम दें तो मै उसके बारे में इनको बता सकता हूं ।

कैप्टन मांगे राम : बुलियानी गांव देखिये, इस स्कीम में है या नहीं?

श्री वीरेन्द्र सिंह : मैं आपको चिट्ठी लिख दूंगा कि यह लिया हैया नहीं ।

चौधरी रिजक राम : मैं मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि बहादुरगढ़ सब डिवीजन में रोहतक जिले में नयी सरकार बनने के बाद कितने गांवों के लिये स्कीम मंन्जूर की गयी है? **श्री वीरेन्द्र सिंह :** हमने कई गाँवों के रफ एस्टीमेट्स तैयार करके बी0 डी0 ओज0 को भेजे हुए हैं ताकि वे पंचायतों को भेज सकें । परन्तु कुछ गांवों के बारे में तो बी0 डी0 ओज0 का जवाब नहीं आया और जहां से आया है वह 12 प्रतिशत शेयर देने के लिये तैयार नहीं हैं । इसलिये यह सारी की सारी स्कीम यों की यों ही पड़ी हुई है । उसको फाईनल नहीं कहा जा सकता और न ही सैनीटेशन बोर्ड तब तक कोई फाइनल सैकशन कर सकता है और पैसा दे सकता है ।

श्रीमती शकुन्तला भगवाडिया : क्या है मंत्री महोदय से यह पूछ सकती हूं कि गांवों को पानी देने केलिये जो लिस्ट बनायी गयी है, यह एम0 एल0 ए0 साहिबान से पूछ कर बनायी गयी है, अगर नहीं तो क्या आगेके लिये एम0 एल0 ए0 साहिबान से पूछ कर बनायी जायेगी?

श्री वीरेन्द्र सिंह : . जरूर पूछ कर बनायी जायेगी ।

चौधरी पीर चन्द : यह जो मंत्री जी ने कहा कि 12 परसैन्ट अपना शेयर कोई गांव रोहतक जिले में भर दे तो वहां पर जल्दी से जल्दी यह स्कीम–शुरू कर दी जायेगी और इस बात को ध्यान में रखते हुए कि बहुत सी पंचायतें यह शेयर देने के

लिये तैयार नही है, अगर यह 12 परसैन्ट शेयर कोई दूसरे जिले का गांव भर देगा तो क्या वहां पर काम शुरू कर दिया जायेगा?

श्री वीरेन्द्र सिंह : जरूर किया जायेगा ।

श्री मूल चन्द मंगल : क्या मन्त्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि जहां पर वाटर सप्लाई सब स्टैन्डर्ड ही वहां पर क्या कार्यवाही की जा रहीं है? क्या सच–स्टैडर्ड पानी होने के नाते भी किसी गांव में ऐसी स्कीम शुरू की जायेगी?

श्री वीरेन्द्र सिंह : अगर कोई ऐसी शिकायत हमारे नोटिस में आयेगी तो पानी को टैस्ट किया जायेगा ।

श्री भले राम : क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे यिय आपने जो पंचायतों को अपना बेनीफीशीयरी शेयर भरने के लिये कहा है, इसकी कितनी देर क्क इन्तजार करोगे, अगर यह सकार कर देंगे तो क्या दूसरे गांवों को मौका दिया जायेगा?

श्री वीरेन्द्र सिंह : . हां, दूसरे गांवों को जरूर मौका दिया जायेगा । हमने एक गांव, जो कि श्री गंगा राम जी के हल्के में है, से इन्कारी आने पर दूसरे गांव को पानी की स्कीम अलाट कर दी है ।

चौधरी राम किशन : मन्त्री महोदय ने यह बताया है कि जो गांव 12 प्रतिशत अपना बैनीफिशयरी शेयर दाखिल करवा देंगे

वहां पर अवश्य ही यह स्कीम शुरू करवा दी जायेगी । मैं उनसे यह पूछना चाहता हूं कि उन गांवों की कुल संख्या कितनी है जिमको आपने वह बैनी– फिशीयरी शेयर जमा करवाने के लिये कहा है और उनमें से कुल कितनों ने इन्कार कर हइया है?

श्री वीरेन्द्र सिंह : इसके लिये सैपरेट नोटिस चाहिये ।

श्री मूल चन्द जैन : मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि यह बैनीफिशीयरी शेयर किस तरह से जमा करवाया जाता है, कहां पर जमा करवाया जा सकता' है और इसके लिये कौन सी एजेन्सी है, क्या इस बारे में विस्तार से बतायेगे?

श्री अध्यक्ष : इसकी जरूरत नहीं है क्योंकि जो चीज इंस्टूक्शन्ज में अवेलेबल है, हम वह खुद पढ़ सकते हैं ।

चौधरी लाल सिंह : स्पीकर साहब यह बहुत इम्पौर्टेट मसला है क्येंकि आपको पता ही है कि पानी के बिना कोई चीज जिन्दा नहीं रह सकती । मैंने 146 गांवो के बारे में लिखकर दिया हुआ है । मैं पूछना चाहता हूं कि उनको पानी कब तक मिल जायेगा? साल या दो साल. कोई डेट तो पता लगनी चाहिये? लोग बहुत तंग करते हैं पानी के बारे में... (व्यवधान)

(कोई उत्तर नहीं दिया गया ।)

Barren Land in Safidon Constituency

***243. Chaudhri Rant Kishan : Will the Minister**

for Revenue

be **pleased to state** -

(a) whether any barren land is lying in Safidon Constituency if so, village-wise total area thereof ;

(b) whether it is a fact that the above said barren land cannot be irrigated by Canal water and ;

(c) if so, whether there is any scheme under consideration of Government to irrigate the above said land by Government tubewells, if so, time by which Government tubewells are likely to be installed ?

Revenue Minister (Shri Preet Singh) :

(a) Yes. There is 994 Hectares of barren land in Safidon Constituency. The village-wise list is laid on the table of the House.

(b) Yes, Sir.

(c) No, Sir.

List of barren land village-wise in Safidon Constituency.

Sr. No.	Name of Village	Area in Hectares
1.	Anchra Khurd	61

2.	Barod	60
3.	Karsindh	135
4.	Todikheri	13
5.	Titokher i	143
6.	Anta	184
7.	Sherfabad	22
8.	Bhadurpur	109
9.	Safidon	176
10.	Kurar	10
11.	Basini	26
12.	Bhambewa	55
	Total	994

चौधरी राम किशन : मैंने सवाल के पार्ट (बी) में मन्त्री महोदय से पूछा था :–

"Whether it is a fact that the above said barren land cannot be irrigated by Canal Water and;."

इसके जवाब में उन्होंने यह कहा है,

''Yes Sir'' पार्ट (सी) में पूछा था :–

"If so, whether there is any scheme under consideration of Government to irrigate the above said land by

Government tubewells, if so, time by which Government tubewells are likely to be installed?"

इसके जवाब में उन्होंने कहा है '' No Sir '' । स्पीकर साहब यह बात तो इन्होंने मानी है कि नहरी पानी से वह जमीन सिंचाई नही की जा सकती तो इन्हें वहां पर ट्यूबवैल लगाने चाहियें और इसके लिये कोई कदम उठाये जाने चाहिये?

श्री अध्यक्ष : यह तो आपका सजैशन है ।

चौधरी संत कंवर : स्पीकर साहब, चौधरी राम किशन जी ठीक तरह से क्वैश्चन पूछ नहीं सके, इसलिये मैं इनसे अब पूछता हूं । इन्होंने सवाल के पार्ट (बी) में यह माना है कि वह बंजर भूमि नहर द्वारा सिंचित नहीं की जा सकती । सवाल यह था कि क्या यह तथ्य है कि उपर्युक्त ह जर भूमि नहरी पानी से सिंचित नही की जा सकती, इन्होंने कहा है—'यस सर । ' फिर उसके बाद चौधरी राम किशन जी का सवाल यह है कि यदि ऐसा है तो क्या उपर्युक्त भूमि को नलकूपों से सिंचित करने के लिए कोई योजना सरकार के विचाराधीन है? इन्होंने यह कहा है——'नहीं जी । ' मैं मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि इस बंजर भूमि को पानी देने के लिये कोई स्कीम लागू की जायेगी?

श्री प्रीत सिंह : स्पीकर साहब, इसका मैंने पहले ही जवाब दे दिया है कि इस वक्त कोई योजना नहीं है । अगर होगी तो फिर आगे एग्जामिन करा लेंगे और फिर उसके बाद देख लेंगे ।

चौधरी शिवराम वर्मा : स्पीकर साहब, जैसे कि मन्त्री महोदय ने अपने जवाब में यह बताया है कि 9, 000 एकड़ एरिया ऐसा है सफीदों में, जहां पर कि नहरी पानी नही लगाया जा सकता । ट्यूब–वैल लगाने से उन्होंने इन्कार कर दिया है और यह कह दिया है कि वहां पर कोई ऐसी योजना नहीं है । मैं यह पूछना चाहता हूं कि क्या सरकार उन्हें किसी तरह से भी पानी देने का कोई प्रबन्ध करेगी या नहीं?

श्री प्रीत सिंह : स्पीकर साहब, मैंने बताया है कि यहां पर जो जमीन है वह बहुत 0ंची नीची–सी जमीन है, आबादी–देह की जमीन है और बीच में बहुत से रास्ते पड़ते हैं, इसलिये वहां पर ट्यूबवैल लगाने की अभी कोई स्कीम नहीं है ।

चौधरी राम किशन : जैसे कि मंत्री जी ने कहा कि वह'।. पर आबादी–देह की जमीन है, बीच में बहुत से रास्ते पड़ते है और 0ंची नीची जमीन है । मैं उन्हे यह बताना चाहता हूं कि वहां पर ऐसी कोई भी बात नहीं है । आखिर मेरी कांस्टीज्यूऐंसी है, मेरा क्षेत्र है, वहां पर बहुत बैरन लैड पड़ी है । वे इस बात को नहीं कह सकते कि....

श्री अध्यक्ष : आप यह बताये कि वहां ट्यूबवैल. लग सकता है या नहीं । अगर लग सकता है तो आप कहें कि ट्यूबवैल. लग सकता है ।

सिंचाई एवं बिजली मन्त्री (श्री वीरेन्द्र सिंह) : अगर ऐसी कोई बात है कि वहां पर ट्यूबवैल लग सकते है तो मैं एम0आई0टी0सी0 से एग्जामिन करवा लूगा ।

District-wise Metalled Roads Constructed.

***265. Chaudhri Jagjit Singh Pohloo :** Will the Minister for Irrigation & Power be pleased to state -

(a) the district-wise total kilometers of metalled roads constructed after the formation of Janata Government; and

(b) the total kilometers of metalled roads constructed in the Pai Constituency of District Kurukshetra ?

Irrigation and Power Minister (Shri Verendar Singh) -

(a) A statement is placed on the table of the House.

(b) 155 .06 Kms. as on 31.1.78.

STATEMENT

District-wise total Kilometers of metalled road constructed after the formation of Janata Government upto 31.1.78.

Sr. No.	Name of District	Length (in K.M.S.)

1	2	3
1.	Ambala	38.72
2.	Karnal	25.53
3.	Rohtak	7.03
	Hissar	76.59
5.	Gurgaon	37.77
6.	Mohindergarh	18.13
7.	Bhiwani	28.36
8.	Kurukshetra	55.03
9.	Sirsa	55.99
10.	Jind	16.81
11.	Sonepat	12.06
	Total :	372.02

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू : क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि जो आपने सदन में आंकड़े रखे हैं वे जनता सरकार आने के बाद के है या पहले के है और दूसरे 'पाई' कांस्टीच्यूऐंसी में जनता सरकार ने कितने किलोमीटर सड़क बनाई है?

श्री वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, पोहलू साहब ने पहली बात तो रह पूछी कि जनता सरकार बनने के बाद डिस्ट्रिक्टवाइज कितने किलोमीटर मैटल्ड रोड्ज बनी. स्पीकर साहब, जनता गवर्नमैंट आने के बाद की फिगर्ज मैंने आपके सामने रख दी, यह हमारी सरकार के आंकड़े हैं । दूसरे श्री पोहलू ने 'पाई' कांस्टीच्यूऐंसी की बाबत पूछा है । 'पाई' कांस्टचुऐन्सी में केवल 40 गांव हैं और 38 गांवों को सड़क दे दी गई है चार गांव बाकी रहते हैं ।

चौधरी भजन लाल मन्त्री महोदय ने हिसार जिले की फिगर दी है क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि 'हिसार तहसील में कितने किलोमीटर सड़क बनाई जाएगी?

श्री वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, जिलेवाइज फिगर मांगी है और इसलिए टोटल फिगर दे दी गई हें ।

चौधरी संत कंवर : स्पीकर साहब, मन्त्री महोदय ने हाउस के सामने जो फिगर्ज रखी हैं वे इस प्रकार हें–हिसार 78 5 9, गुडगाव 37 7 7, कुरुक्षेत्र 55. 03, भिवानी 2 8. 3 6, रोहतक 7. 03, सोनीपत 12. 0 8, और जीद 16 81 कि मी । क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि क्या जनता सरकार का डिस्ट्रिक्ट्स के साथ यह डिस्क्रिमीने– शन नही है, अगर है तो क्या इसको खत्म करने की कोई स्कीम है या इसी तरीके से यह डिस्क्रिमिनेशन चलती रहेगी?

श्री बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, इस सवाल पर अगर हाफ–एन–आवर डिस्कशन हो जाता तो सदस्यों का सारा शक मैं दूर कर देता क्योंकि किसी किस्म का प्रेजुडिस या कोई भेदभाव जनता सरकार ने किसी के साथ नहीं किया है (व्यवधान)

चौधरी संत कंवर : स्पीकर साहब, पहली सरकार के चीफ मिनिस्टर **चौधरी** बंसीलाल भी यही बात किया करते थे और उस वक्त यह कहा जाता था कि **चौधरी** बंसी लाल उस तरफ ज्यादा काम करते थे और अब भी डिस्क्रिमिनेशन हो रहा है ।

श्री वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, कुछ ऐसे डिस्ट्रिक्ट्स हैं जिनमें बहु त अधिक काम पहले ही हो चुका है । भिवानी में कुल गांव 489 हैं, इनमें से 468 गांव आलरेडी कुनैक्टिड है यानि 99. 4 परसैटं गांव मैटल्ड रोडज से कुनैक्टिड हैं । इस जिले में सिर्फ तीन गांव बाकी रहते हैं । जींद में 358 गांव हैं इनमें से 328 गांव आलरेडी कनेक्टिड हें केवल 28 गांव रहते हैं । रोहतक में 436 गांव है और इनमें सेरू 371 गांव आलरेडी कुनैक्टिड हैं और उसके बावजूद इतने किलोमीटर सड़क हमने बनाई हैं (व्यवधान) मेरी गुजारिश यह है कि जो फैक्ट्स मैंने आपके सामने रखे उसमें सिरसा जिले की परसेन्टेज जनता सरकार के बनने के पहले सब से कम थी यानी 66 परसेन्ट थी और आज 70 परसेन्ट है लेकिन आज भी वह लोएस्ट है ।

श्री मूल चन्द जैन : क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि वहां (सिरसा) पर कितने गांव थे और कितने गांवों में सड़क बना दी (व्यवधान)?

श्री अध्यक्ष : यह स्तुत जरूरी सवाल है । इसको आप सुनिए ।

श्री वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब जहां तक सिरसा जिले का सम्बन्ध है वहां पर 317 टोटल गांव थे और अब 94 गांव बिना सडक के हे । उस दिन कुछ माननीय सदस्य और **चौधरी** खुरशीद अहमद को from the number of roads sanctioned. इस बात का कुछ बहम हो गया कि कोई प्रेजुडिस हो गया । Sanctioning does not mean construction. अगर सैंक्शन करने की बात है तो मैं आज एलान करता हूं कि अगले. महीने यानी अप्रैल के अन्त तक every road in Haryana will be sanctioned. I declare. But sanctioning does not mean construction. Construction depends on the availability of funds. और माननीय सदस्यों को इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए । अगर सरकार पर बहम है तो जो नैक्सट फाइनैशियर. ईयर होगा उससे हम स्कीम बना रहे है कि सौ रुपए मे से बीस रुपए चीफ मिनिस्टर और मिनिस्टरो के लिए छोड़करय क्योंकि जब. वे हल्कों में जाते है तो उनको सड़क आदि के लिए कहा जाता है, बाकी रुपया सड़क बनाने के लिए ईक्वली डिस्ट्रीब्यूशन करने के लिए तैयार हैं ।

चौधर रिजक राम : मन्त्री महोदय. ने. पिछले सैशन में यह ऐलान किया था कि जो मिसिंग लिंकस हैं उनको बनाने के 'लिए प्रायरिटी दी जाएगी– । क्या मंत्री महोदय बताने की. कृपा करेंगे कि सोनीपत जिले मे किसी मिसिंग लिंक पर पिछले आठ महीनो में कोई काम किया है?

श्री वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, यह सैपरेट सवाल. है और इसका असग से नोटिस दिया जाना चाहिए । आप सरकार की. किसी पालिसी. को नही चलने देते । एवं तरफ मिसिंग लिंक या गैप्स पूरे करवाना चाहते हैं, दूसरी– तरफ इन्टर–स्टेट रोडज. पूरी करवाना चाहते हैं और तीसरी' तरफ ए 0 और बी 0 कैटेगरींज. की. सड़कों को प्रायरिटी दिलवाना चाहते हैं । चौथे जहां गांव वाले मिट्टी डाल दें वहां सडक बनवाना चाहते हैं । फंड्ज केवल आठ करोड़ या साढ़े सात करोड़ है तो कैसे काम चल सकता है?

चौधरी रिजक राम : स्पीकर साहब, जिस ढंग से जबाव दिया गया है प्रापर नही है । मिसिंग रोड्स के बारे में सरकार ने. एलान किया था और मैं दावे के साथ क्ह सकता हूं कि एक भी मिसिंग लिंक पर कम, नही किया । यह भी. गलत है कि सोनीपत में सारी सड़कें फूटी पड़ी हैं । यह भी गलत है कि. मिसिंग लिंक के बारे में जो अश्योरेंस दी उसके बावजूद नई रोड्ज. सैक्शन. की' और उन. पर खर्च किया । फिर भी. ये' कहते है कि मैम्बर्ज

काम करवाना नही चाहते है । मंत्री' महोदय' को ऐसा असपर्शन नही करना चाहिए ।

श्री मूल चन्द जैन : जो ये कसौटियां मन्त्री महोदय ने हाउस के सामने रखीं हैं जैसे इन्टर–स्टेट रोड्ज की, मिसिंग लिक्स की । क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि इन सारी कसौटियों से हिसार जिले को ही लाभ पहूचेगा इस सरकार ने हिसार जिले. में 76.59 किलोमीटर सड़क बनाई है । क्या ये सारी' कसौटियां' जो आपने रखी है हिसार जिले पर ही लागू होती हैं ।

श्री वीरेन्द्र सिंह : हमने कुरुक्षेत्र में 55 किलोमीटर सड़क बनाई । स्पीकर साहब कोई ज्यादा फर्क नहीं है ।

चौधरी खुरशीद अहमद : स्पीकर साहब, मन्त्री महोदय ने तीन जिलों के बारे में बताया है कि कुल कितने गांव थे कितनों में सडक बनी और वहां की परसेन्टेज क्या. है । क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि जो हरियाणा के बाकी जिले रह गए हैं उनकी बाबत बताने की कृपा करेंगे कि कितने गांव उस जिले में हैं, कितनी परसेन्टेज पहले थी और जनता सरकार के आने के बाद सड्कों की परसेन्टेज उस जिले की कितनी हो गई । कितनी किलोमीटर सड़कें जनता सरकार ने बाकी जिलो में बनाई हैं?

श्री वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, मैं 31–1– 1978 तक की परसेन्टेज दूंगा । सोनीपत में कुल गांव 337 हैं, 298 गांव आलरेडी कनेक्टिड हैं, 41 गांव बाकी हैं, 87 8 परसेन्टेज । रोहतक में कुल गांव 43 6, 371 कनेक्टिड हो चुके हैं, 85. 1 परसेन्टेज । हिसार में 475 गांव हैं, 394 गांव कनेक्टिड हो चुके है, बाकी 81 गांव रहते हैं, 84. 4 परसेन्टेज । करनाल मे 595 गांव है, 492 गांव कनेक्ट हो चुके हैं, बाकी 103 गांव रहते हैं, परसेन्टेज 82 7 । महेन्द्रगढ़ में 881 गांव हैं, 550 गांव कनेक्ट हो चुके हैं 131 गांव बाकी हैं, परसेन्टेज 80. 7 । गुड़गांव में 1, 1 12 गांव हैं, 873 कम्पलीट हो चुके हैं 350 गांव बाकी रहते है, परसेन्टेज 77. 8 । कुरुक्षेत्र में 729 गांव हैं, 538 कम्पलीट हो चुके हैं, 191 बाकी रहते हैं, परसेन्टेज 78. 8 । अम्बाला में 1, 223 गांव हैं, 873 कम्पलीट हो चुके हैं, 350 गांव बाकी रहते हैं, परसेन्टेज 71. 5 । सिरसा में 317 गांव हैं, 223 कम्पलीट हो चुके हैं, बाकी 94 रहते हैं और लोएस्ट परसेन्टेज है यानी 70 3 । स्पीकर साहब, जींद और भिवानी की बाबत में पहले बता चुका हूं ।

Mr. Speaker : Question hour is over

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Election to Gram Panchayats

***289. Chaudhri Shiv Ram Verma :** Will the

Minister for Development and Panchayats be pleased to state the time by which the Elections to the Gram Panchayats are likely to be held in the State ?

Development & Panchayat Minister : (Sardar Tara Singh) :

The Fifth General Elections to Gram Panchayats are likely to be held in the near future.

Improvement in the Service Conditions of Local Bodies

***304. Shri Devender Sharma :** Will the Minister for Industries be pleased to state the steps which are being taken to improve the service conditions of Local Bodies Employees ?

उद्योग मन्त्री (डाक्टर मंगल सैन) : नगरपालिका के कर्मचारियों की सेवा शर्तों को सुधारने के लिए जो सेवा नियम बनाये जा रहे है, उन को शीघ्र अन्तिम रूप देने के लिए भरसक प्रयत्न किये जा रह हैं ।

CONSTRUCTION OF ROADS

***370. Shri Mool Chand Jain :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the details of roads alongwith the length constructed or to be constructed in the State during the year ending 31.3.1978;

(b) the number of such roads which are to be included for construction during the next year; and

(c) the criteria for selecting such roads ?

Irrigation and Power Minister (Shri Verendar Singh) :

(a) The details of roads and their length metalled upto 31.1.78 during the year ending 31.1.78 is placed on the table of the House. Another 150 Kms. length is likely to be metalled from 1.2.78 to 31.3.78.

(b) It is not possible to give this information in terms of numbers. By and large the road construction programme of the next year will consist of completing the continuing schemes which are already in progress. It is estimated that a total length of about 450 K.Ms. would be completed depending upon the availability of funds.

(c) The roads in progress on 31.3.78 will be given preference over -other roads during the next year 1978-79.

STATEMENT

Statement showing details of roads alongwith the lengths (metalled) upto 31.1.178 during the year ending 31.3.78.

Sr. No.	Name of Road	Length metalled length from 1.4.77 to 31.178.
1	2	3
1.	Shahabpur to Nagla	0.40

2.	Holi to Gaganpur	0.10
3.	Ambala Hissar road to Kalawarpur	0.30
4	Barara to Chail Majra	2.00
5.	G.T.road to Machhanuda	0.60
6.	Pinjore to village Mallah	0.40
	(Sec. Pinjore to village Kiddarpur)	
7.	Chandimandir to village Jallah	0.30
8.	Panchkula Morni road	3 80
9.	Raipur Rani Tirlokpur to Bhardi	0.30
10.	Kularpur to Ferozeper	0 .20
11.	Ambala Kala Am road to Wasalpur	Q.46
12.	Bharauli road to Sansorana	0 40
13.	Link road to Khatauli	0.30
14.	Kaith Kalanaur to Odri	0.45
15	Munda -Majra to Gadhauli	1.29
16.	Harnaul Kheri Lakha Singh road	0.20
17.	MustrChapor to Fareedpur	1 00
18.	Pansaya Sahazadpur road	0.80
19.	Must Chhapor to Garhi Gosain	0.10

20.	Nankul Kheri Lakha Singh road	0.70
21.	Ali pur to Lawani road	0 20
22.	Piruwal to J udaJattan via-tehe Jatan	0.70
23.	Khizrabad Bilasher road.	0.20
24.	Link to Lacda Khadir.	0.30
25.	Gulabgarh Cheir road.	2.80
26.	Link to Bhangra road'	1 .15
27	Chh. Paonta Urjani via Baradrda .	1 .22
28.	Jagdhari Bare-Rauri to Udha road.	0.80
29.	G.M.D. road to Machla Kauli road.	2.70
30.	Jagdhari Bagrani to Dhalaur.	0.42
31.	Bari-Pahni Sorawan road.	0.30
32.	Kot-Baswa Singh to Darper.	0.90
33.	Laidi Jadwali road	1.4Q
34.	G.M.D. road to Bijooli.	0.20
35.	Jeoli road to Bakerpur.	1.10
36.	Jeoli rqad to Kanjala	1.56
37.	Jeoli road to Kalyana.	2.00

38.	Ambli to Mehwa Kheri.	0.50
39.	A Link to Vety. Hospital at Dinod.	1.07
40.	Khawa Bariwas road.	2.05
41.	Baganwala Dadam road.	2.00
42.	Link Dispensary at Chang.	0.34
43.	Hissar Rajgarh to Naugla Khurd.	3.16
44.	Gokalpura upto School.	0.23
45.	(Sec. Talwandi Rukha to Hissar Sharwa Niran roan.)	2.00
46.	Sec. Balawas to Dubeta road.	2.00
47.	Pur to vill. Siwara.	2.60
48.	Bhiwani Jind to Vill. Talu.	1.12
49.	Bhiwani Jind road to vill. Bandaheri.	0.36
50.	Mundhal Sukhpura road.	3.00
51.	Mundhal Talu to vill. Banduheri.	0.42
52.	Mundhal Kalan Mundhal Khurd (Sec. Bandiheri to Mundhal Kalan)	0.39
53.	Alakhpurakheri Daulatpur upto Garhi Bhatel	0.54
54.	Bhiwani Jind road to vill. Mundhal Kalan.	0.64

55.	D.L. road to Atelaphari App. road	0.88
56.	Khudana Khadma road.	5.20
57.	Manheru to Hindol.	1.70
58.	Satnali to Birsingh was.	0.60
59.	Sampura to Bassi.	1 .50
60.	Basri to Jarwa.	0.40
61.	Sarang to Rajgarh.	2.00
62.	Badshapur to Dalipur	0.20
63.	Faridabad to Mangrola	0.23
64.	Deeg to Asaoti Rly. Stn.	2.22
65.	Sarmathla to Samepur.	0.52
66.	Faridabad to Tigaon.	1 .80
67.	Dayalpur to Fatehpur Biloch.	1.60
68.	Kurali to Dayalpur via Junehra.	2.00
69.	Fatehpur Biloch to Aterna (Sec. Juan to Aerna.	0.80
70.	Fatehpur Biloch to Kakripur.	2.90
71.	Wajirabad to Ghate.	**1.40**
72.	Samaspur to Tigra	0.22

73.	Link road to Mohamadpur.	0.40
74.	Gandossi to Hassanpur	0.10
75.	Indri to Rahuka.	0.55
76.	Punhana Jurera to Jinwat.	0.80
77.	Bissu to Gubrari.	1.00
78.	Gumat Bihari to Nautanki.	1 .40
79.	Hathin road to Barangaka.	0.25
80.	D.L. road Barka to Gajarpur	0.38
81.	D.L. road to Badlaki	0.48
82.	Bajindpur Ranyal to Dungaran Shahmdpur.	0.38
83.	Taoru Pataudi to Jhamuwas	0.50
84.	Link to vill. Kalsada.	0.23
85.	Gurgaon Pali road.	2.20
86.	P.S. R. road to Kakrali.	0.87
87.	Link to Bata.	1.20
88.	Palwal Ghori road (Sec. Sajwari to Ghori).	3.40
89.	Barauli to Rahimpur	1 .50
90.	Alapur (Kulwaka Sec, Dadula to	'0.80

	Kulwaka).	
91.	Hassanpur to Barauli (Sec. Barauli to Kushak).	1.20
92.	Kushak to Fortesganagar (Sec. Kashak to Kashipur).	3.50
93.	Palwal Ghori road to Sinol via Pelak.	2.70
94.	H.N.road to Khirki.	0.18
95.	B.H. road to Mutbabad.	0.60
96.	Julana to Akalgarh,	1.50
97.	Lajwana Kalan to Mehrana.	1.00
98.	Anoopgarh to Kheemakheri.	2.50
99.	Ramrai to Sirsakheri.	1.60
100	Julani to Jajwan	0.50
101	Kandela to Khunga road.	0.50
102	Julana to Baddihaper.	3.00
103	Jind Safidon to Malar.	1 .40
104	Safid on to Tampura.	1.00
105	Jamnidaroli road (sec. Pillu Khera to Mardi road)	1.00

106	Kinana to Rly. stn. Kinana.	1.34	
107	Kinana to Lodhar.		1.00
108	Chosala Julanikhera.		1.00
109	Baduwal Sur Brah.		3.65
110	Badsikri Kamalpur.		1.92
1.	Barwala Jind road to Sotha via Badhakhera.		0.25
2.	Matlada Sandlana road via Banbhori.		0.40
3.	Khani Khera to Jamni Khera.		0.16
4.	Barwala Jind road (sec. Barwala Kheri Jalab.		0.80
5.	Barwala Jind road.		2.00
6.	Khanda Kheri to Ugalan via Kanikheri.		0.50
7.	Cheekanwas to vill. Nihal serai.		0.70
8.	Sarsana Basra road.		1 .00
9.	Choli Bagraian to Darauli.		3.60
10.	Chub Bagria to Chubkalan.		1.50
11.	Hissar Gursal road		0.65
12.	Badli to Chuli khurd.		4.60

13.	Kohli to Mahalsara.	4.20
14.	Chuli khurad to chuli Kalan.	1.00
15.	Teora to Kirora.	3.80
16.	Kheri Bonkhi to Kinana	3.10
17.	Kirora to Kirori.	3.30
18.	Sham Sukh to Kirara.	2.50
19.	Jind District boundary to vill. Brachhapur	0.50
30.	S.J.K.T. road to Kmbha.	0.50
31.	S.J.K.T. road to vill Khumbha Khera	0.35
32.	Barwala Jind raod to vill Badhawar.	0.75
33.	Dharsul Jakhal road	2.28
34.	Himatpura to Kudni	0.98
35.	Rattathey to Musakhera	0.76
36.	Dharsul Jakhal to Sakarpura.	0.20
37.	Rattangarh to vill. pilchian.	I :00
38.	Fatehbad Hanspur road	2.00
39.	Dharsul road to vill. Ratta.	3.00
40.	Lamba School to vill Lamba	0.25

1.	Sukhanpur via Sahnai road.	0.50
2.	Rajanwal to Bamawala	1.30
3.	Bhattu Khera Kheri road	6:32
4.	Ganda to Malwala.	0.50
5.	Kharkheri Sabarwas via Kubmarian	1.30
6.	Pirhtla to Thirwa Thoawi	4.63
7.	Haroli to Phul road.	6.50
8.	Pirthla to Laluda	1.00
9.	Bhattu Dayar road	4.00
30.	Alalwar to Alika with a link to khairpur	4.00
31.	Nathar to Modiakhera road	3.20
32.	Bhonderi to Bharokhan road.	0.40
33.	D.H.S. road to vill. divankhera.	0.50
34.	Kanwarkher appo. road	0.20
35.	Kheri khera to Dhotar.	1 00
36.	Baragudha to Dhaban.	2.23
37.	D.H. S. road to v.Kheowali	1.01
38.	Baragudha to Jhorar Rohi	0.80

159.	Bhuratwala to Mosli mod.	1.00
160.	Sirsa to Gudia Khera.	1.00
161.	Ellenabad to Monjukhera.	3.30
162.	Ellenabad to Barala Khurd.	2.80
163.	Baragudha to Kuranganwali road.	7.50
164.	Ganda to Nandwala Bishnoya.	8.00
165.	Ottu to Mojderi..	3.00
166.	Rampura Bishnoya to Nabiyawali.	4.25
167.	Kukarthana to Ding.	1.30
168.	Jogewala to Derujodha.	3.30
169.	Gadli to Mkho Shoran road.	1.50
170.	Singhpura to Punjab Border.	2.40
171.	Ghokanwali to Rasalia Khera.	5.20
172.	Ding to Boiiwali.	1.00
173.	Kharia to Mehanakhera.	2.00
174	Pardhana Bhopur road.	0.39
175	Panipat Assandh to San dhpur.	0.40
176	Bassi Akbarpur to Malikpur to Gadian.	0.85

17	Chulkana Dhandar road.	0.50
18	Atta Raimal road	1 .13
19	App. road to S eenk.	0.25
20	App. road to Pathri.	0.25
21	App. road to Padha.	0.80
22	Assandh Khizrabad.	1.60
23	Junla Picholia road.	0.50
24	Rattara Lalian road.	2.00
25	Bushan Naraina road.	0.66
26	Indri-Sheikhupur via Gumton road	1.70
27	Khera to Makhali road	3.00
28	Pastana app. road.	0.50
29	Suneheri -Khalsa road	1.30
30	Khera Buttan app. road	0.10
31	Sanghoa to Shahpur road (Sec. O. to 7.00)	3.00
32	Khanpur -Chaper	0.23
33	Changwan app. road	1 .50
34	Geonger app. road	0.60

15	Jaipur-Kharoba road	0.40
16	Budhanpur app. road	1.00
17	Bhdsan-Khalsa road	0.35
18	Udana app. road	0.66
19	Bagupur app. road	0.30
20	Sarwan Majra app. road	0.10
21	Jarauli app. road	2.00
22	Imratpur-Kalan	1.00
23	Nabipur app. road	0.64
24	Piriniat Sirsal	1.00
25	Bjarpur-Tangori	0.20
26	Megha Majra app. road	0.70
27	Sarai Sukhi	0.60
28	Shadi pur Sabidan	0.39
29	G.T. road to Khanpur Jattan	0.38
20	Dhantori app.roa 1	0.30
21	Doru Majra app. road	0.40
22	Sodhi app. road	0.30
23	Rawa app. road	0.30

24	S.L. to Morthala	0.10
25	Akalgarh Bealian via San gau r	1.70
26	Seonti app. road	0.40
27	Gharaula app. road	1 .70
28	Bir Seont i app. road	0.25
29	Mutfabad Gajlana	0.20
210.	Dhandla app. road	0.25
221.	Gudha app road	0.25
222	Bi r Bartauli app. road	0.95
223.	Hodia app. road	0.90
224.	Gondiam app. road	0.30
225.	Sura app. road	1.30
226.	Chalaundi app. road	0.40
227.	Rattanagrh app. road	0.30
228.	Nachraon app. road	0.62
229.	Dhamupura app. road	0.60
230.	Kalessa app. road	2.60
231.	Radaur Kheri Lakha Singh road	3.80
232.	Ladwa Gajlana	1 .50

233. S.L. to Morthala	0.30
?34. M.T.S. road Bara	1.75
235. Raogarh app. road	0 60
236. Ghamur Kheri app . road	0.56
237. Jagna Khera app. road	0.40
238. Shamshipur	0.40
239. A.H. to Bhichhi	0.70
240. A.H. to Naishi	0.30
241. Gulabgarh app. road	0.40
242. Shergarh app. road	1 .20
243. Harigarh Bhorak app. road	0.20
244. Singpur app. road	0.77
245. Thanesar Bhagthala road	0.20
246. A.H. to Shandheri	1.40
247. Nibatpura	0.57
248. Shadipur Shidan	0.20
249. Ghari Langri	0.50
250. Gamtala Gharu Bhajal road	0.20
251. Bodha app. road	0.30

252.	Kalsa app. road	0.20
253.	Jatpura	0.70
254.	Khekheri Chhana Agrian road	4.11
255.	Sirsilla app. road and link	2.53
256.	Marapur app. road	0.90
257.	Bhagal Budhanpur road	0.50
258.	Hr. State Border to Chhanagrian (Sec. boundary to area)	1.80
259.	Adhoya Mengran road (Sec. Bhuslan to Adhoya)	4.30
260.	Gulha to Bhatian road (Guhla to Hemu Majra road.)	0.80
261.	Tatiana Mahudpur road	0.20
262.	Ramthali to Urlana	1 .18
263.	Janjerpur app. road	0.30
264.	Kheri Gulamali to Ramthali (Sec. Nagal app. road)	0.13
265.	R-uan app. road	1.00
266.	Kheri Gilamati to Ramthali road	1.00
267a	App. to V. Jaganpur road	0.50
58.	Umedpur app. road	0.80

69.	Kheri Gulamali to Ramthali (Sec. Jamaidpur to Chakuladana)	2.70
70.	App. to vill. Sarsa road	3.70
71.	Tigra to Sagarpur	1.30
72.	Ateli-Kheri to Mirpur	0.35
73.	Seema Deblana to Khetripur	0.40
74.	Nizampur-Nagal Durgu to Panera	0.30
75.	Nasibpur-Dhason road to Abdulla Nagar	0.21
76.	Narnaul-M. garh road to Barkoda Bargaon	0.28
77.	Kothal Kalan to Kothal Khurd	1.80
78.	Mo -Ilan to Karana via Jagaon	0.20
79.	M.K.L.N. road Majra Kalan	2.00
80.	Kanina to Ghora	1.20
81.	F.S.K. to Koka	0.81
82.	1)adri-Magarh to Payega	0.30
83.	Narnaul to Mukandpur via Tehla	0.20
84.	Rewari-Kot Kassim to S'iahbajpur Khalsa	0.30

255.	R.P. road to Kumbawas	0.40
3 6 .	Rewari-Narnaul to Bandour	1 .00
3 7 .	Chhilar to Nurpur	1.60
3 8 .	Assalwas to Jhabwa road	1 00
3 9 .	Dhamalwas to Churiawas	I .00
	(Sec. Bhernbar to Mundia Kalan)	
9 0 .	Mile 40 of D. J. road to mile 44.6	2.00
	P.S. R. road (Sec. Bhembar to Mundia	
	Kalan)	
9 1 .	R.P. road to Dokki	0.33
9 2 .	R.J.R. to Jiwara	0.86
9 3 .	P.S.R. to Turkiawas	1.50
9 4 .	Mundi to Kamroda link to Chowki	3.12
9 5 .	Behror to Dhillanwas	1.10
9 6 .	Mattanhail-Bahu to Khora	3.50
297.	Goyala Kalan to Kherijat	1.60
2 9 8	Durana to Chimni	0.65
2 9 9	B. garh to Daboda	0.80

300	Subana-Kosli to Bithala	2.30
301	Sampla to Loharhcri	0.50
302	D.H.S. to Chuliana	1.00
303	Sampla to Kasranti	0.20
304	Rohna to Gurukul	0.42
305	Meham- Chang road to Sisarkhas	0.40
306	Rohtak byepass to Singhpuri Khurd.	0.50
307	Akbarpur Barota to Shahbad	0.30
308	Pinana to Dodwa	0.10
309	Gurukul-Bhainswal Kalan to Kiloi (Sec. up to vill. Giwana)	0.10
310	Gohana-Meham road to Theska	1.80
311	Siwanmal to Ranakheri	1.20
312	Jagsi to Matand	0.50
313	Baroda- Julana 4 road	0.70
314	Bichpari to Ahmadpur Majra	2.30
315	Kasandah to Saragthal	1.10
316	Jasrana to Farmana	0.44
317	Jatheri-Bidhnoli road to Chhetra-Bahadpur	0.66

318	Pi pli Khera to Umedgarh	2.16
319	Murthal Nandnaur to Assadpur	1.00
320	Nanti Kalan to Badquipur via Sersa.	0.10
	Grand Total	397.49
	Say	397

Price of Sugarcane

***465. Chaudhri Des Raj :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased **to** state -

(a) the basis which have been taken into consideration in fixing the minimum price of Sugarcane required to be paid by producers of Khandsari Sugar or their agents in the State: and

(b) why there is a discrimination in fixing the above prices for Sugarcane to be paid by producers of Khandsari Sugar when there is a uniform price fixed of Sugar cane in all the sugar mills of Haryana ?

सिंचाई एवं बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह) :

(क) खण्डसारी उत्पादकों द्वारा दिया जाने वाला गन्ने का कम से कम. मूल्य. चीनी मिलों के लिए भारत सरकार द्वारा 'नियत किये गये कम से कम मूल्य के आधार पर नियत किया गया है ।

(ख) खण्डसारी उत्पादकों द्वारा दिये जाने वाला मूल्य भी अब एक ही दर से नियत किया गया है ।

Cotton Mill at Loharu

***436. Shri Hira Nand Arya** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set up a HAFED Cotton Mill at Loharu; if so, the time by which it is likely to be set-up ?

सिंचाई एवं बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह) : नहीं ।

Economic help to the Panchayats

***459. Shri Mani Ram :** Will the Misnister for Finance be pleased to state whether the Government has given any economic help to such Panchayats who have given incentive to prohibition by passing a resolution regarding prohibition ?

वित्त मंत्री (चौधरी सतबीर सिंह मलिक): नहीं ।

Complaint Against Hissar Textile Mills

***468. Shri Balwant Rai Tayal :** Will the Minister for Finance be pleased to state -

(a) the number of complaints received against Hissar Textile Mills, Hissar from 1.6.1977 to-date togetherwith the action taken thereon by the Labour Department;

(b) the number of labour disputes occured at

Hissar which were referred by the Conciliation Officer, Bhiwani to Labour Commissioner, with his recommendation and the number of such disputes which the Labour Commissioner referred to the Labour Courts ; and

(c) if no dispute was referred to Labour Court, then the reasons thereof ?

वित्त मंत्री (चौधरी सतबीर सिंह मलिक) :

(ए) 1– 6– 77 से लेकर अब तक हिसार टैक्सटाईल मिल, हिसार के विरुद्ध 34 शिकायतें प्राप्त हुई । सभी शिकायतों की पूरी जांच के पश्चात् निपटारा करा दिया गया है ।

(बी) 1– 6– 77 से अब तक हिसार में विवादों बारे 22 ऐसे मामले प्राप्त हुए जो कि सुलह अधिकारी ने अपनी सिफारिशों के साथ श्रम आयुक्त के कार्यालय में भेजे । इनमें से एक विवाद पार्शियल तौर पर इन्डस्ट्रयिल ट्रिब्यूनल, फरीदाबाद को भेजा गया ।

(सी) सात विवादों के मामलों में समझौता कराया गया जब कि 1 4 मामले विचाराधीन है ।

Bridge on Western Jamuna Canal

***473. Shri Mange Ram Gupta :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether the Government is considering to convert the foot bridge into a bigger and large bridge on the Western Jamuna Canal which flows near village Gulkani, Tehsil and District Jind; if so, the

time by which it is likely to be converted ?

सिंचाई एवं बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह :) :. सरकार ने इस छोटे पुल को बड़ा पूल बनाने के आदेश दे दिए हैं और यह 31—3—1979 तक बन जाएगा ।

Gau Ghats

***244. Chaudhri Ram Kishan :** Will the Minister for. Irrigation and Power be pleased to state -

(a) whether it is a fact that Gau Ghats do no exist on W.J.C. near the villages in District Jind;

(b) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct pacca Gau Ghats on the above said Canal ; and

(c) if so, the time by which the same are likely to be constructed?

सिचाई एवं बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह) :

(क) जी, हां ।

(ख) जी, हां ।

(ग) हांसी ब्रांच पर 20 ग0 घाट बनाने का कार्य वर्ष 197 8— 79 के दौरान पूर्ण किया जाएगा ।

पश्चिमी यमुना नहर सिस्टम की दूसरी नहरों पर ग0 घाट बनाने का प्रोग्राम भी बनाया जा रहा है ।

New Mandis

***290. Chaudhri Shiv Ram Verma :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the number of the new Mandis which are likely to be completed and start functioning during the current financial year ; and

(b) whether the Government has acquired land for the construction of Mandis in village Amin and Taraori, if so, the time by which the construction of Mandis in the aforesaid villages is likely to be completed and start functioning ?

Industries Minister (Doctor Mangal Sain) :

(a) During the current financial year, 1977-78, development works in six Mandis namely, Rania, Dabwali, Hissar, Tohana, Pundri and Rewari are likely to be completed and it is hoped that these Mandis would start functioning.

(b) Yes. The Government have acquired land in villages Amin and Taraori for establishing Mandi Townships. Development of Mandis is a time-consuming process and its progress depends upon the response from the people in purchasing the plots and the pace of development works. While it is endeavoured that the construction of Mandis is expedited for their completion and early functioning, a precise estimation of time about their completion and functioning, however, would be difficult.

Reduction of Surcharge on Sales Tax

***305. Shri Devender Sharma :** Will the Minister for

Finance be pleased to state whether any demand has been made by the traders recently for reducing surcharge on sales tax; if so, the action taken thereon ?

वित्त मन्त्री (चौधरी सतबीर सिंह मलिक) : हां । सरकार ने बिक्री' कर पर सरचार्ज की दर 1 5 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है ।

Water Supply Scheme

***371. Shri Mool Chand Jain :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the number of villages for which drinking water supply scheme have been sanctioned during the year 1977-78 ;

(b) whether the work in the villages as referred to in part (a) above has been started ;

(c) the names and number of villages where the water supply scheme has been sanctioned for the year 1978-79 ; and

(d) whether i t is a that fact Schemes as referred - to in part (a) above for the villages Kashana, Machcharoli, Nasina, Basina Kalana and Khurd were sanctioned and the work started if not, the reasons therefor ?

सिचाई एवं बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह) : (ए) 72

(बी) हां, 64 गांव में ।

(सी) स्कीमों को आने वाले वर्षो की स्वीकृति नही दी जाती ।

(डी) (1) करहंस, (2) नारायणा और (3) पसीना–कलां और खुर्द के लिये तीन स्कीमों का अनुमान जिसकी अनुमानित राशि 10. 50 लाख रुपये है । 3 0– 8– 77 की सैनेटरी बोर्ड की मीटिंग में प्रशासकीय अनुमोदन किया गया था । लेकिन इनको सैनेटरी बोर्ड द्वारा कोई धन–राशि नही दी गई । उसके बाद करहंस ग्राम की स्कीम में मच्छरौली ग्राम को शामिल करने के लिये दोहराया जा चु का है और सम्मिलित स्कीम जनवरी, 1978 में पंचायत विभाग में स्वीकृति हेतु भेजी जा चुकी है, जिसके पश्चात् सैनेटरी बोड से दोहराया हुआ प्रशासकीय अनुमोदन करवाया जायेगा । इन सभी स्कीमों को धन–राशि देने हेतु अभी सैनेटरी बोर्ड में विचार विमर्श होना है ।

ग्रामों के नाम जोकि प्रश्न के (डी) भाग में दिये हुये हैं, वे करहंस हैं कशहाना नहीं, नारायणा है नसीना नहीं और पसीना है बसीना नही ।

Polytechnic Institute at Loharu

***437. Shri Hira Nand Arya : Will the** Minister for Irrig tion and Power be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to open a Polytechnic Institute at Loharu ; if so, the time by which it is likely to be opened ?

सिंचाई एवं बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह) : नहीं जी

।

Labour Colonies

***469. Shri Balwaut Rai Tayal :** Will the Minister for Finance be pleased to state—

(a) the date on which the survey of the Labour Colonies of Shiv Nagar and Vinod Nagar near Hissar Textile Mill was conducted togetherwith the time by which these are likely to be developed ; and

(b) the number of time for which the residents of these both colonies gave applications to the Municipal Committee Hissar after 1-4-1972 togetherwith the action taken thereon by the Municipal Committee ?

**Interim Reply

डा0 मंगल सैन अ 0स0 पत क्रमांक 3017/2—सी 11— 78

मन्त्री

उद्योग विभाग, हरियाणा चण्डीगढ

।

विषय :—— श्री बलवंत राय तायल, एम0एल0ए 0 द्वारा लेबर कालोनीज शिवनगर तथा विनोद नगर हिसार बारे पूछा गया तारांकित प्रश्न क्रमांक 469

प्रिय रण सिंह जी.,

मैं आपको सूचित करना चाहूंगा कि तारांकित विधान सभा प्रश्न क्रमांक 46 9, लेबर कालोनीज शिवनगर तथा बिनोद नगर, हिसार, बारे, जो श्री बलवंत राय तायल एम0एल0ए0 द्वारा पूछा गया है का उत्तर विधान सभा में दिनांक. 1 0—3— 78 को दिया जाना हे । परन्तु इस सम्बन्ध में यह लिखना अनुचित न होगा कि— प्रथम रूप से यह प्रश्न वित्त मन्त्री को सम्बोधित था और इसका उत्तर श्रम तथा रोजगार विभाग जो उनके अधीन है, द्वारा दिया जाना था । परन्तु यह प्रश्न श्रम तथा रोजगार विभाग ने इस बिभाग को दिनांक 8—3— 78 को स्थानान्तरण कर दिया है जिसके फलस्वरूप इस प्रश्न में मांगी गई सूचना फील्ड से मंगवानी है । अतः इस प्रश्न का उत्तर देय तिथि को दिया जाना न केवल असम्भव है बल्कि भरसक प्रयत्न करने भीं, इस प्रश्न के सम्बन्ध में उत्तर देने के लिए इतनी. कम अवधि में सूचना उपलब्ध करना कठिन है । समस्त स्थिति पर विचार करने के पश्चात् मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि आपसे अनुरोध करूं कि आप इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए 3 1— 3—78 तक समय. बढ़ाने का कष्ट करे ।

सादर

श्री रण सिंह

आपका

अध्यक्ष, हरियाणा विधान सभा,

हस्त

चण्डीगढ ।

(मंगल सैन)

Land acquired by the Improvement Trust Jind

***474. Shri Mange Ram Gupta :** Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) whether award has been given regarding the land acquired by the Improvement Trust, Jind, if so, whether the Government have received any complaint about the irregularities committed while giving the award ; if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to conduct an enquiry in the said irregularities ; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to make any provision in the law so as the appeals against the award given in connection with the land acquired by the Town Improvement Trust, Jind, be made appealable to Judiciary ?

उद्योग मंत्री (डाक्टर मंगल सैन) :

(अ) नगर सुधार मण्डल. की विकास योजना नम्बर 4, 5, 6, 7, 1 0, 18 तथा 1 9 को कार्यान्वित करने के लिये अभिग्रहण की गई भूमि के अवार्ड भूमि अभिऋण अधिकारी, जीन्द द्वारा दिये गये थे । दो शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें सेएक शिकायत

विकास योजना नम्बर 4, 5, 10 तथा 19 के अवार्डों के सम्बन्ध में थी. जिनकी' जांच उपायुक्त, जीन्द के माध्यम से करवाई गई । विकास योजना नम्बर दा 5, 6, 7 तथा 19 के अवार्ड से सम्बन्धित्त व्यक्तियो ने पहले ही. ट्रीब्यूनल कीं अदालत में अपीलें दायर की हुई है और मामला अदालत के विचाराधीन है । दूसरी शिकायत जोकि स्कीम नम्बर 10 के अवार्ड से सम्बन्धित दे की जांच उपायुक्त के माध्यम से करवाई गई और यह पाया गया कि मुआवजे की' राशि राजस्व विभाग के रिकार्ड के अनुसार सही भूमि के मालिक को अदा की गई ।

(ब) नही ।

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Lottery System in the State

118 Swami Aditya Vesh : Will the Minister for Finance be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to stop the Lottery system in the State ?

वित्त मंत्री (चौधरी सतबीर सिंह मलिक) : नही जी ।

Amount of Debt

119 Swami Aditya Vesh : Will the Minister for Finance be pleased to state the total amount of debt, which the State Government was to pay on the 1st May, 1977 togetherwith the amount due to the Central Government and

the public separately ?

वित्त मन्त्री (चौधरी सतबीर सिंह मलिक) :

महालेखा चार, हरियाणा की. पुस्तकों के अनुसार 3 1– 3– 1 977 को राज्य सरकर द्वारा देय ऋण की– बकाया राशि 33 1. 84 करोड़ रुपये थी., जो इस प्रकर है :–

(क) केन्द्र सरकार ने 245 98 करोड़ रुपये

(ख) पब्लिक से 70. 30 करोड रुपये

(ग) वित्तीय संस्थाओं से 15.56 करोड़ रुपये

महालेखा कार, हरियाणा से वर्ष 1977– 78 सम्बन्धी. सूचना प्राप्त होने की प्रतीक्षा की जा रही है ।

Wheat, Rice, Barley, Gram, Cotton sold to other States

120. Swami Aditya Vesh : Will the Minister for Food and Supplies be pleased to state the quantity of wheat, rice, barley, gram, cotton in tons sold by the State Government to other States during the period from July, 77 to January, 1978 togetherwith the rates thereof and profit accrued therefrom ?

खाद्य तथा पूर्ति मंत्री (श्रीमती डाक्टर कमला वर्मा) :

(क) गेहूं, जौ, चना इनमें सेकोई जिन्स भी राज्य सरकार द्वारा अन्य राज्यों को तथा कपासरू नहीं बेची गई । अतः इनके रेटों तथा इनसे हुए लाभ का प्रश्न उत्पन्न नहीं होता ।

(ख) जहां तक चावल का सम्बन्ध है, अपेक्षित सूचना निम्न प्रकार है:—

कम संख्या	चावल की किस्म	राज्य का नाम जिसे बेची/भेजी गई	मात्रा (टनों में)	रेट (प्रति टनी)(बोरी की कीमत समेत)	लाभ की राशि
1	बासमति	सिक्किम	23	रु. 2750	यह रेट भारत सरकार द्वारा ''बिना हानि बिना लाभ'' के आधार पर मन्जूर किया गया है ।
2	बासमति	गोआ	72	रु. 2750	

Tubewells for augmenting Bhakra Canal Water

128. Shri Sumer Chand Bhatt : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether the Government has received any complaint from the Small Farmers that Augmentation Tubewells sunk along bank of Bhakra Canal passing through Ambala District have adversely affected their private tubewells, and

(b) if so, the action takn thereon.

सिचाई एवं बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह) :

(अ) पिछले 4 वर्षों में कोई शिकायत नही प्राप्त हुई है ।

(ब) प्रश्न ही नहीं उठता । कामरेड शंकर लाल स्पीकर साहब, सिरसा जिला के अन्दर एक भी लिंक रोड नहीं बनी है ।

श्री अध्यक्ष : क्वेश्चन आवर तो खत्म हो गया है ।

श्री शमशेर सिंह : स्पीकर साहब, आज सुबह मैंने एक प्रिवलिज मोशन दी है जोकि कल के इंसीडेन्ट के बारे में है! उसको मूव करने की मुझे परमिशन दी जाए ।

Mr. Speaker : That is under my examination.

श्री शमशेर सिंह : स्पीकर साहब, अरलीऐस्ट अपर्चुएनेटी पर यह मामला आज ही रेज हो सकता है ।

श्री अध्यक्ष : रेज तो हो गया है, मेरे पास है । अन्डर एग्जामिनेशन है । मुझे सुबह 9.25 पर मिला है ।

कामरेड शंकर लाल : स्पीकर साहब., कभी हमारा भी नाम ले लिया करो ।

श्री अध्यक्ष : आप खड़े ही नही होते ।

श्री शमशेर सिंह : स्पीकर साहब, दूसरा मामला यह है कि कल. जो प्रिवीलिज मोशन आपने कमेटी को रेफर की थी, उसके लिये आपसे दर्खास्त है कि प्रिसाइजली उस मोशन की कापी दी जाए और फिर इस बात के लिये एक टेलीग्राम भी दिया । तो आज सुबह जब 9 30 बजे मैं हाउस में आया उस वक्त मुझे यह जवाब मिला कि अमी वह एग्जामिन कर रहे हैं । the ruling of the Hon'ble Speaker referring the matter to the Privileges Committee is under preparation .."

श्री अध्यक्ष : देखिये, इसका जवाब अभी आपको मिल जाएगा, दो मिनट रुकिए आप ।

विशेषाधिकार प्रश्न

चौधरी रिजक राम स्पीकर साहब, मैं आपको एक अर्ज करना चाहता हूं कि अखबारों मैं इस तरह की रिपोर्टें शाया हुई हैं और एक आनरेबल. मैम्बर श्री जगजीत सिंह पोहलू जोकि अपोजीशन के हैं उसको अखबार वालों ने 'झोलू' लिखा है (हंसी) और मिसरिपोर्टिग की है कि मैंने कल अपने प्रस्ताव पर बोलते हुए प्रस्ताव के बारे में नुकताचीनी भी की थी बल्कि मैंने आंकड़े देकर उसको स्पोर्ट किया था और अखबार वाले ने बिल्कुल मिस–लीडिंग–वे में मिस–रिपोर्टिग की कि इन्होंने प्रस्ताव को क्रिटीसाइज किया हे (विघ्न) ––

श्री अध्यक्ष : चौधरी साहब, आप इसके लिये अलग से नोटिस दीजिए । I think, this is not permissible.

चौधरी रिजक राम : स्पीकर साहब, यह मामला बडा अरजेन्ट इम्पार्टेस का है कि मैम्बरों को गलत नाम से लिखा जाए स्पीकर साहब, आपके नोटिस में एक बात आये तो फिर नोटिस की जरूरत नही है जहां तक मैम्बरों के राईटस को सेफ गार्ड करने का सवाल है, इस बारे में स्पीकर साहब को तुरन्त ही कार्यवाही करनी चाहिये ।

श्री अध्यक्ष : चौधरी साहब, यह रूल मुझे पढ़ कर आपको बताना पड़ेगा ।

Please take your seat. (Interruptions) I would invite the attention of the hon. Members to Rule 262 which reads-

"262. A member wishing to raise a question of privilege shall give notice in writing to the Secretary before the commencement of the sitting on the day the question is proposod to be raised. If the question raised is based on a document, the notice shall be accompanied by the document."

चौधरी रिजक रामः साहब स्पीकर साहब, आपने ठीक फरमाया है, हम इसकी तामील भी करेंगे मेरी आपसे मुअदबाना तौर पर गुजारिश है कि जो जरूरी बात हो वह आपके नोटिस में लाई जा सेंकती है । कल जो बीच आफ प्रिवलिज का मोशन आया था, वह भी जबानी ही था, पीर आप ने अला0 किया और उसे प्रिवलिज कमेटी को रैफर किया । तो इसके लिके आपने कोई कायदा नही बनाया कि बगैर राइटिंग के दिये आप अला0 नही कर सकते । एक मैम्बर को गलत नाम से लिखा जाये और ये अखबार

वाले आपकी इजाजत से प्रैस गैलरी में बैठते है और ..... । कल आपने बगैर राइटिंग के प्रिवलिज मोशन अला0 की तो क्या वजह है कि आज मैं अर्ज कर रहा हूं कि अखबार वालों ने मिस–लीडिंग–वें में रिपो– टिग की और आप कहते हैं कि राइटिंग में दो । .....(विघ्न)..

Mr. Speaker : I want to make an observation. Please take your seat. (Interruptions) Please sit down.

Chaudhri Rizaq Ram : Yes, I am sitting down. But you also listen to me..

Mr. Speaker : You are taking unnecessary time of the House.

Chaudhri Rizaq Ram : No, no. This is not so

Mr. Speaker : Yes. I have said. I want to make an observation. **Chaudhri Rizaq Ram :**

Mr. Speaker : I am asking, I want to make an observation.

Doctor Mangal Sein : Your impartiality is being questioned.

(Interruptions)

Chaudhri Rizaq Ram : * *

* * * * ***** *****

I know my responsibility more than any body else. I request the Hon.

Speaker

Mr. Speaker : Would you please take your seat ? I want to make an observation.

Chaudhri Rizaq Ram : *

Mr. Speaker : This is not fair. (interruptions) Would you please let me make an observation.

Chaudhori Rivzq Ram :

Mr. Speaker : I can. But you do not listen to me.... ...

Chaudhari Rizaq Ram : * * * * * *

Mr. Speaker : For how long I have been asking you to please sit down as I want to make an observation.

Chaudhri Rizaq Ram : * * * *

Mr. Speaker : I want to inform the hon. Members that Rule 278 lays down—

"273. Not with standing anything contained in these rules, the speaker may refer any question of privilege to the Committee of Privileges for examination, investigation or report."

This is my inherent power and you, being a senior member, should not really mislead the House.

श्री शमशेर सिंह : स्पीकर साहब, इनके केस में भी इन्हेरैन्ट पावर्ज का इस्तेमाल कीजिये ।

Mr. Speaker : Please sit down.

Chaudhri Rizaq Ram : My submission was for making use of the inherent powers. That is being denied to me.

श्री मूल चन्द जैन : स्पीकर साहब, आप रूल 265 भी जरा पढ़ लीजिये जिसमें लिखा है कि मैम्बर को किसी वक्त भी कोई प्रिवलिज उठाने का अधिकार है । (व्यवधान)

Mr. Speaker : But with the permission of the Speaker (Interruptions)

Chaudhri Rizaq Ram : I was simply asking your permission . . .

Mr. Speaker : You did not ask for the permission. Ask any one. They all know. (Interruntions). Order please.

विशेषाधिकार समिति द्वारा रिपोर्ट पेश करने संबंधी अध्यक्ष द्वारा अवलोकन

Mr. Speaker : Yesterday, I referred the matter concerning the allegation made by the Education Minister against Chaudhri Surrinder Singh, M.L. A. about the receipt of Rs. 2 lakhs from his father, the then Defence Minister of India, which was presented to him in a public meeting. Chaudhri Surrinder Singh's denial for having received any such amount, his shifting stand and resiling from his earlier

statement to the effect that the amount was given to the Youth Congress and not to him, thereby committing the contempt of the House by making misleading statement was referred to the Committee of Privileges for examination. I direct the Committee of privileges to make a report to the House on the first day of the next session of the Vidhan Sabha.

श्री शमशेर सिंह : यह कंट्राडिक्शन क्या है, यह क्लीयर नहीं है स्पीकर साहब ।

Mr. Speaker : It will be made clear by the Privileges Committee.

मुख्य मन्त्री द्वारा वक्तव्य – सरस्वती शूगर मिल यमूनानगर के सम्बन्ध में

The Hon. Chief Minister will make an important policy statement.

मुख्य मंत्री (चौधरी देवीलाल) : स्पीकर साहब, मैं हाउस की इनफर्मेशन के लिये बताना चाहता हूं कि आज कल गन्ना बोने वालों को बड़ी मुश्किल का सामना आ रहा है क्योंकि जमना नगर का सरस्वती शूगर मिल बन्द हो चुका था और जो पहले गन्ने का भाव 13 रुपये 50 पैसे का फैसला हुआ था उससे इन्कार हो गया था । अब हाउस की इतलाह के लिये मैं बताना चाहता हूं कि परसों से वह मिल चालू हो जाएगा और गन्ना 13 रुपये 50 पैसे के रेट पर लिया जाएगा (थम्पिग) बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : आज बजट पर काफी मैंबर साहिबान बोलना चाहते हैं इसलिये मैं कहूंगा कि हर एक मैंबर को 5 से 10 मिनट तक का टाईम मिलेगा और मैंबर साहिबान यह कोशिश करें कि जितना टाईम दिया जाता है उसके अन्दर ही अपनी स्पीच को पूरा करे ।

मुख्य मन्त्री (चौधरी देवी लाल) : स्पीकर साहब, मैं दर्खास्त करूंगा कि मैंबर साहेबान का बोलने कौ ढंग कुछ ज्यादा दिखाई देता है इसलिये आज हाउस का टाईम एक घंटा बढ़ा दिया जाए ।

श्री अध्यक्ष : शायद सब मैंबर साहेबान ऐसा चाहेगे तो एक घंटा बढ़ाया जाता वर्ष 1978– 79 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

चौधरी उदय सिंह दलाल : (बादली) रू स्पीकर साहब, हमारे फाइनैसं मिनिस्टर साहब ने जो 1 978– 79 का बजट हाउस के सामने रखा है इसमें अच्छी. उम्मीद की झलक दिखाई देती है और यह बहुत–सी बातें जाहिर करता है कि सरकार की. नीयत लोगों को रोजी देने की है । मैं मोटी–मोटी बातों पर हाउस का ध्यान आपकी मार्फत दिलाया ।

सब से पहले मैं सरकार का ध्यान सिंचाई के बारे में दिलाना चाहता हूं । सिंचाई को बढ़ाने का और नहरों को पुख्ता करने का जो निशाना रखा गया है वह ठीक रखा गया है और मैं

चाहता हूं कि छोटे किसानों को ज्यादा से ज्यादा सहूलियत दी जाए । उनको कर्जा ज्यादा से ज्यादा दिया जाए और सूद कम से कम लिया जाए । बाकी जो सीमेंट और ईटों बगैरह की दिक्कत है उसको मुहैया करने के लिये भी सरकार कदम उठाये । अगर सरकार सिंचाई की सहूलियत ज्यादा देगी तो इससे पैदावार बढ़ेगी और हमारी स्टेट खुशहाल होगी (इस समय उपाध्यक्ष महोदय पदासीन हुए) ।

इसी तरह से बिजली का सवाल है 1 पिछली सरकार ने ऐसी प्रथा चला दी थी कि किसान को रात को बिजली मिलेगी । रात को किसी का खाल टूट जाता है और अंधेरी. रात की वजह से पता नहीं चलता कि कहां टूटा है, जिसकी वजह से क्यारियों में पानीं नहीं पहुंचता । इसलिये मैं दर्खास्त करूंगा कि किसान को टयूबवैल के लिये दिन के टाईम बिजली दी जाए । अब हमारी सरकार ने बिजली के फलैट रेट करने का एलान किया है यह अच्छी बात है लेकिन जो टयूबवैल्ज को कनैक्शन देने के लिये लाइन का खर्चा है वह किसान पर डाला जाता है । मैं दर्खास्त करूंगा कि लाइन का खर्चा किसान से न लिया जाए बल्कि इसे बिजली बोर्ड ही बर्दास्त करे । इसके साथ किसानों को बिजली कम से कम रेट पर दी जाए । जैसे फैक्ट्रियों से 2–3 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से बिजली का खर्चा लिया जाता है उसी तरह से किसानों को भी फैक्टरी रेट पर ही बिजली दी जाए बल्कि उससे भी कम दी जाए । सरकार फिजूल खर्चे को बचाए और उस पैसे

से किसान को और देहातों में रहने वाले गरीबों को ज्यादा से ज्यादा सहूलियत दे ।

डिप्टी स्पीकर साहब, मैं खेती बाड़ी के बारे में कहना चाहता हूं कि लोगों को जिस बीज की जरूरत है वह टाईम पर दिया जाए । आज किसान को टाईम पर जरुरत तो होती है यूरिया खाद की, लेकिन उसे मिलती है किसान खाद । चने के बीज की जरुरत होती है तो गेहूं का बीज मिलता है और अगर गेहूं के बीज की जरूरत होती है तो दूसरा बीज मिलता है । मैं चाहूंगा कि सरकार आने से ऐसा प्रबन्ध करे जिससे जिस सीजन में किसान को जिस चीज की जरूरत हो वह हर ब्लाक में हर तहसील में उसे कम दामों पर मिल सके और कम देरी में मिल सके । इसके अलावा मैं एक बात की तरफ और ध्यान दिलाना चाहूंगा, उसका बजट में तो कही जिक्र नही है कि किसानों के पास हजारो की संख्या में पुराने टैरक्टर्ज हैं जिनके स्पेयर पार्टस नही मिलते है । स्पेयर पार्टस की दुकान वालों ने आज किसान को लूट लिया है क्योकि न तो उनका कोई रेट फिक्स है और न ही कोई पाबन्दी है । जो स्पेयर पार्टस मिलते नही है उनकी जगह वे दूसरे ट्रैक्टरों के पार्टस डाल देते हैं जिसकी वजह से ट्रैक्टर खराब हो जाते हैं । मैं सरकार से दर्खास्त करूंगा कि हर जिला हैडक्वार्टर पर कम से कम एक सरकारी वर्कशाप हो और उसमें हर किस्म के स्पेयर पार्टस हों । डिप्टी स्पीकर साहब, जिनके पास पुराने ट्रैक्टर्ज हैं उनके स्पेयर पार्टस यहां नही मिलते । अगर

सरकार वे स्पेयर पार्टस दूसरे मुल्कों से मंगवा दे तो वे सब लोग, जिनके पास पुराने टैरक्टर्ज है, सरकार को एक एक हजार रुपया देने के लिये तैयार हैं । ये टैरक्टर बड़े कामयाब टैरक्टर थे लेकिन स्पेयर पार्टस न मिलने की वजह से बेकार पड़े हैं । मैं चाहता हूं कि इन ट्रैक्टरों का ओवर हाल करने के लिये एक एक सरकारी वर्कशाप हर जिले में खोला जाए और उनमें बेरोजगार लड़कों को ट्रेनिंग देकर नौकरी पर लगाया जाए । इस पर जितना नार्मल खर्चा लगेगा वह किसान देने के लिये तैयार एं । डिप्टी स्पीकर साहब, यह जो 20 1 1 का टैरक्टर है वह पहले किसान को 1 3, 200 रुपये में मिलता था इसमें 50 प्रतिशत कस्टम की डियूटी भी और हवाई जहाज का किराया भी शामिल होता था । लेकिन उसी टैरक्टर की कीमत आज सरमायेदारों, उनके रिश्तेदारों और अफसरों ने मिल कर 40 हजार रुपये कर दी । आज भी वही टैरक्टर अगर दूसरे मुल्क से मंगवाया जाए तो दस हजार रुपये में मिल सकता हे । इसलिये मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि वह सैंट्रल गवर्नमैंट को लिखे ताकि ये किसान इस लूट से बच सके । मैं चाहता हूं कि छोटे ट्रैक्टर की कीमत 5 हजार और बड़े टैरक्टर की कीमत 10 हजार फौरन घटाई जाए । अगर ऐसा न हुआ तो किसानों ने बैकों से जो कर्जा ले रखा है वे उसकी किश्त नहीं दे सकेंगे और उनकी जमीनें कुर्क हो जाएंगी । इसलिये ट्रैक्टरों की कीमतें जल्दी घटाई जाएं । दूसरी बात यह है कि आज कल किसानों को जो डीजल मिलता है उसमें भी मिलावट कर दी जाती है इस को भी चौक किया जाए । बहुत से आदमी खेती– बाड़ी के

नाम पर औजार बनाने के 'लिये लाइसैस ले लेते हैं । जिसके कारण उनको लोहे वगैरह के कोटे मिल जाते हैं, सेल्ज टैक्स माफ हो जाता है लेकिन वे उस लोहे को ब्लैक में भी बेचते हैं और चीजे मंहगी देकर किसानों को भी लूटते हैं । इसलिये आगे के लिये अगर ऐसे लाइसैसं दिये जाएं तो वे किसान के बेटे को ही दिये जाएं जो खेती बाड़ी से वाकिफ हो । जो आदमी खेती बाड़ी से ताल्लुक नहीं रखता उसको इस तरह की. इजाजत न दी जाए ।

इसके बाद मैं शिक्षा के बारे में कहना चाहता हूं । अगर आज हम् शिक्षा के शेल में उसकी परसैटेज देखें तो उसे बताते हमें शम आती है । आज गांव के एक मैट्रिक पास लड़के को किताब में दिये मजबून के सिवाए एप्लीकेशन लिखनी. नहीं –आती । इसलिये इस पढ़ाई की ओर भी ध्यान दिया जाए । आज सारे के सारे स्कूलों की बिल्डिगे फ्लड की वजह से तबाह हो गई हैं, उनकी. छत्ते गिर गई है और बिल्डिगे अन–सेफ हो गई है इसलिये इन बिल्डिगों की मुरम्मत जल्दी से जल्दी करवाई जाए । पिछली सरकार के टाईम हमारे पर बहुत जुल्म होता रहा है । वह कह देती थी .कि स्कूलों की. बिल्डिगे हमने पी0 डब्ल्यू 0 डी0 को हैंड ओवर नहीं की हैं इसलिये उनकी मुरम्मत नही हो सकती । जब प्राइमरी, मिडिल या हाई स्कृल. सारे के सारे सरकारी स्कूल है और इनमें सरकारी' स्टाफ है तो गाव के लोगों को क्यों परेशान किया जाता है । इसलिये डिप्टी स्पीकर साहब, मैं प्राथना करूंगा

कि हरियाणा में जितने भी देहातों में सरकारी' स्कूल है अगर उनकी' बिल्डिगे कागजात में सरकारी. नहीं हैं तो उनको जल्दी से जल्दी सरकारी कर दिया जाए और गांव वालों पर यह कोई पाबन्दी न हो कि कमरे कम है, जमीन कम है । जब शहरों में किसी किस्म की कोई पाबन्दी नही है तो गांवों में क्यों है? गांव के लोग बहुत लुट चुके हैं, इस प्रथा को खत्म किया जाए और जितनी बिल्डिग्ज है उन पर कोई पाबन्दियां. न हों और सारी की सारी 'बिल्डिग्ज सरकारी हो । डिप्टी स्पीकर साहब–, स्कूलों में जितने भी फण्डज हैं उनको खर्चने की इजाजत मार्च के महीने में मिलती है । मार्च के महीने में हैड मास्टर जल्दी में स्कूलें के लिए टाट वगैरा खरीद लेते है । सामान बेचने वाले एजेटं बेचने के लिए तैयार हैं क्योंकि उन्हे पता होता है कि मार्च में ग्रांट आएगी । इस सारे फण्ड को मार्च के महीने में खर्चने की पाबन्दी खत्म कर दी जाए, दूसरे सीजन में भी खर्च किया जाए और देहातों में स्कूलों की बिल्डिग्ज की मुरम्मत हो ताकि बच्चे आराम से बैठसकें । सबसे बड़ी बात तो यह है कि ये सारे के सारे स्कूल पी0 डबल्यू 0 डी0 को दिए जाएं ।

डिप्टी स्पीकर साहब, आपने देखा. होगा, स्कूलों में नकल की जाती है । इम्तिहान लेने के लिए जो सुपरिनटैंडैट लगाए जाते हैं वे लोगों से पैसे ले लेते है । वे खुद कहते हैं नकल करवायेंगे और फस्ट .डिवीजन में पास करवायेंगे । लड़का फस्ट डिवीजन में पास होगा तो उसको अच्छी जगह दाखला मिल

जाता है लेकिन जब प्रैक्टिकली लिखने का टाईम आया तो फेल हो जाता है और निकाल दिया जाता है इस तरह से होस्टल में रहने का जो उन पर खर्चा आता है वह सारे का सारा जाया जाता है । अमीरों के बच्चे अच्छे स्कूलों में पढते हैं और मुकाबले में मैरिट पर आ जाते है लेकिन गांव के बच्चों पर चार चार लाख रुपंया खर्च करने पर भी कामयाब नहीं होते क्योकि उन से नकल करवाई जाती है । गांव के लोग स्कूल के लिए जमीन देते हैं, बड़े–बड़े फार्म देते हैं, अगर उनके बच्चे पढ़ न सके तो बड़े अफसोस की बात है । डिप्टी स्पीकर साहब, शिक्षा मन्त्री. ने प्लान किया है कि बी0एड0 तथा अन्य क्लासिज के दाखले सरकार खुद करेगी, मुझे इस बात की खुशी है । लेकिन आज साईंस और हिसाब के टीचर्ज की कमी है । मैं सरकार से अपील करूंगा कि साईंस और हिसाब के एक दो बैच और तैयार किए जाए ताकि इनकी कमी पूरी हो मक्एरू । जो पुराने सरपलस टीचर्ज है उनको ट्रेड करने का कोई लाभ नहीं होगा । डिप्टी स्पीकर साहब, 80 परसैटं आबादी गावों में रहती है और 20 परसैटं शहरों में रहती है । अगर दाखले के लिए गांवों और शहरों की मैरिट इकट्ठी ली गई तो मेरे ख्याल में गांव का एक भी लड़का दाखल नहीं हो सकेगा, शहरों के बच्चे दाखल हो जाएगे । इसलिए मैं सरकार से अपील' करूंगा कि 80 परसैट बच्चे जो गांव के हैं उनकी मैरिट अलग हो और 20 परसैटं बच्चे जो शहरों के है उनकी मैरिट अलग कर दी जाए । इस मैरिट के चक्र में गांव के लड़के दाखले से महरूम न हो जाएं, सरकार को इम बात का ध्यान रखना

चाहिए ताकि इन लोगों को भी इस मुल्क में अच्छी जिन्दगी असर करने का मौका मिल सके ।

श्री उपाध्यक्ष : आप का टाईम हो गया है, दो मिनट में वाईंड अप करे ।

चौधरी उदय सिंह दलाल : डिप्टी स्पीकर साहब, मेरे पास बहुत जरूरी मसले हैं, अगर आप इजाजत दें तो मैं सदन के सामने रखू । मुझे विश्वास है कि आप किसी तरह से तकलीफ उठाकर समय देंगे । जहां तक हैल्थ डिपार्टमैंट का ताल्लुक है, देहातों में कोई हस्पताल नही है । आपको जानकर हैरानी होगी कि पिछले 30 साल में जितने प्राईमरी हैल्थ सैन्टर गां–वों में खोले है, उन सब की बिल्डिग्ज का पैसा सारे का सारा ब्लाक समितियों ने दिया है । एक भी सरकारी हस्पताल, प्राईमरी हैल्थ सैन्टर देहात में ऐसा नहीं जो सरकार ने बनाया हो । प्राईमरी हैल्थ सैन्टर की बिल्डिग का खर्चा, दवाइयों का खर्चा ब्लाक समितियां देती हैं । डिप्टी स्पीकर साहब, मुझे कहते हुए शर्म आती है, इस देश में बड़े अच्छे–अच्छे डाक्टर हैं, अच्छे आदमी हैं । इन में से कई डाक्टरों ने बाहर दुकाने खोल रखी हैं । इधर से दवाइयां मिंत्री और उधर रखवा दीं, यही धंधा करते हैं । दवाइयां भी बहुत कम मिलती हैं । मैं यह नहीं कहता कि जनता सरकार ने यह प्रैक्टिस बन्द कर दी है या अब चल रही है, पहले यह प्रैक्टिस थी ।

इसके इलावा मैं फलड के बारे में थोड़ा सा जिक्र करना चाहता हूं । जो इलाके फलड के अन्दर डूबे हुए है उन को ज्यादा से ज्यादा सहूलियत देनी चाहिए और ज्यादा से ज्यादा हस्पताल खोले जाने चाहिए । बोपनियां गांव का सारे का सारा इलाका पानी में डूबा हुआ है । इसके इर्द–गिर्द के गांवों मै भी पानी खड़ा रहता है । गांव वालों ने एक लाख रुपया इकट्ठा किया हुआ है, लोग जमीन देने के लिए तैयार है, तब भी सरकारी तौर पर वहा हस्पताल नही बन सकता, इससे बुरी बात और क्या हो सकती है । मैं सरकार से उम्मीद करता हूं कि सरकार इस पुरानी प्रथा को जरूर बदलेगी और सरकार अपने पैसे से हस्पताल बनायेगी ।

श्री उपाध्यक्ष : आपका समय हो गया है, आप बैठ जाइए ।

चौधरी उदय सिंह दलाल : सिर्फ दो मिनट । अगला प्वायंट मेरा खेल–कूद के बारे में है । गांवों में जो लड़के कुश्तियां करने वाले हैं उनके लिए सरकार की ओर से कोच रखे जाएं, खेल सैन्टर रखे जाए ताकि लोगों को खेलने– का शौक पैदा हो । बच्चे टूर्नामैंट में हिस्सा ले सकेंगे तो उनकी सेहत भी अच्छी होगी । जो सीनियर आफिसर हैं वे रैस्ट हाउसिज में ठहरते हैं लेकिन देहातों में टूर्नामैंट करवाने के– लिए दिलचस्पी. नहीं लेते । इसलिए मेरी सरकार से दरखास्त हैं कि खेलकूद की तरफ ध्यान दिया जाए, ।

डिप्टी स्पीकर साहब, शराब का मामला सबसे ज्यादा गम्भीर है । इससे बड़ा मसला और कोई नही हो सकता जिससे नौजवानों की जिन्दगी खराब हो । मैं आपको एक खुशखबरी बताता हूं । मैं डेरी डिवैल्पमैंट कारर्पोरेशन का मैम्बर हूं । डेरी डिवैल्पमैंट कारपोरेशन ने यह तय किया हुआ है कि जिस तरह से पुरानी सरकार ने गांव गांव में शराब की दुकानें खोली हैं, हम शराब की जगह गांव गांव में दूध के स्टाल. खोलेगे । लोगों को शराब की बजाये दूध पिलाएंगे । जहां शराब के ठेके हैं वहां दूध के स्टाल. होंगे ।

जहां तक टैक्स का माला है, हमारी सरकार ने दो टैक्स लगाएं हैं, एक पैसैजर टैक्स है और दूसरा व्यापारियों पर है जिसको सरकार ने 15 परसैट से घटा कर 5 परसैंट कर दिया है । यह बहुत अच्छी बात है, सरकार ने उन भाइयों की. भावना का ख्याल किया है और उनके जजबात का एहतराम किया है । यह बड़ा सराहनीय कदम है, इसके लिए मैं सरकार को मुबारकबाद देता हूं । लेकिन 10 परसैटं जो पसैजर टैक्स लगाया है, यह बुरी बात है । गरीबों को वसों में सफर करना पड़ता हूँ इसलिए इस का' असर ज्यादातर गरीबों पर पड़ेगा । इसका यह हल हो सकता है कि ज्यादा बसें चला दी' जाएं ताकि स्कूटर वगैरा ज्यादा सवारियां न उठा सके और सरकार की आमदनी बढ़े । यह कमी यहां से पूरी की जा सकती है । बसों के कंडक्टर पैसा खा जाते हैं, अगर उनकी. चौकिंग ठीक तरह से हो जाए तो यह घाटा पूरा

हो सकता है । सरकार ने जो पसैजर टैक्य 10 परसैटं लगाया है! यह एक कलंक है, इससे ज्यादा कर्लक और नही हो सकता । हमने जनता से वोट लेते समय वायदे किये थे कि किसान की, मजदूर की हिफाजत करेंगे । वैसे तो मैं पार्टी डिसिप्लन की वजह से सरकार की नीति का समर्थन करूंगा लेकिन यह सब से ज्यादा खराब बात है जो आपने टैक्स लगाया है । किसान जो पहले ही मरे हुए हैं उन पर टैक्स क्यों लगाया जाए । डिप्टी स्पीकर साहब, हमारे मन्त्री जी ने बताया था कि भिवानी की जो नई नहर है वह 5 करोड रुपये की आमदनी दे चुकी है जय कि असलीयत यह है कि वह नहर चली भी नहीं । (घंटी) डिप्टी स्पीकर साहब, मेरे अन्दर बड़े जजबात हें, मैंने लोगों से बड़े वायदे किए हैं

श्री उपाध्यक्ष : आप खत्म करें, काफी टाईम ले लिया है अब बैठ जाइए ।

चौधरी उदय सिंह दलाल : मैं सरकार से तपील करुंगा कि आबियाना जो सरकार ने बढ़ाया है और पसैंजर टैक्स बढ़ाया है इसको खत्म करे । पसैजर टैक्स से सरकार को

11.00 बजे

2 करोड़ 80 लाख की आमदनी होगी । आबयाना और पैसेन्जर टैक्स, इन दोनों की बजाये 6 परसैंट शराब पर टैक्म बढ़ा दिया जाए, एक्साइज ड्यूटी बढ़ा दी जाए तो सरकार को 1 करोड़ 7 0 लाख के करीब आमदनी हो सकती है । नई बसें चलाई जाएं

इससे भी आमदनी बढ़ेगी । इसी तरह से यदि चौकिंग ठीक हो जाए तो कुछ कमी वहां से पूरी हो जाएगी । डिप्टी स्पीकर साहब, अन्त में मैं यही कहूंगा कि चूंकि किसानों पर पहले ही बड़ा बोझ है, इसलिए यह आबियाना नही बढ़ना चाहिए ।

(इस समय बहुत से सदस्य बोलने के लिए खड़े हुए)

श्री उपाध्यक्ष : श्री सुमेर चन्द भट्ट ।

चौधरी लाल सिंह : डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा एक प्वायंट आफ आर्डर है ।

श्री उपाध्यक्ष : लाल सिंह जी आप बैठिए ।

चौधरी लाल सिंह : मुझे अपनी बात तो कह लेने दीजिए । (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, मैंने बजट पर बोलना है । मुझे आपने गवर्नर ऐड्रैस पर भी बोलने का टाईम नहीं दिया था । इसलिए बजट पर बोलने के लिए मुझे सबसे पहले टाईम मिलना चाहिए था । (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष : आप बैठिए । श्री सुमेर चन्द भट्ट ।

श्री सुमेर चन्द भट्ट (नग्गल) : डिप्टी स्पीकर साहब, आपकी बड़ी नवाजिश हे कि आपने मुझे बोलने के लिए वक्त दिया । पिछले तीन दिनों से, जो बजट विधान सभा के सामने पेश किया गया, उस पर बहस चल रही है । इस बहस केदौरान बजट के कई पहलू हमारे सामने आए । एक बात तो इस तरफ से आई

जहां सीट आपने मुझे दी हुई है । आगे और पीछे के रैंचों की तरफ से एक ऐसी तस्वीरो श की गई कि जो बजट पेश किया गया है उसका कोई भी रोशन पहलू नही हे । यह अफसोस की बात है । लेकिन अफसोस करने की कोई जरूरत भी नही है क्योंकि यह बात उन लोगों की तरफ से कही गई जो पुराने सिस्टम की तर्जमानी करने के लिए यहां हाउस में मौजूद हैं । (विघ्न) डिप्टी स्पीकर साहब, इसमें कोई शक नहीं कि जो बजट पेश किया गया है यह एक ग्रोथ ओरियटिड बजट है क्योंकि पिछले साल के मुकाबले में, जो बजट अगले साल का हाउस के सामने है, इसमें 42 परसैट आउट–लें बढ़ा दी गईहै । यह निहायत खुशी की बात है । दूसरी ओर जो प्राईमेसी ऐग्रीकल्चर को मिंत्री है उसके लिए भी मैं अपनी सरकार को मुबारिकबाद दे ता हूं । विध्न) डिप्टी स्पीकर साहब, मैं अर्ज कर रहा था कि जो प्राईमेसी ऐग्रीकल्चर को दी गई है, वह काबिले तारीफ है क्योंकि पिछले 30 सालों में पहली बार इस बात का अहसास किया गया कि इस देश की तरक्की अगर हो सकती है तो ऐग्रीकल्वर की तरफ ध्यान देने से होगी । ऐग्रीकल्चर की, डिप्टी स्पीकर साहब, हमारे देश में एक बड़ी पिवटल पोजीशन है । इसके अलावा डिप्टी स्पीकर साहब, इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन की बात भी बजट के अन्दर की गई है । यह भी (रक अच्छी चीज है । लेकिन एक बात मैं आपके जरिए अपनी सरकार के सामने अवश्य रखना चाहता हूं । यह जितनी आउट–लें बजट की अलाट की गई ऐग्रीकल्चर के लिए, इसके बारे में देखना यह है कि इसका कितना हिस्सा उन

लोगों तक पहुंच पाएगा जो गरीबी की रेखा के नीचे हैं । डिप्टी स्पीकर साहब, आपको मालूम है कि हमारे हरियाणा में हक्य 65 परसैटं तक लोग ऐसे हैं जिनकी आमदन एक रुपया रोज से भी कम बैठतीहै । मुझे याद है गांधी जी की वह बात जो उन्होंने कही थी कि अगर किसी पब्लिक के काम के बारे में फैसला करना हो तो आप उस आदमी की तस्वीर सामने रखे जो सबसे ज्यादा पिछड़ा हुआ है । मुझे पता रहीं कि फाईनैसं मिनिस्टर साहब के जहन में बजट की ऐलो– केशन मुकर्रर करते वक्त किस किस्म के आदमी की तस्वीर थी । यह अच्छी बात है कि किसान के नाम से बजट में बहुत बड़ी ऐलोकेशन की गई है । लेकिन डिप्टी स्पीकर साहब, जैसा मैंने पहले कहा, यह बात भी देखने लायक है कि किसान के नाम पर कितना फायदा उन लोगों को जाता है जो दरअसल किसान नहीं हैं बल्कि बड़े बड़े जमीदार हैं । यह फर्क हमें सामने रखना पड़ेगा प्लानिंग के वक्त कि किसान के नाम पर खर्च किये जाने वाले पैसे का कितना बड़ा भाग बड़े बड़े जमीदारों को जाएगा और कितना हिस्सा उन लोगों को जाएगा जो ऐग्रीकल्चर पर निर्भर करते हैं । जिनके पास अपनी जमीन भी नहीं है या केवल एक एक या दो दो एकड़ जमीन है । मेरा इशारा ऐग्रीकल्चरल लेबर की तरफ है जिनकी हालत सबसे ज्यादा बुरी है । डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा आपको यह सुझाव है कि हाउस की तरफ से एक ऐसी कमेटी बनाई जानी चाहिये और कुछ ऐक्सपर्टस उसकी मदद करें, जो इस बात की गहराई में जाएं कि बजट का जितना पैसा ऐग्रीकल्चर के लिए लिया जा रहा है उसमें से कितना

फायदा उन लोगों को जाएगा जो गरीबी की रेखा से नीचे जिन्दगी बसर करते हैं ।

एक और बड़ी बुनियादी बात, डिप्टी स्पीकर साहब, मैं आपके सामने रखना चाहता हूं । पिछले तीन दिन की बहस में यह बात सामने आई कि मैम्बर्ज काफी परेशान हैं, उनमें काफी हल चल है कि जो बजट ऐलोकेशन हुई है उसका उनके इलाके में, उनके हल्के में क्या फायदा पहूंचेगा । यह दिक्कत इस वजह से है कि हमारी जो प्लानिंग है वह बड़ी सैन्ट्रेलाइजड है । और बडी अजीब बात यह है कि प्लानिंग स्कीमज के आधार पर नही की जाती । कल ही डिवैल्पमैंट मिनिस्टर साहब ने बताया कि इस वक्त कोई स्कीम उनके पास नही है, जब बजट की ऐलोकेशन हो जाएगी तब काम की बात करेंगे । बजाय इसके कि काम के आधार परपैसा ऐलोकेट हो, पैसे के आधार पर काम किया जाता है । यह उलट बात है । इसलिए मैं प्लानिंग मिनिस्टर और फाइनैंस मिनिस्टर साहब से यह दरख्वास्त करूंगा कि इस पालिसी को, इस नजरिए को बदल कर वे बजट बनाया करे । अगर डिसैन्ट्रेलाडजेशन के तरीके से, जिसको कि हमने पब्लिक के सामने रखा है, सारी प्लानिंग हो तो आज ही हमारी हरियाणा स्टेट का नक्शा बदल सकता है । एक छोटी सी बात मैं आपके सामने रखता हूं । यहां रोड्ज के बारे में बहुत सवालात हुए हैं । जितनी ऐलोकेशन की गई है अगर वही ऐलोकेशन रोड्ज के बारे में या दूसरे कामों के बारे में बांट कर सारे हल्कों को दे दी जाए

तो आप देखेगे कि स्कीम्ज को इम्पलीमैंट करने के लिए कितना उत्साह लोगों में होता है । आपका 210 करोड़ रुपया का बजट है ।

मेरा प्रस्ताव अपनी गवर्नमैंट से यह है कि अगर ऐक्सपैरीमैन्टल बेसिज पर इसमें से 90 करोड़ रुपया भी, एक करोड़ एक हल्के के हिसाब से, आप दे दें तो आपको पता चल जाएगा कि कितनी डिवैल्पमैंट होती है । यह पैसा एम0 एल 0 ए0 को ऐसोशिएट करके वहां के व्लाक को दिया जाए और उसे कहा जाए कि आप अपनी जरूरत के मुताबिक प्लान्ज बनाकर इस पैसे को खर्च करें । अगर इस तरह की आजादी एम0 एल0 एज0 को दी जाए तो मुझे पूरा यकीन है कि अगर एक हल्के में गवर्नमैंट अपने पैसे से दस किलोमीटर सड़के बनाएग । तो लोग बीस किलो– मीटर बनायेंगे । बहरहाल यह जनता का पैसा है, जनता पर खर्च होगा, जनता के पास जायेगा ।

श्री उपाध्यक्ष : आपका समय हो गया है ।

श्री सुमेर चन्द भट्ट : अगर ऐसी बात है तो मैं बैठ जाता हूं । आप दो मिनट और दे दें तो आपकी मेहरबानी होगी । मैं आपका ध्यान इस 210 करोड़ रुपये के बजट की ओर दिलाना चाहता हूं । हरियाणा असैम्बली से 210 करोड़ रुपये की स्वीकृति लेना चाहते हैं । असैम्बली में एम0 एल0 ए0 को इतना टाईम नहीं दिया जा रहा है कि वह बजट के बारे में कुछ अपने सुझाव दे

सके । अगर टाईम मिलता है तो इतना कम मिलता है कि वह अपनी. बात कह नही पाता है । मेरी अर्ज यह है कि आज सारे ढांचे को बदलने की बात है । जनता ने जनता पार्टी को इतने बहुमत से असैम्बली में बैठाया है वह केवल हकुमत चलाने के लिए नहीं बैठाया है असल मकसद तो हकुमत में जो गलत बातें होती थी उनको तबदील करने के लिए बैठाया है । मैम्बरों को वक्त नहीं मिलता है और न ही अपनी बात कह सकते है ।

श्री उपाध्यक्ष : अब आप के दो मिनट भी पूरे हो गये हैं इसलिए आप बैठिए ।

श्री सुमेर चन्द भट्ट : आप कहते हैं तो मैं बैठ जाता हूं लेकिन एक दो बात मैंने और भी कहनी थी ।

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू : आन ए प्वांयट आफ आर्डर सर । मैं आपके जरिए प्रार्थना करूंगा कि अपोजीशन के मैम्बरों को परसों भी टाईम नहीं मिला कल भी नहीं मिला । इसलिए रक अपोजीशन का एम0 एल0 ए 0 बोले और एक टेरजरी बैचिज का बोले ।

श्री उपाध्यक्ष : आप वो त्र चुके हैं, आपको पूरा टाईम मिल चुका है ।

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू : मुझे तो पूरा टाईम मिल गया लेकिन और भी तो अपोजीशन के मैम्बर हैं ।

चौधरी भले राम (बड़ौदा अनुसूचित जाति) : डिप्टीस्पीकर साहब, मैं थोड़े ही टाईम में अपनी बात कहना चाहता हूं । मैं बजट का समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं । सभी साथियों ने वाटर रेट को छोड़ कर, इस बजट की सभी बातों का समर्थन किया हैं । मैं भी इस बजट की पुरजोर ताइद करता हूं लेकिन जब से हरियाणा के अन्दर जनता सरकार बनी है तब से इसके सामने दो प्रकोप आये हैं एक आर्थिक प्रकोप और दूसरा प्राकृतिक प्रकोप ।

आप सभी साथियों को पता है कि भयंकर बाढ के कारण सात जिलों में 18 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, लोगों का जीवन. अस्त–व्यस्त हुआ लेकिन इस सरकार ने अपनी निपुण नीति और सूझ–बूझ के कारण दोनों समस्याओं पैर काबू पाया । आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया और 210 करोड़ खपने का बजट सदन में पेश किया । इस बजट में खा सियत यह है कि देहात वालों का, गरीब किसानों का और मजदूरों कौ 'विशेष ध्यान– रखा गया है । मैं इस बजट का पूर्ण रूप से समर्थन करता हूं । आज– तक किसी भी. सरकार ने इतना पैसा बाढ़ के प्रबन्ध के लिए नहीं रखा । जनता सरकार 1 0. 45 करोड़ रुपया फ्लड की रोक–थाम के लिए खर्च करेगी । फ्लड के टाईम पर जो तबाही मची थी वह किसी से छुपे। हुई नहीं है । फ्लड के टाईम पर

पहले वजीर और एम0 एल 0 ए 0 साहिबान बाहर नही निकैलते थे । वे होटलों, मोटलों और घरों में पड़े रहते थे, ऐश करते थे लेकिन जनता पार्टी के एम0 एल0 एज0 ने, वजीरों ने अपने आराम का ख्याल न रखते हुए गांव में पहुंचे । उनके साथ अफसर साहिबान और कमिश्नर साहिबान, सब लोग गांव में पंहूचे । मुझे धनाना गांव का पता है । वहां पानी के अन्दर लोगों की तकलीफों का ध्यान रखते हुए लोग पहुंचे । डिप्टी स्पीकर साहब, यह सरकार तो जनता की सरकार है और जनता की सेवा करेगी ।

डिप्टी स्पीकर साहब आपके जरिए सरकार से अपील करुंगा कि जो ड्रेने मंजूर हैं, उनके लिए जमीन एक्वायर करके जल्दी से जल्दी काम चालू किया जाये । मैं यह मानता हूं कि सरकार के सामने कुछ समस्यायें हैं । डिप्टी स्पीकर साहब, इस्तेमाल के टाईम पर कुछ शामलात रास्ते छोड़े हुए थे । इस्तेमाल. के टाईम पर छोड़े हुए रास्तों पर, रजबाहों पर या ड्रेनों पर पुल बने हुए हैं । कई रजबाहों पर पुल नहीं हैं और अगर हैं तो वे बहुत नजदीक नहीं हैं जिसके कारण लोगों को काफी दिक्कत हो रही है । इसलिए मेरीप्रार्थना है कि जो इश्तमाल के टाईम पर रास्ते छोड़े हुए हैं उन रास्तों से अगर ड्रेन गुजरती है तो उन नजदीक के पुराने पुलों का ध्यान न रखते हुए वहां पर दूमरा पुल भी अवश्य बनाया जाये ताकि लोगों कोकोई दिक्कत न हो ।

इसके साथ साथ शराब बन्दी के विषय में भी कुछ अर्ज करना चाहता हूं । हमारे डायरे– क्टिव प्रिंसिपल में लिखा हुआ है कि स्टेट गवर्नमैंट शराबबन्दी कर सकती है । इसलिए मुझे खुशी है कि हमारी सरकार ने नशाबन्दी साल में 79 दिन के लिए बन्द की । इस बात की तो मुझे खुशी है कि सरकार ने बन्द कर दी लेकिन मुझे तो एक बात का डर है कि लोग शराब की दुकान की पिछली खिड़की से बोतल लेनी शुरू कर देंगे । सरकार को इस बात का विशेष ध्यान रखना होगा । मेरा एक और भी विचार है कि जिन गांवों ने रेज्योलूशन पास करके भेजा है कि हमारे गांव में ठेका नहीं होना चाहिये वही पर अधिक माता में शराब बिकती है । उन गांवों में ट्रेके से बोरी की बोरियां लोग ले जाते हैं । इसलिये मैं फाइनैन्स मिनिस्टर साहब से प्रार्थना करूंगा कि उन गांव की अवश्य चौकिंग की जाये ।

अब मैं थोड़ा सा हरिजनों की सर्विसिज में रिजर्वेशन के बारे में भी अर्ज करना चाहता हूं । पिछली सरकार ने तीस साल तक हमारी जो रिजर्व पोस्टें थी उनको मिलने नहीं दिया । शिड्यूल्ड कास्ट कमेटी का चेयरमैन होने के नाते से मैंने इन्डस्ट्री विभाग को देखा है । उस विभाग में हरियाणा बनने के बाद, 6. 7 परसैन्ट रिजर्वेशन पूरी हो पायी है । दूसरे महकमों का तो म्उझे पता नहीं है, मैंने केवल एक महकमें को देखा हैं । दूसरे महकमों में भी यही हालत होगी । रिजर्वेशन फी जो इन्सट्रक्शन हैं वे तोड़–मरोड कर इस ढंग से भेजी गई हैं कि हरिजन लोग ले ही

नही सके । पिछली सरकार ने उनकी रिजर्वेशन को खत्म करने की कोशिश की है । मिसाल के तौर पर बताता हुं और यह इन्स्टक्शन भी हैं किं अगर कोई नयी पोस्ट 'क्रियेट होगी तो वहां तर रिजर्वेशन होगी लेकिन कोई पोस्ट वेकेन्ट होगीं, जिस तरह से मर जाता है, रिटायर हो जाता है, वह जगह खाली होगी तो हरिजन को नही मिलेगी । इस तरह से चाहे भी जगह खाली हो लेकिन वहा 'रिजर्ग्वेशन नहीं मिलेगी. । पोस्ट क्रिऐट होगी' तो रिजर्वेशन होगी लेकिन वेकेन्ट पोस्ट पर रिजर्वेशन नही होगी । यह तो वही बात हुई कि औरत होगी तो बच्चा पैदा होगा । इसलिए मेरी प्रार्थना है और मुख्यमंत्री जी' ने भी कहा है कि जो हरिजनों की रिजर्वेशन है चाहे, उन्हें नयी. पोस्ट क्रियेट करनी पड़े, किसी प्रकार से कुछ भी. करना पड़े, उनका घाटा जल्दी से जल्दी पूरा किया जायेगा, जाब. पैट्रन पर यह घाटा पूरा किया जायेगा । इसलिए मेरी प्रार्थना हए कि हरियाणा में पंजाब पैट्रन पर ही पोस्ट रिजर्व की जाये ।

श्री उपाध्यक्ष : आपका टाईम पूरा हो गया ।

चौधरी भले राम : यह बजट प्रोग्रेसिव और सैटीसफैक्टरीं द्रुँ । मैं इसकी' ताइद करता हूं और सरकार से प्रार्थना करता हूं कि वाटर रेट जो सरकार ने बढ़ाये है उनको खत्म करने के बारे में जें–श्र गौर करे गी ।

चौधरी राजेन्द्र सिंह (बल्लभगढ) : उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश का सौभाग्य है कि किसान के हित की सरकार जनता की सेवा कर रही है । लगभग 12 वर्ष पूर्व भारतवर्ष के मानचित्र पर हरियाणा नाम का प्रदेश बना । आरम्भ से ही. हरियाणा की विशेष परम्परायें रही हैं । वैदिक 'राज से ही यह प्रदेश भारतवर्ष में. राजनैतिक, सांस्कृतिक और धार्मिक गतिविधियों का केन्द्र रहा है । गान्धी जी का स्वप्न भारत में राम–राज्य का था । लेकिन हमारे यहां पर लगे हुए मीसा जैसे कानून, प्रैस की सैसरशिप, न्यायपालिका पर अंकुश को देखकर सम्पूर्ण विश्व यह मान बुकय था कि भारतवर्ष से प्रजातन्त्र हमेशा के लिये मिट गया है । लेकिन जनता जनार्दन ने यह साबित कर दिया है कि हमारी इस पूज्य ऋषियों मुनियों की भूमि से प्रजातन्त्र को मिटाया नही जा सकता है । वित्त मंत्री जी ने जो बजट पेश किया है, मैं उस पर अपने विचार रखना चाहता हूं । 1 9 78– 79 का जो बजट पेश किया गया है, मेरे आदरणीय आनरेबल सदस्यों ने इस पर अपने–अपने विचार रखे हैं । अपोजीशन साईड से भी कुछ बातें यहां पर रखी गयी और अन्य सदस्यों ने भी इस पर अपने विचार प्रकट किये हैं । टैरजरी बैंचिज की तरफ से भी काफी बातें कही गयी हैं और आज तीन दिन हो गये इस पर बहस चल रही है । वित्त मन्त्री जी ने जो बजट 1978–79 पेश किया है, यह 210 करोड़ रुपये का बजट है और उसमें 28 करोड रुपये का घाटा भी दिखाया गया है । जितना समय मुझे मिला है, मैं उसमें ही अपने सारे विचार रखने की कोशिश करुंगा । बजट में सरकार ने

वर्तमान आबियाना मैं 10 प्रतिशत वृद्धि करने का सुझाव रखा है, उसके सम्बन्ध में हमारे सारे प्रदेश में, जनता में, किसानों में, गरीब मजदूरों में बड़ा भारी रोष है । इसलिये मैं अपनी सरकार से यह अनुरोध करूंगा, खास तौर पर मुख्य मंत्री जी से और अपने गृह मन्त्री जी से कि यह 10 प्रतिशत की जो वृद्धि आबियाने में की है, यह बिल्कुल ही न्यायसंगत नही है । इससे हमारे ओले और बाढ़ से पिटा हुआ जो गरीब मजदूर किसान है, उसके पर बड़ा भारी गलत असर पड़ेगा और यह बोझ उनके बर्दाश्त करने के लायक है भी नही । इसलिये मैं यह प्रार्थना करूंगा कि आबियाना बिल्कुल भी बढ़ाया नही जाना चाहिए । दूसरी बात, जो बाली कर में 1 0 प्रतिशत वृद्धि करने का प्रस्ताव है, उसके सम्बन्ध में मैं यह कहना चाहता हूं कि इससे निम्न वर्ग के पर बहुत भारी असर पड़ेगा । देहात का किसान या जो गरीब मजदूर है, जिसके पास आने–जाने का कोई साधन नहीं है, वह बसों से ही सफर करता है क्योंकि उसके पास अपना कोई कार–स्कूटर वगैरा नहीं है । आपको यह तो पता है कि अमीर आदमियों के पास तो कारें और स्कूटर वगैरा हैं, वे तो उससे भी यात्रा कर सकते हैं । लेकिन एक गरीब आदमी जिसके पास साधन ही नही है वह बस के अलावा और किसी जरिये से आ जा नहीं सकता । मैं सरकार से यह प्रार्थना करूंगा कि 10 प्रतिशत की जो वृद्धि की जा रही है इसको अगर न बढाया जाये तो बेहतर होगा । (इस समय सभापतियों की सूची में से सदस्य **चौधरी** खुरशीद अहमद पदासीन हुए)

इसके अलावा एक और इम्पौर्टेन्ट सुझाव जो मैं सरकार को देना चाहता हूं वह यह है कि इस बजट में कही भी इस बात का कोई प्रोवीजन नही किया गया है जिससे यह जाहिर हो कि सरकार हमारे प्रदेश में जो कानून की व्यवस्था बिगड़ती जा रही है, इसके बारे में चिन्तित है । मैं सरकार से यह दरख्वास्त करूंगा कि जब से जनता सरकार बनी है चोरी, डकैती, लूटमार और कत्ल के केसिज बढ़ते जा रहे हैं । सरकार का प्रथम कर्तव्य है कि वह लोगों के जान व माजें की रक्षा करे । अगर सरकार ऐसा करने में असमर्थ रहती है तो यह सरकार अधिक समय तक टिक नहीं सकती । जो एक घटना अम्मी कुछ दिन हुए हुई है वह मैं आप लोगों के नोटिस में लाना चाहता हूं । हमारे माननीय सदस्य शकरुल्ला साहब के घर में एक डकैती हुई है जिसमें 4 क्य 50 हजार रूपये का माल. चला गया । एफ0 आई0 आर 0 दर्ज करा दी गयी है । लेकिन जिन लोगों पर हमारा शुबाह है, उन लोगों को इन्वैस्टीगेशन के लिये पुलिस थानें में नही बुलाती । मुझे इस केस के बारे में पता है जिन लोगों ने यह जुल्म किया है, उनको पकड़ कर कानून के हवाले किया जाता चाहिये हमारे पुलिस स्टेशन से जो दो डाकू, जिन्होंने अनेकों निर्दोष लोगों की हत्याएं की है, अनेक लोगों को लूटा है, हाई–वे रौबरीज की हैं, सैकड़ों ही नहीं हजारों रुपया चोर किया हैं । वे हैं बदलेव सिंह और डाक्टर अशोक । ये पुलिस की कस्टडी में से जहां पर 24 घंटे संगीनें. लिये हुए सन्तरी तैनात रहता है, वहां से दो कदम पर थानेदार बैठता है– और दो कदम पर डी0 एस0 पी0 बैठा होता

है, सरिये को काट कर वहां से निकल गये । यह हमारे लिये ही नही हमारी सारी एडमिनिस्ट्रेशन के लिये और खास तौर से पुलिस के लिये शर्म की बात है । एक बात और मैं कहना चाहता हूं कि इस प्रदेश के अन्दर पुलिस फोर्स बढ़ायी' जाये । जो सी0 आर0 पी0 की बटालियन हमारे प्रदेश में बैठायी गयी है, वे हमारे प्रदेशों के लोगों के जान–माल की हिफाजत करने में बिल्कुल नकारा साबित हुई है ।

उनको प्रदेश से निकाला जाये और प्रदेश के लोगों को पुलिस में भर्ती करके उन्हें प्रदेश की सेवा करने का मौका दिया जाये । मैं सरकार से एक अनुरोध करूंगा कि मेरे अपने बल्लभगढ़ू विधान सभा क्षेत्र में एक झांसा पुलिस स्टेशन हैजिसके अन्दर 20–2 5 गांव जो जमुना दरिया के दूसरी तरफ लगते हैं, वे भी आते है । वहां पर हमारे एस 0 एच0 ओ0 के पास कोई जीप वगैरा नहीं है । रात को अगर कहीं मुलजिम को पकड़ने के लिये जाना हो तो उसके पास कोई भी साधन नहीं है । इसलिये मैं सरकार से यह अनुरोध करूंगा कि वहां पर पुलिस स्टेशन के लिए एक जीप जरूर दी जाये । इन शव्दों के साथ जो वित्त मन्त्री जी ने बजट पेश किया है, मैं इस पर अपनी बात समाप्त करता हूं । धन्यवाद ।

श्री सभापति : गुलजार सिंह (इस समय बहुत से सदस्य बोलने के लिये खडे हुए) आप थोड़े से थोड़ा टाईम लीजिये ताकि हरेक को टाईम मिल– जाये । (शोर व व्यवधान) जितनी

देर में आप यह बात कह रहे है उतनी देर में तो उन्होंने आधा बोल लेना था । (शोर व व्यवधान) मैं पहले ही गुलजार सिंह जी को काल–अपौन कर चुका हूं अब इसे बदला नही जा सकता । मिस्टर गुलजार सिंह आप बोलना शुरु करिये ।

श्री गुलजार सिंह (राजौंद) : आदरणीय चेयरमैन साहब (शोर व्यवधान)

वित्त मन्त्री (चौधरी सतबीर सिंह मलिक) : चेयरमैन साहब, इन्होने तो सबसे ज्यादा टाईम ले लिया । आप पिछले हाउस की रिवायात देंखें, कांग्रेस के टाईम में अपोजीशन को एक मिनट मिला करताथा । हमने तो इन्हें दोषं टे दिये हैं बजट पर बोलने के लिये । (श्री जगजीत सिंह पोहलू की ओर से व्यवधान) ।

श्री सभापति : मिस्टर पोहलू, आप बजट पर बोल चुके हैं ।

चौधरी देस राज : आन ए प्वांयट आफ आर्डर सर । मैं चेयरमैन साहब से यह रिक्वैस्ट करूंगा कि जो मैम्बर साहिबान बजट पर बोल चुके हैं, मेहरबानी करके उनको बोलने की अब इजाजत न दी जाये ।

श्री सभापति : हां., जो बजट पर बोल चुके हैं, उनको अब टाईम नहीं मिलेगा । अब कोशिश यह करूंगा कि नये मैंबरो के लिये 5– 5 'मिनट का टाईम दिया जाये । (व्यवधान–) सब

का नम्बर आयेगा । जिस तरह से आप बोल रहे हो, इस तरह से ही करोगे तो.... (व्यवधान)

श्री गुलजार सिंह : आदरणीय चेयरमैन साहब, बजट पर जो बहस हो रही है, उसमें 'हिस्सा लेते हुए, मैं उसकी पुरजोर ताईद करता हूं और स्वागत भी करता हूं । स्वागत इसलिये कि यह बजट एक ऐसा बजट है 'जिसमें एक 'निराली ही देहात की झलक नजर आती हैं क्योंकि पिछले साल जो बजट था वह कुल मिलाकर इतना ही था जितना कि इस बजट मे देहात पर खर्च किया जा रहा है जैसे किं नहरे बिजली, सड़कें, फ्लड वगैरा वगैरा । ईस बजट को देखते हुए अगर इसे किसान का या गरीब का बजट कहें तो कोई गलत नही होगा । इन हालात में वे थोड़ा सा अपने हल्के के लिये, जोकि डिस्ट्रिक्ट जीद में एक बदकिस्मत हल्का राजौद के नाम से है, भी कहूंगा । कुदरत भी उससे नाराज है । 4 0—42 गांव हैं । उन सब गांवों में मीठे पानी की बजायं खारा पानी है और नहरी पानी भी इतना कम है कि तमाम हल्का टेल पर होने की वजह से उस इलाके की 1/2 हिस्मा जमीन बंजर और मारू पड़ी' हुई है । मैं बजट की' सराहना करतेहुए, तारीफ करते हुए आपके माध्यम से ही यह कहूंगा कि मेरे हल्के का भी सरकार ख्याल रखे ।

दूसरी बात यह है कि एक पार्टी का मैम्बर होते हुए बजट को सराहते हुए मैं यह कहूंगा कि उसमें, थोडी— सी स्याही—सी नजर आती है । जैसे कि ताजमहल बनाया था उस

समय साइंस नहीं थी, लेकिन आजकल जहां कही मरम्मत हो रही है और साइंस का जमाना होतेहुए भी उसमें धब्बा नजर जाता है और वैसे ही इस बजट में भी थोड़ी सी स्याही मेरे को नजर आ रही है क्योंकि जो इस नंगे, भूखे, लंगोटी वाले किसान और मजदूर पर टैक्स लगा है इससे जो खूबसूरती. है वह बिल्कुल बिगड़ती जा रही है । वैसे मै इसका समर्थन करता हू । फिर भी अगर हमारे एफ0 एम0 साहब थोड़ी–सी स्याही को रफा करके अगर इसको पूरा खुबसूरत बना दें तो इनक तालियों से स्वागत हो सकता है और इसमें कोई बड़ी बात भी. नही हैं । इनके लिए दो–चार करोड़ की बात है । मैं कहता हूं कि थोड़ी सी किफायतमारी कर लें । छोटा मुह और बड़ी बात चेयरमैन साहब, मैं कहूंगा कि मैं तो एक देहाती–सा, गंवार सा एम 0 एल0 ए 0 हूं मुझे पता चला है, मैं कह नहीं सकता कि गल्त है कि सही है, आज भी हमारी सरकार यहां तक कि हमारे सब से बड़े आदरणीय गवर्नर साहब पर बड़े ठाट–बाट से खर्च कर रही है । उनका जो निजि बजट था वह बिल्कुल खत्म हो गया है और सरकार से और भी– मांगने लग रहे हैं । गवर्नर हाउस में जो पर्दे, गली वे सब कुछ बदल दिए गए हैं । दिल्ली से साठ–साठ हजार रुपये की चीजे परचेज हो रही है, एवय ही टाईम पर । हरियाणा भवन में जो उनका सूट है, गलीचे गलीचे आदि हैं उनको भी कहते हैं कि सब कुछ बदल दो । इसतरीके से लाखों रुपया बादशाहाना ठाठसे खर्च करने की बजाए, मैं आनी सरकार से प्रार्थना करता हूं कि थोड़ा––थोड़ा–सा उसमें कट लगा दिया जाये और यहां नंगे,

भि–खारी, किसान को इस टैक्स के बोझ से बचा दिया जाए । मेरे को यहां तक पता चना है, मैं कहे बिना रुक नहीं सकता विय टेलीफोन भी बंगलौर तक होते हैं और में यह भी कहूंगा चीफ मिनिस्टर, जिनका सारा देहात अंधाधुन्ध समर्थन करता है और करता रहेगा, उनका भी 34 हजार का बिल आया और होम मिनिस्टर का 37 हजार का बिल आया है, उसने तो रिकार्ड ही तोड़ दिया । मेरी यह बात कड्वी तो लगेगी लेकिन मैं हाथ जोड़कर यह कहूंगा कि इस बजट को सरकार खूबसूरत वना दे और यह जो फिजूलखर्ची–सी. है थोड़ा–थोड़ा उनमें कट लगा दे (व्यवधान), यह सारा घाटा प्राहों जाएगा । खड़े–बड़े आदमी अगर थोड़ा–सा ख्याल करेंगे तो ठीक रहेगा । इतना कहकर मैं खत्म करता हूं और चेयरमैन साहब आपका शुक्रिया अदा करता हूं ।

श्रीमती शकुन्तला भगवाडिया (बावल अनुसूचित जाति) : चेयरमैन साल., दो–तीन दिन से इस विधान समा में बजट पर डिस्कशन हो रही है । मुझे भी इस बजट पर बोलने का अवसर मिला है । चेयरमैन साहब, जनता पार्टी का सदस्य होने के नाते, इस सरकार का थोड़ा सा अंग होने के नाते, जो बजट इस सदन में आया है, उसका समर्थन करती हूं । यह बड़ा सराहनीय बजट है लेकिन जनता पार्टी का सदस्य होने के नाते मैं यह भी अपना फर्ज समझती हूं कि उसमें जो थोड़ी बहुत कमियां हैं, त्रुटियां है उसकी तरफ सरकार का ध्यान दिला0 । चेयरमैन साहब, मेरे हल्के में भाग्य की यह विडम्बना रही है कि जब बाढ़ आई तो सब से

पहले मेरे हल्के में आई और जो अब ओले पड़े हैं वह भी मेरे हल्के में सब से ज्यादा पड़े है । दो सौ से पांच सौ ग्राम तक के ओले मेरे हल्के मैं पड़े है । चफि मिनिस्टर महोदय ने जो रिलीफ दी है उसके लिए मै उनका धन्यवाद करती हूं । इन ओलों से इतना बुरा प्रभाव पड़ा है कि पांच किल्ले जमीन के अन्दर पाच किलो सरसों भी पैदा नही होगी । उस इलाके के अन्दर बहुत तबाही हुई है । अगर आप लोग उनकी दशा देखें तो रोना आएगा । इसलिए मेरी प्रार्थना है कि वहां पर लगान माफ कर दें । जो लोन वहां के लोगों को दिए हुए है उनकी वसूल करने की मयाद बढ़ा दें । बिजली में उनको छूट दी जाए तथा अनाज और चारा उनको सस्ता दिया जाए । मैं इसे भाग्य की विडम्बना ही कहूंगी कि इस थोड़े से समय में ही वहां के लोगों को दो–दो मुसीबतों का सामना करना पड़ा है । मैं अपने मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना करूंगी कि जितनी अधिक से अधिक सहायता उस इलाके की वे कर सकते हैं, वह करे । दूसरी बात मैं यह कहना चाहती हूं कि जो आबियाना बढ़ाया गया है वह न बढ़ाया जाए । जिस किसान के पास खाने के लिए रोटी नही है वह यह बढा हुआ आबियाना कहां से दे गा । हमारी तरफ तो यह हालत हो गई है कि लोगों को लोन लेने की नौबत आ गई है । मेरी सरकार से प्रार्थना है कि जब भी आप बजट बनाए तो उसमें कुछ पैसा प्रकृति के प्रकोप के लिए भी रख ले और अगर भगवान की तरफ से कोई मुसीबत आ जाए तो किसानों को वह पैसा दिया जाए । सरकार से मेरी

एक और प्रार्थना है कि फसल का बीमा करने का अगर प्रबन्ध कर दिया जाए तो इससे किसान को बहुत लाभ होगा ।

चेयरमैन साहब, अब मैं जो हमारे पिछड़े हुए लोग तथा हरिजन है उनके बारे में कहना चाहती हूं । जैसे सन का एक पूजा होता है उसको उठाकर अगर दांत कुर दे तो वह बीच में ही टूट जाता है लेकिन अगर सब पूजो को बटकर एक रस्सा बना लें तो उससे हाथी तथा शेर जैसे ताकतवर जानवरों को भी बांधा जा सकता है । मेरे कहने का मतलब यह है कि अगर समाज के एक वर्ग को छोड़कर हम चलेगे तो हमको सफलता नही मिलेगी । इसलिए हरिजनों में जो थोड़ा बहुत पिछडापन रह गया है उसको दूर करने के काम में हमको प्राथमिकता देनी चाहिए । तभी हमारा समाज मजबू होगा और समाज का हर प्राणी खुश रहेगा । चेयरमैन साहब, इस बिल्डिग को, जहां हम बैठे है, इसको देखकर यह समझ में नही आता कि इतनी 0ंचाई पर कैसे चढ़ा जाता होगा । मैं कह सकती हूं कि इसका 'निर्माण हॉरेजन और अभावग्रस्त स्त्रियों तथा लड़कियों ने किया था, वे ही मिट्टी लेकर पर चढी थी । लेकिन कितने. दुर्भाग्य की बात है कि वे गरीब लड़कियां जो मेहनत करके अपने रेट पालती है उन का लोग हरण कर लेते है उन गरीब लड़कियों के साथ यह बड़ा भारी अन्याय है सरकार को इसकी तरफ ध्यान देना चाहिए। चेयरमैन साहब, सरकार ने लडकियों के लिए सिलाई का काम सिखाने के लिए सेन्टर कायम ?? है । हरिजन लड़कियां जो मेहनत करती है और मेहनत

मजदूरी करके तीन चार रु0 रोज कमाती हैं, अगर वे सिलाई के सेन्टर में काम सीखने जाएं तो अपना तथा परिवार का पेट कैसे भर सकती हैं । सिलाई सैन्टर में काम सीखने के लिए उनको कपड़े आदि के लिए अपने पास से पैसा खर्च करना पड़ेगा, जो उनके लिए बहुत कठिन काम है । मेरी' सरकार से प्रार्थना है कि सिलाई के सेन्टर में काम सीखने का जो खर्चा आए उसको सरकार को देना चाहिए ताकि हरिजन लड़कियां काम सीख सकें । कुछ समय पहले मुझे राजस्थान जाने का मौका मिला तो वहां मुझे पता लगा कि वहा पर हरिजन जुलाहे तथा जितने गरीब तबके के ग्रेजुऐट अनएम्पलायड लड़के हैं, उनको ग्रेजुएट पेंशन दी जाती है जो एम 0 ए0 पास हैं उनको कुछ ज्यादा भत्ता दिया जाता है । मेरी सरकार से प्रार्थना है कि हरियाणा के अन्दर भी उसी तरह की स्कीम चालू की जाए जिससे गरीब तथा हरिजन लड़कों को कुछ फायदा हो और वे अपने मां बाप पर अधिक बोझा न बनें । अगर सरकार ऐसा करे गीतो यह एक बड़ा सराहनीय काम होगा । चेयरमैन साहब, सन 1973 में एक संघर्ष समिति बनी थी उस वक्त 14 महिलाओं के बच्चे हुए थे और 13 व्यक्तियों की मृत्यु हुई थी । मेरी सरकार से प्रार्थना है कि उनकी तरफ कुछ ध्यान दे । यहं किसी से छिपी हुई बात नहीं है कि हरिजनों के साथ उस वक्त कितना जुल्म हुआ थी । उस समय जो उनकी मांगें थी उस वक्त की जालिम सरकार ने उनको मानना तो दूर रहा, उल्टे उन लोगों को जेलों में डाल दिया । मेरी सरकार से प्रार्थना है कि सरकार उनकी उस वक्त की मांगों को पूरा करने में सहयोग दे । जो लोग

उस समय जेलों में मर गए थे उनके आश्रितों को सरकार एम्पलायमैंट दें जिससे वे अपना गुजारा कर सके ।

चेयरमैन साहब, इस बजट में यात्री–कर भी बढ़ाया गया है । गरीब किसान, हरिजन और आर्थिक दृष्टि से जो कमजोर लोग हैं, उनके पास अपने गुजारे के लिए बहुत कम सहारा होता है और उनको गुजारे की तलाश में इधर उधर जाना पड़ता है । इस यात्री–कर के बढ जाने से उन गरीब आदमियों को बड़ी मुश्किल का सामना करना पड़ेगा । इसलिए मेरी प्रार्थना है कि इस यात्री कर को सरकार वापिस ले जिससे गरीब लोगों को कुछ राहत मिल सके ।

चेयरमैन साहब, इससे अगली बात जो है, वह मैं अपने हलके के बारे में कहना चाहती हूं कि दूसरे इलाकों की तरह इलाकों को भी हर प्रकार की सुविधायें दी जानी चाहिये । मैं सरकार का धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने बावल को एक तहसील का दर्जा दे दिया है, तहसील में परिणत कर दिया है, पर वहां पर कोई हस्पताल नही है । एक छोटी–सी डिसपैन्सरी है जिस में केवल 7 बैडज का ही प्रोविजन है वहां पर राजस्थान तक के लोग आते हैं । यह इलाका राजस्थान के बार्डर तक लगता है । उस डिसपैन्सरी में न तो डाक्टर है, न लेडी डाक्टर है और न ही दूसरी सुविधाएं ही लोगों कोप्राप्त हैं, यह इलाका पिछड़ा हुआ इलाका माना जाता है । इसलिये सरकार को इन बातों को ध्यान में रखकर डस डुलाके का पूरा पूरा ध्यान करना चाहिये ताकि

लोगों को ये सारी सुविधायें प्राप्त हो सकें । जनता पार्टी के वहां से केवल तीन ही सदस्य चुन कर आये है और हम तीनों ही इस हलके की खुशहाली के लिये सरकार से निवेदन करते हैं । इस से आगे चेयरमैन साहब, मैं शिक्षा के बारे में भी कुछ बातें आप द्वारा सरकार के नोटिस में लाना चाहती हूं । हमारे हल्के में एक कुन–मण्डी का इलाका है । वहां पर एक स्कूल की छत्ते गई 0 डब्ल्यू 0 डी0 वालों ने उतार दी और जो हायर सैकेण्डरी स्कूल है, उसमें पढ़ने का कोई प्रबन्ध नहीं है । मुझे समझ नही आता कि छूएसे स्कूल सरकार की लिस्ट में क्यों नही आये । वहां 1 0 मील के अन्दर अन्दर कोई भी स्कूल बच्चों के लिये नही है । इसलिये सरकार को इस तरफ 'मी ध्यान देना चाहिये । इसके माथ यह भी प्रार्थना है कि राजस्व। न के बार्डर से यह इलाका लगता है । कुन–मण्डी में पीने के पानी. का केवल एक ही कुआं है, लोगों को पीने का पानी नही मिलता । इसलिए सरकार की तरफ से उस इलाके में भी वाटर सप्लाई स्कीम के तहत, लोगो को पीने का पानी मुहैया किया जाना चाहिए ।

इससे आगे मैं चेयरमैन साहब अर्ज करूंगी कि बावल के हलके में एक जनता कालेज है । यह उसी जगह पर है जहां हमारे सम्माननीय भाई श्री प्रकाशवीर शास्त्री जी का रेल एक्सीडैटं हुआ था । इसलिए मैं चाहती हूं उस महान आत्मा के नाम पर इस कालेज का नाम रखा जाए । जनता कालेज का नाम बदल कर 'प्रकाश गवर्ननमैंट कालेज बावल' रखे । सरकार एक पुण्य का

काय' करे ताकि लोगों के दिलो ने उस महान आत्मा की सदा ही याद ताजा रहे । इसके साथ–साथ मैं सरकार से फिर एक बार निवेदन करूंगी कि जो जो बाते यहां पर कही गई, उनकी तरफ खास ध्यान दिया जाए ताकि लोगों का उत्थान हो सके । इसके साथ साथ चेयरमैन साहब मैं इस बजट का समर्थन करती हुई अपना स्थान लेती हूं और आप का धन्यवाद करती हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया ।

(इस समय बहुत से मैम्बर साहेबान बोलने के लिये खड़े हुये)

श्री सभापति : देखिये, हरेक मैम्बर साहेबान अपने हिसाब से टाईम मिलेगा । जो मेम्बर साहिबान गवर्नर ऐडैरस पर बोल चुके हैं वे टाईम मांगने की बिल्कुल कोशिश न करे ।

चौधरी देस राज (इन्दरी) : चेयरमैन साहब, मैं आज.... (शोर)...

आवाजें : चेयरमैन साहब, आप दाई बाई देखते हैं, आपको शायद सामने देखने में दिक्कत हो रही है ।

श्री सभापति : बिल्कुल सामने देख रहा हूं, आपके सिर से लग कर नजर गई है ।

चौधरी देसराज : तो चेयरमैन साहब, मैं 1 9 78– 79 के आम बजट के समर्थन में बोलने के लिये खड़ा हुआ हूं । मुझे

खुशी हैं कि सरकार ने इस साल. किसानों के हित के लिये 70 से 75 प्रतिशत तक रुपया खर्च करने का फैसला किया है, इसके लिये मैं सरकार को मुबारिकबाद देता हूं । मैं सरकार से कहूंगा कि जो रादौर, इन्द्री, करनाल और घरौडा से होती हुई आगमेन्टेशन कैनाल निकलती है, उसको फीड करने के लिये पहले से सरकार की तरफ से टयूबवैल्ज लगाये गये है और इस कारण से किसानो को अपने ट्यूबवैल्ज कौ री–बोरिग करवाने पड़ रहे हैं जिसके कारण उन गरीबों को बड़ी दिक्कत हो रही है । इसलिये मेरी. सरकार से प्रार्थना है कि अब और टयूबवैल्ज वहां पर न लगाये जाए जिससे किसानों को नुकसान न हो और किसानों को दोहरी बोरिंग न करवानी पड़े । दूसरी– बात जो मैं देहने भी रहा हूं वह यह है कि जो जमुना रिवर है वह कुरुक्षेत्र, करनाल और सोनीपत के इलाकों से होकर जाती है जिसके कारण वह।. के इलाकों को काफी नुकसान होता है । मैं आभको बताता हूं कि इन्द्री में 800 एकड़ भूमि जमुना के अन्दर चली गई हैं । इस लिये वहां पर स्परज बनाये जाए जिस से उन इलाकों को और नुकसान न हो और यह काम जल्दी ही आरम्भ कर दिया जाए । चेयरमैन साहब एग्रीकल्चर पर काफी' टैक्स– है । टैरक्टर्क पर 1 50 रुपये और टैक्स लगा हुआ है वह न लगाया जाए । इसके साथ साथ सरकार ने जो 1 5 परसैन्ट ग्रास कटने की. मशीन पर टैक्स लगाया गया है उसको विदड्रा किया जाए क्योकि बिजली बढाने के लिये थर्मल. प्लांटस लगे हुये हैं और सरकार की, हाईड्रोइलैक्ट्रिक स्कीम भी. तैयार होगी, इसलिये सरकार को कोई नुकसान नहीं

होगा । यह एक्स्ट्रा डयूटी जो 1 5 परसैन्ट लगाई है, वह न लगाई जाए तकि लोग अपने पशुओं का अच्छी प्रकार से पालन–पोषण कर सके' ।

चेयरमैन साहब, मेरे हल्के में 25 गांव. ऐसे हैं जहां पर कोई सडक नहीं है और साथ में यमुना रिवर है जिसके कारण लोगों को दिक्कत आ रही है । वहां पर सड़कें जरुर बनायी जाएं, जिस प्रकार इंटर–स्टेट सड्कों को प्राथमिकता दी गयी. है, उसी प्रकार सरकार को चाहिये कि इंटर–डिस्ट्रक्ट सड़कों को भी प्राथमिकता दे और मेरी दर्खास्त है कि मेरे हल्के में 4 सड़कों को प्रायरिटी दी जाए ।

एजुकेशन के मुतालिक सरकार के काफी प्रोग्राम हैं लेकिन बड़े दुख की बात है कि मेरे हल्के में कोई कालेज नहीं है । मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि वहां के लोग 100 एकड़ के करीब जमीन सरकार को इस परपज के लिये देने के लिये तैयार है और साथ जितना भी कंपैन्सेशन हो सकेगा वे लोग हए ने के लिये तैयार है । इसलिये वहां पर एक कालेज का निर्माण जल्दी से जल्दी किया जाए । इसके साथ साथ परसों चीफ मिनिस्टर साहब ने कहा था कि किसानों के पर से आबियाना मुलतवी किया जायेगा और चारे का फौरी तौर पर इन्तजाम किया जायेगा । मेरी प्रार्थना है कि आबियाना जो है उसे बिस्कूल माफ कर दिया जाए और चारे का मवेशियों के लिये जल से जल इन्तजाम किया. जाये ।

इसके साथ साथ मैं यह भी कहूंगा कि बैकवर्ड क्लासिज के लिये जो दो परसैन्ट रिजर्वेशन है, उसको वढाकर 10 परसैन्ट कर दिया जाए, जैसे घोबी, नाई, कुम्हार, जुलाहे, इत्यादि जो लोग हैं, उन्हें राहत मिल सके और वे भी सुख की सांस ले सके । इसके साथ एक और प्रार्थना करना चाहता हूं अपनी सरकार से कि अगर इन्दरी और रादौर को सब–डिवीजन बना दिया जाए तो हुससे काफी लोगों को आराम हो जाएगा और लोगों की जो दिक्कतें है, वे काफी हद तक दूर हो जायेगी । चेयरमैन साहब, मेरे ख्याल में जो सरकार ने आबियाना बढ़ाया है और जो यात्रीयों पर पैसैजंर–टैक्स को बढ़ाया है उसकी बजाये अगर सरकार शराब आदि पर और टैक्स बढ़ा दे तो उचित रहेगा । आबियाना और यात्रियों पर जो पसन्जर टैक्स बढ़ाया है, उसको बिल्कुल खत्म कर दिया जाए, इस से सरकार को 2 करोड़ 35 लाख रुपये की आमदनी होगी । ऐसा करने से सरकार को कोई असुविधा नहीं रहेगीं और लोगों का भला होगा । इस से बजट भी बेलेन्सड हो जायेगा और जनता का भी भला होगा । इन शब्दों के साथ मैं इस बजट का समर्थन करता हूं और आपका धन्यवाद करता हुआ अपना स्थान लेता हूं ।

श्री मांगे राम गुप्ता (जींद) : चेयरमैन साहब, हरियाणा में जनता पार्टी का यह पहली बार बजट पेश किया गया है । जैसे कि पता ही है कि सारे भारत वर्ष में जनता पार्टी की सरकार बनाने मैं हर वर्ग का पूरा हाथ है, चाहे वह किसान मज–दूर है,

चाहे हरिजन है, चाहे दुकानदार है और चाहे एम्पलाई है, सब गै ही तन–मन–धन से पूरा सहयोग दिया था । लेकिन आज एक दूसरा नजरिया दिखाई दे रहा है । यह जो बजट पेश 'किया गया है, इस बजट के पर जनता की पूरी नजर लगी हुई थी । उनको बड़ी आशा थी कि हरियाणा सरकार इस बजट के अन्दर लोगों को राहत देगी । लेकिन इस बजट में दों–तीन बाते नजर आ रही है । हमारे वित्त मंत्री जी ने मी बड़े फख्र के साथ कहा और जो टैरजरी' बैंचिज पर बैठे है उन्होंने भी कहा कि सरचार्ज में जो 10 प्रतिशत की कटौती. की गई है यह एक बहुत महान कदम है । दूसरी दो बाते बजट के अन्दर एक तो यह कि किसानों के पर 10 प्रतिशत आबियाना बढाया है । इसको लेकर सभी सदस्यगण में बड़ी भारी निराशा है दूसरे पेसेंजर टैक्स में जो बढोतरी की. गई है, इसके बारे में भी सब सदस्यगण विरोध कर रहे है । चेयरमैन साहब, मैं यह बात नही समझ पा रहा कि जो बजट हमारी केन्द्रीय सरकार ने बनाया, उसका आम –जनता पर क्या असर हुआ? उससे बिजली की दरें बट्टी और चीनी. जो हमें राशन की 2. 1 5 पैसे 'मिलती थी वह अन्य 2 30 पैसे मिलने लगी है । इसके अलावा चाय के दाम बढ़ गये, कपड़े के दाम बढ़ गये यानी कोई ऐसी चीज जिसको आम जनता इस्तेमाल करती है, मंहगी होने से नहीं बची । यह सरकार केन्द्र सरकार के बजट पर रिएक्शन देखती रही और इसने ैएखा कि केन्द्र ने किन किन चीजों पर टैक्स लगाया है । जिन चीजों पर केन्द्र ने टैक्स लगाया था उन चीजों को छोडकर इन्होंने दूसरी चीजो पर टैक्स लगा दिया । अगर ये भी

उन्हीं चीजों पर टैक्स लगाते तो इनको पता है कि जनता और परेशान होती । इन्होंने दो चीजों पर टैक्स लगाया एक तो आबियाना बढ़ा दिया और दूसरे पैसेजर टैक्स बढा दिया' 'जिसके बोरे में हमारे माननीय मन्त्री जी तारीफ करते थे कि हरियाणा रोडवेज का सारे देश में बड़ा नाम है । इसके अलावा हमारे मन्त्री महोदय यह भी कहते थे कि छोटे रूटों पर बसें शायद खराब हों लेकिन बड़े रूटों की बसे बहुत अच्छी हैं । तो हांसी से चण्डीगढ का जो रूट है, वह मैं समझता हूं बड़ा रूट है । हम जब सैशन अटैड करने के लिये आ रहे थे तो हमें तीन बसें बदलनी पड़ी । पहले हांसी सेजींद आप तो बस खराब, फिर दूसरी बस में बैठे, वह 15 मील चल कर खराब हो गई और फिर तीसरी बस बदलनी पड़ी । तो यह तो इनके बड़े रूटों की बसों की हालत है । चेयरमैन साहब, जहां तक किराये बढाने की बात है यह बड़े दुख केसाथ कहना पडता है कि सारे हिन्दुस्तान में कहीं भी इतने टैक्स नही हैं जितने हरियाणा में हैं । हमारी जो पड़ौसी स्टेट यू 0पी0 है उसको देख लीजिये, वहां शायद 15 प्रतिशत टैक्स है और दो पैसे पर किलोमीटर किराया है । इसी तरह दिल्ली के अन्दर भी दो पैसे पर किलोमीटर किराया है । इसी तरह आप जम्मू काश्मीर और हिमाचल प्रदेश को देख लें, कही भी इतना टैक्स नहीं हँ । जब पहले यह टैक्स 50 प्रतिशत कर दिया गया था तो हमने बड़ा शोर मचाया था, लेकिन अब इस सरकार ने भी 10 प्रतिशत टैक्स और लगा दिया है । चेयरमैन साहब, हमारे सदस्यगण इसं चीज को न भूलें कि आज. की जनता इतनी भोली नही है कि वह झूठे

नारों में आ जाएगी । आपने अभि. अखबार में पढ़ा होगा कि पटना के अन्दर जो 'विधान सभा का सैशन चल रहा है वहीं के बाबू जय प्रकाश नारायण की. एक आवाज. के' पर सारा हिन्दुस्तान एक हो गया था और आज उन्हीं के पर मुर्दाबाद के नार लगाये गये । उन लोगों ने करा कि हम क्या चाहते थे और आज. हमारे साथ क्या सलूक हो रहा हैं । कोई चीज सस्ती नही मिल रही है । जब से केन्द्र का बजट आया हैं 1 5 प्रतिशत कीमतें बढ़ गएँ है । इसके बाद पढ़े लिखे लोगों की बेरोजगारी दूर करने की. बड़ी' भारी. आवाज. आई थी और उसके लिये एक स्कीम बनी जोकि चालू भी हो गई है । वह यह है कि देहात में जो पढे लिखे बेरोजगार हैं उनकी दो चार की. एक कमेटी. बनाकर यूनिट स्थापित की जाएगी और सरकार उनको इंडस्टरी लगाने. के लिये सहायत देगी । मैं सरकार का ध्यान दिलाना चाहूंगा कि यह तो ठीक ीऐ कि इससे पढ़े लिखे बेरोजगारों को रोज–गार मिलेगा तेकिन इसकी दूसरी तरफ ध्यान नही 'दिया गया है । मैं आपको तजुरबे की बात बताता हूं कि पहलें. हमारी सरकार ने यह पास किया था कि खेती बाड़ी के पर टैक्सीं की छूट होगी । लेकिन वह आज क्यों बन्द करनी पड़ी । दूसरी चीज. यह कि पिछली' सरकार के वक्त जितनी भी कोआप्रेटिव सोसाइटीज रजिस्टर होती थीं उनमें से 80 प्रतिशत 'वन मैन' की रजिस्टर होती थीं और उनमें शेयर होल्डर बराये नाम दिखाये जाते थे । यह सब काम टैक्सों से बचने केलिये होते थे । अब वह टैक्स सरकार ने बन्द कर 'दिये । इसलिये मैं आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं कि यह

जो यूनिटों की बात है और जो इसमें रियायत वाली बात है यह भी कामयाब नहीं होगी । आज. एक भाई दूसरे भाई के साथ इकटठा नही चल. सकता तो इसमें तो तरह तरह के दो चार आदमी होंगे । फिर इससे आपको क्या मिलेगा? हर एक यूनिट कहेगी. कि हम स्टेनलैस स्टील की फैक्टरी लगाना चाहते हैं क्योकि उस में 30 हजार रुपए टन की ब्लैक है, कोई कहेगा कि हम मोम की फैक्टरी लगाना चाहते हैं क्योंकि मोम में भी ब्लैक है ।तो यह काम उन्हीं आदमि–यों को मिलेगा जो सरकार के आदमी है । मैं यह बात तजुरबे से कह सकता हूं कि कोई भी. मिनिस्टरी' किसका कोटे का आधाररू है वह हमेशा के लिये नही रह सकती । हो सकता है कि इस कोटे के अन्दर मार्जिन न रहे । जिस तरह से पुरानी सरकार के गोबर गैस प्लांट बेकार पड़े हैं उसी तत्ह से ये फैक्ट्रियां भी बेकर हो सकता' है । चेयरमैन साहब, बातें तो बहुत कहनी थी ने लेकिन टाइम की मजबूरी हैं । चेयरमैन साहब, हाउस में यहं चर्चा थी. कि सरकार व्यापारियों के लिए रियायत देने जा रही है, सरकार व्यापारियों से बड़ी खुश है इसलिए बड़ी राहत दे दी गई है । चेयरमैन साहब, मैं आपके द्वारा सरकार को बताना चाहता हूं कि व्यापारी. तबका इतना बावला नहीं है, इनको तालीम है, दिमाग और अकल. है । ये समझते होंगे कि इस राहत से व्यापारी खुश हो गया लेकिन सही मायनों में इस टैक्स की राहत से व्यापारियों को कोई फायदा नहीं है । चेयरमैन साहब, पहले जो टैक्स बढ़ाया था, हमने इसका विरोध क्यों किया था? एजीटेशन क्यों किया था? हमने इसलिए एजीटेशन क्रिर था कि

हमारी यह मांग थी. कि यह सरचार्ज बिल्कुल खत्म होना चाहिए । क्यों खत्म होना चाहिए, इसके दो कारण है

श्री सभापति : आप वाईड–अप कीजिए । दो मिनट के अन्दर–अन्दर खत्म करे ।

श्री मांगे राम गुप्ता : चेयरमैन साहब, मैं आपके नोटिस पे लाना चाहता हूं कि हमने इस सरचार्ज का विरोध क्यों किया । पिछली सरकार ने कई चीजों पर टैक्स बढ़ाया । (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) मेरा कहने का मतलब यह है कि जितने टैक्स सरकार बढ़ाएगी, उससे मंहगाई बढ़ेगी और जितनी मंहगाई बढ़ेगी, उतनी ही जनता चिल्लाएगी । सरकार ने अपनी चमड़ी बचाने के लिए यह कह दिया कि हमने व्यापारियों की मांगें मान ली हैं और सरचार्ज 15 परसैन्ट से 5 परसैन्ट कर दिया है । यह मांगें मानने वाली बात नहीं है । सरकार ने व्यापारियों की मांगें नहीं मानीं, बल्कि उन के साथ मजाक किया है । 2 परसैन्ट से 15 परसैन्ट जो सरचार्ज किया था, इसका असर हमारे पर नही पड़ता, इससे तो कंज्यूमर को नुक्सान है, प्रोयूडसर को नुक्सान है, जो अनाज पैदा करता है । व्यापारियों को इसके बढ़ने से कोई फर्क नहीं पड़ता, कोई नुक्सान नही होता । लेकिन पब्लिक यह समझती है कि व्यापारी गड़बड़ करते हैं । करती सरकार है और बदनाम व्यापारी होते है । मैं सरकार से प्रार्थना करना चाहता है कि हमें बदनाम मत क रो, हमें बेईमान मत बनाओ । यही कारण है कि हमने इस टैक्स का. विरोध किया था और एजीटेशन किया था ।

एजीटेशन करने का दूसरा कारण यह था 'कि हर सरकार के अन्दर, चाहे सरकार किसी भी पार्टी की हो, सरकार के साथ मिलकर कुछ व्यापारी बेईमानी करते है, सरकार के साथ मिलकर नाजायज फायदा उठाते हैं और व्यापारी तबके को बदनाम करते हैं । वे टैक्स की चोर्रो करते हैं जिससे हर व्यापारी के पर लोगों को शक हो जाता है । बेईमान व्यापारी कोई–कोई होता है, लेकिन बदनाम सब हो जाते हैं । इस सरचार्ज से व्यापारियों को फर्क तो कोई नहीं पड़ता था, लेकिन बदनामी ै बचने के लिए हमने यह एजीटेशन किया था । उस वक्त हमारे दिमाग में यह बात थी कि सरकार ने जनता से जो वायदे किए हैं, उनको पूरा करें । सारे देश से यह मांग थी कि टैक्स कम करो । हमने सोचा था कि सरकार गरीबों को राहत दे रही है, किसान को, मिल के मजदूर को राहत देगी, लेकिन न मजदूरों को राहत मिंत्री न व्यापारियों को । जब बजट पेश हुआ, तो खोदा पहाड़ निकला चूहा वाली बात हो गई । राहत दे ने के बजाए आबियाना बढा दिया । व्यापारियों के लिए कह दिया कि हमने सरचार्ज 1 5 परसैन्ट से घटाकर 5 परसैन्ट कर दिया । मैं इन्हें याद दिलाना चाहता हूं कि इसी सरकार ने पिछले साल 2 परसैन्ट से 15 पर– सैन्ट किया था । पहली सरकार के जो कारनामे थे, उन से व्यापारियों को कोई राहत नही मिंत्री । 1 5 परसैन्ट से घटाक 5 परसैन्ट करने से व्यापारियो को जो खुश करने की बात आप करते हैं, यह दिल से निकाल दो । इससे व्यापारी खुश –गही होंगे, क्योंकि इससे उन्हें कोई फर्क न शुई पड़ता । व्यापारियों की जो डिमांडज है, उनके

बारे में सरकार को नोटिस दिया है! और उनकी– जो जायज डिमाग्डज है, अगर सरकार उनको नही मानेगी, तो हरियाणा का व्यापारी जनता पार्टी की मुखालफत करेगा । (व्यवधान) 5 परसैन्ट जो सरचार्ज किया है, इसको बिल्कुल खत्म किया जाए. ।

श्री उपाध्यक्ष : अब आप बैठिए, आपको बोलते हुए काफी समय हो गया है ।

(व्यवधान)

श्री मांगे राम गुप्ता : सरकार व्यापारियों को रिया यत मत दे, लेकिन जो ओला वृष्टि से किसानों का नुक्सान हुअ। है, उसको देखते हुए आबियाने के टैक्स को मुआफ करें, कन्ज्यूमर पर जो सरचार्ज लगता है, उसको खत्म करें । अगर सरकार यह काम कर देगी, तो व्यापारियों को बड़ी भारी खुशी होगी ।

बहिर्गमन

Mr. Deputy Speaker : There is an announcement. The remarks or aspersions against the press made by Shri Rizaq Ram in the House today are hereby expunged.

Chauhri Rizaq Ram : On a point of order, Sir. What are those remarks which the Hon. Deputy Speaker has been pleased to expunge and what are the ground s for that ? Is a Member not entitled to bring to the notice of the Chair and the House that certain Press reports in certain papers are misleading ? Is a member not entitled to bring this to the notice of the House or the Chair ? Is this not an encroachment

on the legitimate rights of the members. These remarks are not against any Member. Those remarks are not against the Chair.* * * * * *

Mr. Deputy Speaker : Chaudhri Sahib, the fulling of the Speaker can not be challenged. No body can challenge it.

Chaudhri Rizaq Ram : I would request the Deputy Speaker to keep it in abeyance and let the Speaker satisfy the House as to what are the grounds for expunging these remarks. These are not defamatory remarks .. . .(Interruptions) . . .

Mr. Deputy Speaker : Please take your seat. I would for the information of the Hon. Member read out the rule. Rule 116 says—

"116 (1). If the Speaker is of opinion that a word or words has or have been used in debate which is or are defamatory or indecent or unparliamentary or undignified, he may, in his discretion order that such word or word's be expunged from the proceedings of the Assembly "

Furthermore . I may mention for the information of the Hon. Members that no one including the Government can enter into any argument or controversy with the Speaker over such interpretation.

Chaudhri Rizaq Ram : I have to make a submission.

Mr. Deputy Speaker : Please take your seat.

Chaudhri Rizaq Ram : I am not raising any controversy here. have to make one submission and that is this..... (Noise).

Mr. Deputy Speaker : No further debate on this point please.

Chaudhri Rizaq Rant : I am raising no further debate. I want to make a submission .. (Interruptions).

Mr. Deputy Speaker : You can see the Speaker if you are not satisfied .. . (Interruptions).

Chaudhri Rizaq Ram : I simply want to make a submission.

Mr. Deputy Speaker : You can see the Speaker in his Chamber. Please take your seat now.

Chaudhri Rizaq Ram : * * * * * *

This is my submission. Therefore, I suggest, sir, most respectfully that you kindly keep this decision in abeyance and let the Speaker (Interruptions).

Mr. Deputy Speaker : Please take your seat. Deputy Speaker is the Speaker for all intents and purposes when he occupies the Chair (Interruptions).

Chaudhri Rizaq Ram : But what for ?

Mr. Deputy Speaker : Please sit down. Master Shiv Parshad may please speak.

Chaudhri Rizaq Ram : But it is not the decision of

the Speaker. .. `(Interruptions).

Mr. Deputy Speaker : Please sit down. Let the hon. -Member speak. Master Shiv Parshad may please speak. (Interruptions).

चौधरी भजन लाल : यह तो उसी समय इतराज होना चाहिए था । उस समय होता, तब तो ठीक था– (व्यवधान) – मुझे समझ नही आती, जब हाउस को इसमें एतराज नहीं है । तो आप – (व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष : आप स्पीकर साहब से चौम्बर में जाकर मिल ले – (व्यवधान) –

चौधरी संत कंवर : जब हाउस को कोई एतराज ही नहीं, तो आप क्यों एक्सपंज कर रहे हैं–– (व्यवधान) – हाउस चाहे तो एक्सपंज हो जाए । – (व्यवधान) –..... .....

मास्टर शिव प्रशाद (अम्बाला शहर) : डिप्टी स्पीकर साहब, वित्त मन्त्री महोदय ने 1978–79 का बजट पेश किया..

Chaudhri Rizaq Ram : I am not taking the time. As a protest against the decision given by the Speaker and conveyed by you, I stage a walk out .

(At this stage Chaudhri Rizaq Ram staged a walk out followed by Sarvshri Sant Kanwar, Birinder Singh, Shamsher Singh, Mange Ram Gupta, Jagjit Singh Pohloo, Ram

Pal Singh, Lehri Singh Mehra, Kanwal Singh, Peer Chand, Ishwar Singh, Sher Singh, Jogi Ram, Mehar Singh Rathi, Devendar Sharma and Shrimati Shakuntla Bhagwaria)

Mr. Deputy Speaker : A member who protests against the ruling of the Speaker commits contempt of the House and the Speaker.

वर्ष 1978–79 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

मास्टर शिव प्रशाद : 1978–7 9 का जो बजट सदन में पेश है, इसके उद्देश्य तीन हैं ––कृषि उत्पादन में वृद्धि करना, बेरोजगारों को रोजगारदेना तथा मूल्यों में होने वाली वृद्धि को कम करना अर्थात स्थिर रखना । स्थिरता लाने की. बात के साथ–साथ मैं एक बात कहना चाहता हूं कि सरकार ने लगभग 5 करोड़ के टैक्स लगाए हैं । कोई सेल्ज टैक्स की शक्ल में, कोई रोड टैक्स की शक्ल में । परन्तु इतने टैक्स लगाने और पांच परसैन्ट सरचार्ज बढाकर या आबियाना टैक्स की वसूली, के बाद भी लगभग 27 करोड़ रुपए का आज घाटा है । यह भी अनकवर्ड है । इसके लिए भी केन्द्र की सरकार के पर निर्भर करना पड़ेगा । यदि सरकार इस पांच करोड़ रुपए के टैक्स को न लगाती, तो 32 करोड़ रुपए का घाटा रह सकता था । इससे न तो गवर्नमैंट को कोई विशेष लाभ हुआ है, और न जनता को होगा, बल्कि जनता के अन्दर तो एक नाराजगी की लहर सी दौड़ गई है । मिसाल के तौर पर पैसेंजर टैक्स आप ले लीजिए । यह केवल 50 परसैन्ट से 80 परसैन्ट किया गया है । लेकिन इसका असर क्या पड़ेगा, यह

मैं आपको बताता हूं । अम्बाला शहर से अम्बाला छावनी केवल 8 किलोमीटर है । इस समय. एक व्यक्ति का किराया 75 पैसे है, लेकिन यह दस परसैन्ट टैक्स बढ़ जाने से यह किराया 85 पैसे हो जाएगा, जबकि रेल. में केवल. तीस पैसे किराया लगता है–– । इस तरह से आप देखेंगे कि इस दस परसैन्ट टैक्स का बोझ केवल गरीब जनता के पर पड़ेगा । अमीर लोग तो कारों से जा सकते है । यदि वे बस से भी जाएं, तो बड़े–बड़े व्यापारी और बिजं–नैममैनो को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योकि अल्टीमेटली. वह खर्चा भी गरीब लोगों की जेबों से ही जाता है । डिप्टी स्पीकर साहब, देहली' में 13 किलोमीटर सफर का किराया शायद तीस या चालीस रैसे है । वहां पैसेन्जर टैक्स नही है । पंजाब मे भीरू यह टैक्स कम है । चण्डीगढ में भी यह टैक्स नहीं है । अगर सरकार ने इस तरह से टैक्स ही लगाने हों, तब तो नैशनेलाईजेशन की कोई जरूरत ही नहीं रहती । डिप्टी स्पीकर साहब, मेरे विचारानुसार तो इस टैक्स की जरूरत ही नहीं–पड़ेगी, अगर सरकार लीकेज की तरफ थोड़ा सा ध्यान दे । आज वर्कशॉप्स के अन्दर जिस तरह से घोटाले हो रहे हैं, उनका जिक्र नहीं किया जा सकता । यही हाल बसों के अन्दर है । बहुत से लोग हमारे पास आते हैं यह शिकायत लेकर कि हमें सस्पैडं कर दिया गया है, कृपया हमारी मदद करे । जब पूछते हैं कि क्या बात हुई, तो पता लगता है कि साहब मैं कन्डक्टर हूं और हरिद्वार से चण्डीगढ आ रहा था, लेकिन रास्ते में चौकिंग हो गई । मैंने 15 टिकट देने थे, लेकिन गलती से 12 ही दिए हुए थे इसलिए सस्पैडं हो गया ।

अब आप अन्दाजा लगाएं, कि अगर एक बस में तीन टिकट का भी रोज घपला हो, तो कितना नुक्सान सरकार को होता है । उदाहरण के तौर पर अगर आप हरिद्वार बस को ही ले ले । अगर चौकिंग नहीं होती, तो लगभग 33 रुपए कंडक्टर की जेब में जाते हैं और सरकार को इतना घाटा रहता है ।

डिप्टी स्पीकर साहब, रोड टैक्स से लगभग 28 लाख रुपया वसूल होगा, लेकिन आप देखे कि इस रोड टैक्स का परिणाम क्या होगा? ट्रकों वाले सामान ले जाने का किराया बढ़ा देंगे । दुकानदार भी उसी हिसाब से अपने सामान के पर प्राफिट लगाएंगे । तो इसका असर भी अल्टीमेटली छोटे लोगों के पर ही पड़ेगा जिन्होंने दुकनादारों से सामान खरीदना है ।

उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ मैं सेल्ज टैक्स के बारे में भी थोड़ा सा निवेदन करना चाहूंगा । इसे दो परसैन्ट से बढ़ाकर पांच परसैन्ट किया गया है । इस टैक्स की दर बढ़ने से हरियाणा के बिजनैस के पर कितना प्रभाव पड़ा है, यह मैं हाउस के सामने रखना चाहता हूं । डिप्टी स्पीकर साहब, मैं हरियाणा के उस शहर में रहता हूं जिसे अम्बाला शहर के नाम से जाना जाता है और जिसने हरियाणा बनते समय सबसे ज्यादा कुरबानी दी है । अम्बाला तहसील का एक हिस्सा पंजाब के अन्दर चला गया, एक हिस्सा हिमाचल में चला गया और जहां पर हम बैठे हैं, यह चण्डीगढ जो आज पंजाब और हरियाणा की राजधानी है, भी अम्बाला का हिस्सा था । अब अम्बाला में केवल तीन

तहसीलें रह गई हैं । लेकिन इमके बावजूद भी आज. अम्बाला की डिवैल्पमैंट की तरफ ध्यान नही दिया जाता । आज अम्बाला का सारे का सारा व्यापार चण्डीगढ या पंजाब मे शिफट हे गया है । पहले व्यापार की दृष्टि से सारा हिमाचल अम्बाला से जुड़ा हुआ था । वे लोग सामान खरीदने के लिए अम्बाला की मण्डी में आते थे, लेकिन अब ऐसी बात नही हे । यही नहीं, व्यापारियों ने इस टैक्स से बचने के लिए अपने हैड आफिस तो हरियाणा मे रखे है, लेकिन ब्राच आफिस पंजाब या चण्डीगढ़ मेंखोल दिए हैं । वे हैड आफिस से सारा सामान अपने' ब्रांच आफिस को ट्रांसफर करते हैं क्योंकि ट्रांसफर के पर कोई टैकस नही हैं । यह टैक्स पंजाब के अन्दर चार प्रतिशत है और चण्डगिढ में केवल दस औह सैकडा है । इसलिए मेरा निवेदन है कि यदि इस टैक्स को घटाकर एक परसैन्ट कर दिया जाए, तो मैं विश्वास दिलाता हूं कि चण्डीगढ, पंजाब और हिमाचल का सारे का सारा व्यापार हरियाणा में आ जाएगा । अगर व्यापार बढ़ेगा तो सेल्स टैक्स की चोरी कम होगी' । उपाध्यक्ष महोदय भ्रष्टाचार तब बढ्ता है जब टैक्स में बढौत्तरी होती है । अगर टेक्सों भै कमी आएगी, तो लाजमी तौर पर ईमानदारी बढ़ेगी । इसके कारण। सेल्ज टैक्स से बचने के लिए आज जो माल चोरी से बेचते हैं, या ब्रांच आफिस में भेज देते है, वह यहां बिकेगा । इसके कारण इनकम टैक्स में वृद्धि होगी । इसलिए मैं तो सरकार को विश्वास दिलाना चहता हूं कि सेल्ज टैक्स को न सिर्फ कम करने से बल्कि खत्म करने से हरियाणा के व्यापार के पर अच्छा असर पड़ सकता है ।

उपाध्यक्ष महोदय, अम्बाला जी.टी. रोड़ के किनारे है, रेलवे लाईन से जुड़ा हुआ है, लेकिन फिर भी यहां की इंडस्ट्री तबाह हो गई है । जैसे–जैसे टैक्स बढ्ता जा रहा है, बहुत सारी इंडस्ट्री राजपुरा में कायम हो गई हैं, कुछ लोगों ने चण्डीगढ में शुरु कर दी हैं । अब लोग या तो चण्डीगढ में माल लेने के लिए आते हैं या दिल्ली में जाते हैं । मैं अपनी सरकार से प्रार्थना करना चाहता हूं कि वह अपनी प्रदेश की आमदनी को बढ़ाने के लिए इस ओर विशेष ध्यान दे ।

डिप्टी स्पीकर साहब, सरकार ने अपने वायदे के अनुसार कृषि एक्सपैंडीचर के अन्दर वृद्धि की है । इसके लिए यह सरकार बधाई की पात्र है क्योंकि इस बजट से कृषि और उद्योगों के पर काफी असर पड़ेगा । लेकिन फिर भी मैं सरकार से प्रार्थना करना चाहता हूं कि पानी के रेट के अन्दर कमी होनी चाहिएय बिजली की दर कम होनी चाहिए और खेती बाड़ी के सभी औजारों के पार्टस के पर से टैकस नहीं लगना. चाहिए । आज हैरो के पर सेल्जटैक्स नहींहै, लेकिन उसके पार्ट जैसे तवे के पर सेल्ज टैक्स लगता है । यह बात नहीं होनी चाहिए । को–आप्रैटिव तो साइटीज शो अन्दर किसानों को जो जबरदस्ती खाद दी जाती है वह न देकर किसानों को एजूकेट किया जाए और उनको इन्संन्टिव दिया जाए । बीज केन्द्र जगह जगह स्थापित किए जाएं । बीजों का प्रबन्ध कसब' बोने से पहले होगा चाहिए । फसल बीमा स्कीम

भी लागू होना चाहिए । प्राकृतिक प्रकोपों से हुई नष्ट फसलों का मुआवजा उचित माला में उचित राशि में दिया जाना चाहिए ।

डिप्टी स्पीकर साहब, इसके बाद मैं एक अन्य बात की ओर अपनी सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं । इस बजट के अन्दर लोहारू, सिवानी और जवाहरलाल नेहरू लिपट योजनाओं के बारे में कहा गया है कि ये स्कीने 1 9 78– 79 में पूरी की जाएंगी लेकिन बहुत दुर्भाग्य की बात है कि नग्गल लिपट स्कीम काजिक्र इसमें नही आया । उपाध्यक्ष महोदय, चण्डीगढ से 3 क्य 40 किलोमीटर की दूरी पर ही तो एक नगर है जिसके साये शहर का लफ्ज जुड़ा हुआ है और जिसे अम्बाला शहर के नाम से जाना जा जाता है लेकिन बड़े दु:ख के साथ कहना पड़ता है कि इसकी तरफ उचित ध्यान नही दिया रहा हूँ । कांग्रेस ने पिछले तो ह सालों तक इसकी ओर ध्यान नही दिया । जब पंजाब इकट्ठा था, तब तो बिल्कुल ही ध्यान नहीं दिया गया, लेकिन जब हरियाणा भी बन गया, तब भी ध्यान नहीं दिया गया । एक लाख से ज्यादा लोग वहां बसते है, लेकिन वे हमेशा पानी की तलाश में ही लगे रहते हैं । अगर अम्बाला के अन्दर पानी की दिक्कत न होती, तो चण्डीगढ का यह इजलास वहां हुआ करता । अमी, उपाध्यक्ष महोदय, गर्मी शुरू नही हुई, लेकिन लोगों ने घरों के आगे धरना देना शुरू कर दिया है । अगर लोहारू लिफट से 100 मील की दूरी तक पीने का पानी पहुंचाया जा सकता है तो क्या वजह है कि अम्बाला शहर से 8– 9 मील की दूरी से नग्गल लिपट स्कीम

के द्वारा शहर के लोगों को पीने का पानी नही पंहुचाया जा सकता?

श्री उपाध्यक्ष : मास्टर जी आपका समय हो गया है ।

मास्टर शिव प्रशाद : उपाध्यक्ष महोदय, 27 तारीख से लेकर आज तक मुझे समय नहीं मिला है । दो चार 'मिनट यदि और मिरर जाएं, तो बड़ी कृपा होगी । मैं अध्यापक हूं । अभी मैंने शिक्षा के बारे में बोलना है और इसके अलावा दो तीन और विषयों के सम्बन्ध में भी बोलना है ।

डिप्टी स्पीकर साहब, मैं चाहूंगा कि इस स्कीम को जो अम्बाला शहर से लगभग आठ– नौ मील की दूरी पर है, पूरा किया जाए । जहां पर सरकार सन् 1 9 78– 79 में दूसरी लिपट इरीगेशन स्कीम्ज को पूरा करने के लिए सोच रही है, वहां पर अम्बाला के लोगों को जो पानी की दिक्कत है, उनको दूर करने के लिए भी विचार करे । अम्बाला में पानी की काफी बड़ी प्रॉब्लम बनी हुई है । इसलिए इस दिक्कत को दूर करने के लिए जरूर ध्यान दिया जाए ।

डिप्टी स्पीकर साहब, मैं और दो तीन बातों को बीच मै छोड़ता हुआ, सरकार का एजुकेशन विभाग की ओर अवश्य व्यान दिलाता चाहता हूं । एजुकेशन. विभाग में जो अध्यापक या अध्यापिकाएं कार्य करती है, उनको नेशन बिल्डर का स्थान दिया जाता है, परन्तु उन्ही नेशन बिल्डर को, जिन्होंने नेशन को बनाना

है, जिन्होंने नेशनको फीड करना है, जिन्होंने समाज को बनाना है, उनकी आज इस देश के इन्दर दुर्दशा हो रही है । आज– हम देख रहे है कि किसी भी मांग के लिए उन्हे धरने देने पडते है, स्ट्राइक करनी पडती है या कोई दूसरे कदम उठाने पड़ते है, इसका क्या कारण है? मै तो यह समझता हूं कि जिस व्यक्ति ने नेशन को बनाना है, उस व्यक्ति का स्थान इस देश में सर्वोच्च होना चाहिए । मैं तो यहां तक कहने के लिए तैयार' हूं कि सारे समाज का मस्तिष्क उन अध्यापकों के आगे झुकना चाहिए, जैसे रामायण काल के अन्दर गुरु वशिष्ठ का स्वागत करने के 'लिए राजा दशरथ स्वयं उठकर जाते थे । इसी प्रकार से इस सरकार को इन अध्यापकों के सामने झुकना चाहिए, उनका सम्मान करना चाहिए, लेकिन यह सरकार तो उनके लिए कुछ भी करने के लिए तैयार नही । थोड़े से डी0ए0 के लिए, कभी किसी. और चीज. के 'लिए उनको झुकना पड़ता है । मैं तो यह कहूंगा कि जब अध्यापक नेशन बिल्डर है, तो सबसे अधिक तनख्वाह अध्यापक को मिलनी चाहिए । यदि उसकी तनख्वाह अधिक हो, तो समाज. की क्रीम अध्यापक बनने के लिए दौडेगी । आज. कोई भी व्यक्ति अध्यापक बनने के. लिए नही दोडता है । आज– का नवयुवक क्लर्क बनने के लिए दौड़ रहा है, वह स्कूलों की ओर जाने के लिए तैयार नहीं है । आजकल स्कूलों में तो घिस–पिटा हुआ माल है, निराश व्यक्ति ही. इस ओर को जीता है । आज जो समाज का ढांचा है, वह इसी कारण से है क्योंकि उस क्षेत्र मे अच्छे व्यक्ति नही हैं । किसी भी क्षेत्र में ईमानदारी 'दिखा ई नहीदेती, लोगों

का अच्छा चरित्र नही है, चारों ओर. बेईमानी' ही बेईमानी दिखा ई देती है । इस प्रकार हमारा समाज कैसे बनेगा और कैसे पनपेगा । हमारी सरकार कितनी ही योजनाएं बनाए, लोकिन इन योजनाओं से समाज नहीं बन पाएगा । जब तक लोगों का जीवन–चरित्र 0ंचा करने की ओर ध्यान नहीं दिया जाएगा, तब तक समाज पर नही उठसकता । आज हमें चरित्रवान इंजीनियर्ज की आवश्यकता है, चरित्रवान डाक्टर्ज की आवश्यकता है । ईमानदार व्यक्ति हमें कहां से मिलेग? आज एक अध्यापक को या अध्या– पिका को सौ रुपए महावार दे कर 400 रुपए पर हस्ताक्षर कराए जाते हैं ।

श्री उपाध्यक्ष : आपका टाईम हो गया । आपने तो पांच मिनट और भी ज्यादा ले लिए हैं ।

मास्टर शिव प्रशाद : डिप्टी स्पीकर साहब, मैं बजट पर ही बोल रहा हूं और प्वांयटस से बाहर भी नही निकल रहा हूं । यह बड़ा जरूरी प्वांयट है ।

श्री उपाध्यक्ष : आपको दो मिनट और दे देता हूं । इसलिए आप जल्दी वाईड–अप करें ।

मास्टर शिव प्रशाद : धन्यवाद जी. । मैं यह चाहता हूं कि जिस अध्यापक या अध्यापिका को केवल दो सौ या सौ रुपए देकर और चार सौ रुपए पर हस्ताक्षर कराए जाते है तो उससे आप अन्दाजा लगाएं, कि समाज के चरित्र का कैसे निर्माण होगा, वह अध्यापक या अध्यापिका क्या बच्चों के चरित्र का निर्माण करेंगे

। वह तो खुद ही झूठे दस्तखत कर रहा है । इसलिए मैं सरकार को आपके जरिए निवेदन करना चाहता हूं सरकार इस ओर अवश्य ध्यान– दे ताकि इस प्रकार की– क्रप्शन जल्दी रो खत्म हो । बाकी सूबों के विषय. में तो छोड़िए, परन्तु हरियाणा– प्रान्त में तो एक ऐसी मिसाल कम करने की आवश्यक्ता है कि टीचर्ज वा मान–सम्मान हो । कहने का मतलब यह है कि हरियाणा के अन्दर टीचर्ज को पूरा वेतन मिले और उनका अधिक से अधिक सम्मान होना चाहिए । जो कुछ भी टीचर्ज के विषय में मैंने निवेदन किया है, सरकार अवश्य ध्यान देगी ।

अब मैं थोडा सा ध्यान सरकार का स्वास्थ्य विभाग की ओर भी खींचना चाहता हूं । लोग कहते हैं कि धम चला गया, मेरा कुछ नही गया, मेरा स्वास्थ्य चला गया तो सब कुछ लूट गया । आज मुझे यह कहना पड़ता है कि लोगों के स्वास्थ्य की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है' । अगर हम हस्पताल में जाए, तो वहां पर डाक्टर साहेबान मरीजो को अटैड नहीं करते हैं । मुझे एक बार हस्पताल जाने का इत्तफाक हुआ, मैं तो यह सुनकर हैरान हुआ कि किसी ने उनसे कागज मंगाए हैं, इसलिए कि वहां पर कुछ लिख कर देना है कि यह दवाई– से आओ । अजीब बात है कि हस्पतालों में कागज नही, परचिया नहीं । जब ऐ सी हालत हो, तो दवाईयां कहां से मिलेंगी? इसलिए इस बजट के अन्दर स्वास्थ्य के लिए कम पैसा दिया गया है । पैसा इस दृष्टिकोण से अलाट किया जाए, जैसे कि स्वास्थ्य मन्त्री महोदय ने कहा है कि

जितनी भी हमारी डिस्पैसरीज हैं, प्राइमरी हैल्थ सैन्टर्ज हैं, वहां पर भी आयुर्वैदिक डाक्टर और होम्योपैथिक डाक्टर लगाएंगे, तो वहा पर पैसे की आवश्यकता होगी । जो उन्होंने हाउस में कहा है, बहुत अच्छा प्रोग्राम है, इसको अवश्य इम्पलीमैंट किया जाए ।

श्री उपाध्यक्ष : आपका समय हो गया है, आप वाईंड अप करे ।

मास्टर शिव प्रशादः मैं वाईड अप हीं. कर रहा हूं । एक दो बातें रह गई है, उनको कहना भी जरूरी है । सरकार का ध्यान उन बातों की ओर दिलाना अत्यन्त आवश्यक है । पोलिटिकल क्रप्शन जो पिछले तीस सालो में होती रही है । इसके लिए जनता पार्टी बधाई की पाव है, जब से हरियाणा में जनता पार्टी आई है, तब से उसने पोलिटिकल क्रप्शन बिल्कुल बन्द कर दी है । इसके साय–साथ जो लोकल लैवल पर पब्लिक डीलिंग है, वहां पर उसी तरीके से क्रप्द्वान चल रही है और सरकार ने इस बारे में कोई इफैक्टिव कदम नही उठाए हैं । तो मैं समझता हूं कि यह बहुत बड़ा काम है । हमने जनता से जो वायदे किए हैं, उन वायदो को निश्चित रूप से पूरा करेंगे । इन शब्दों के साथ मै आपका धन्यवाद करता हूं, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया ।

चौधर भजन लाल (आदमपुर) : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, वित मंत्री जी ने सदन में बजट ओश किया है । इसमें

कुछ बातें तो बड़ी तारीफ के काबिल है, मैं उनकी. ताईद करता हूं । इसमें कृषि को इन्होंने बड़ी' भारी प्राथमिकता दी. है । सिंचाई के विषय में खांस तौर रो ध्यान रखा– गया है लेकिन इसके साय–साथ जो आबियाना पर सरचार्ज –चढाया है इसकी मैं पुरजोर नुखालकत करता हूं । जनको पार्टी ने जनता से वायदे किये थे 'कि अगर जनता पार्टी का सरकार बन जायेगी तो ड्ह प्रान्त में जो लैन्ड रैवेन्यू बढ़ा है, जोकि पिछली सरकार ने बढाया था उपको वे कम करेंगे लेकिन हमारी सरकार ने लैन्ड रैवेन्यू तो कम नही किया बल्कि आबियाना और बढ़ा दिया । सरकार से मैं निवेदन करूंगा 'कि जो आबियाना बढ़ाया है रसको वापिस लिया जाये । क्योंकि किसान इस देश की रीढ़ की हड्डी है । किसान की इस साल जो हालत हुई है वह पिछले 5– 7 साल में ऐसी कभी नही हुई थी । उपाध्यक्ष महोदय, किसान दो चीजें अधिक पैदा करता है एक गन्ना है जो पर के एरिया में होता है, दूसरी– कपास है जो नीचे के एरिया में होती है । मैं मुख्य मंत्री जी को बधाई देता हूंकि इन्होंने हाउस में एलान किया है कि सरस्वती शुगर मिल चालू हो जायेगा और साढ़े तेरह रुपये के भाव से गन्ना लेगी लेकिन इसके साथ साथ मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि जो गन्ना किसान का इन्होंने पीछे कम भाव पर लिया है उसके भी वही रेटस दिलाये जायें । हुसके साथ साथ मैं यह भी निवेदन करना चाहता हूं, हो सकता है कि थोडे दिन तो किसानों को साढ़े. तेरह रुपये का रेट दे दें और बाद में कम कर दें इसलिए किसानों को लगातार ही यह रेट मित्रता चा। हेर ताकि किसान

आनी हालत सुधार सके । इसी तरह से कपास का 'हिसार, सिरसा और भिवानी डिस्ट्रिक्ट है । वहां पर कपास की भी ऐसी हालत है जैसे यहां पर गन्ने की है । मंडियों के अन्दर एक एक महीने से कपास पडी हुई है । उस कपास को कोई तीन सौ रुपये क्विटल में उठाने वाला भी ग्राहक नही है । किसानों की इतनी बुरी हालत है, जिसके बारे में कुछ नही कहा जा सकता । कर्पास किसान को कम से कम 400 रुपये प्रति क्विटल, खर्चा लगा कर, घर आ कर पड़ती है । किसान को कपास पर कम से कम दस–बारह स्प्रे करवाने पड़ते है । इसलिए सरकार को चाहिए कि वह सी0 सी 0 आई0 को सर्तक करे कि किसानों की कपास को खरीदे और उनको पूरी कीमत दे । एक–एक महींने तक माल पड़ा रहता है परन्तु कोई पूछने वाला नही है । 300 रुपये क्विटल का नरमा का ग्राहक नहीं है ।

मैं आपके जरिये सरकार को दों–तीन सुझाव देना चाहता हूं । पंजाब के अंदर हरियाणा के पानी के लिए कैनाल बननी है । एक तो हमें पजांब से यह तय करना चाहिए कि पं जाब के एरिया में कैनाल बने वह कितने समय में तैयार हो जायेगी । दूसरा निवेदन यह है मेरे सवाल के जवाब में बतलाया था कि जहां पर वह नहर पंजाब में बननी है वहां पर पंजाब के इंजीनियर काम करेंगे । हमारी सरकार को इस विषय में पुर्नविचार करना चाहिए । उनके जो इंजीनियर काम करेंगे उनकी चौकिंग हमारे इंजीनियर करें । हमारें इंजीनीयर यह चौक करे 'कि जो

मैटिरियल लग रहा है वह ठीक भी लग रहा है या नहीं क्योंकि हमारे इंजीनियर्ज को दिलचस्पी होगी, पंजाब के इजीनियर्ज को इतनी दिलचस्पी नही होगी । इसलिए इस विषय में हमारी सरकार को पुर्नविचार करना चाहिए । जहां पर यह नहर बननी है उस जमीन को एक्वायर करना था, वह तो हो गई है । वहां जहां पर कोई झगड़े की बात नहीं रही है । नहर को पंजाब. के इजीनियर बनाये, यह हमार हित में नहीं है क्योंकि हरियाणा के इंजीनियर जितनी उसको पुख्ता बनायेगे, पंजाब के इतनी नहीं बना सकते । अगर हमारे इजीनियर कोई गडबड करेगे तो । उनके हम सजा भी दे सकते हैं लेकिन पंजाब के इंजीनियर के खिलाफ कुछ– भी एक्शन हम नही ले सकेंगे सिर्फ पंजाब सरकार को लिखने के । इसके अलावा हमारे इंजीनियर इस नहर को जल्दी से जल्दी तैयार करेंगे । जहां पंजाब के इंजीनियर ओं ने इस नहर को तीन साल में बनाकर तैयार करना है, वहां पर हमारी स्टेट के इंजीनियर इस नहर को डेढ़ साल में तैयार कर देगें । इसलिए अपनी स्टेट के इजीनियरों से यह नहर बनवाई जाये । हमारे इंजीनियर वहां पर होने चाहिएं ।

इसके साथ–साथ उपाध्यक्ष महोदय., मै एक बात और कहना चाहूंगा । सदन में जैसे कि मुख्य. मन्त्री– जी ने यहां पर यह बताया है कि' हम हिन्दु,सब सैकशन एकट में कुछ तबदीली करने जा रहे हैं । इन्होंने शायद गर्वनमैटं आफ इंडिया को कोई लैटर लिखा होगा लेकिन मैं उन्हे यह बताना चाहता हूं कि यह

सारा सदन भी हिन्दू सक्सैशन एक्ट में तबदीली चाहता है । जैसे बाबू मूल चन्द जैन –व **चौधरी** रिजक राम जी ने कहा, हम भी इस सदन में बिल पास करके केन्द्रीय सरकार को सैक्शन 254 में तबदीली करने के लिए भेज सकते हैं । आपको पता है कि बहिन और भाई का कितने गहरे प्यार का रिश्ता होता है । मेरे विचार में उससे बड़ा सच्चे प्यार का रिश्ता और कोई हो नहीं सकता लेकिन उस प्यार में, अगर कोई चीफ दीवार बनती है, तो हमें उसको रास्ते से मिटाना होगा । हमें जो रास्ते में दीवार है, उसको दूर करने के लिये हिन्दू सक्सैशन एक्ट में तबदीली करके बिल इस सदन से पारित कराकर भेजना चाहिए कि बहिन का हक जहां पर उसकी शादी होती है, वहां पर होना चाहिए न कि उसके बाप के घर में ताकि भाई और बहिन का प्यार कायम रह सके ।

यहां पर बिजली केबारे मे फलैट रेट की भी बात आयी । उसके बारे में एक अनांसमैट भी सरकार की तरफ से आ गई । इससे आधे हरियाणा को जरुर फायदा होगा । जैसे करनाल है, कुरुक्षेत्र है, अम्बाला हैं । यानि जहां पर पानी 0ंचा है, वहां. पर लोगों को फायदा होगा लेकिन जहां पर पानी नीचा है, वहां पर आधे हरियाणा को इससे बड़ा भारी नुक्सान होगा । जिस तरह से गुड़गांव है, महेन्द्रगढ़ है, हिसार है, सिरसा है, और जीन्द का कुछ डूबाका है, इन इलाकों में पानी बहुत गहरा है । जहां पानी गहरा है, वहां पर फलैटरेट से किसानों को नुकसान होगा क्योंकि रेट तो मोटर की होर्स पावर पर लगेगा इसलिये जहां पानी 0ंचा है

वहां पर मोटर भी कम हौर्स पावर की होगी । एक घंटे में जहां गहरे पानी के एरिया में आधा एकड़ जमीन सिंचित होगी वहां पर कम गहरे वाले एरिया में एक घंटे में कम से कम एक एकड़ जमीन सिंचित होगी, इसलिये इस पर सरकार को पूरी तरह से सोच समझ कर एरिये के हिसाब से फलैट रेट लगाने चाहिये । फलैट रेट का मतलब तो यह है कि चाहे कोई कितनी भी बिजली यूज करे उसे तो एक नीयत रकम देनी पडेगी क्योंकि मीटर तो होगा नहीं एक जगह पर स्पोज कर लो पानी 0ंचा है, कम पावर की मोटर वहां पर लगानी पड़ेगी और वहां पर एक घंटे के अन्दर ज्यादा एरिया सैलाब किया जायेगा । लेकिन जहां पर पानी बहुत गहरा है, 100 फुट तक भी कई जगह गहरा है, वहां पर एक तो ज्यादा हौर्स पावर की मोटर लगानी पड़ेगी दूसरे एक घंटे में वहां पर बहुत कम एरिया सैलाब हो सकेगा । इसलिये मेरी सरकार से यह प्रार्थना है कि ऐसा कर दें कि जो भाई मीटर लगवाना चाहें, लगवा लें और जो फलैट रेट के हिसाब से बिजली लेना चाहें वे फलैट रेट से ले लें क्योंकि फलैट रेट सिस्टम लागू करने से आधे हरियाणा के किसान को बहुत भारी नुकसान होगा ।

इसके साथ–साथ उपाध्यक्ष महोदय, मैं पैसेन्जर टैक्स के बारे में यह निवेदन करूंगा कि पैसेन्जर टैक्स गरीब आदमी के पर पड़ता है । सफर या तो दरमियाना तबके के आदमी करेंगे या फिर गरीब आदमी करेंगे । बहुत अमीर आदमी तो करेगा नहीं क्योंकि उसके पास अपने साधन हैं । इसलिए इस टैक्स को भी

खत्म करना चाहिए । इसी तरह से ट्रकों के पर भी इन्होंने टैक्स बढ़ाया है । टूक ओनर्ज की हालत तो मैं समझता हूं कि बहुत बुरी है । अगर सरकार यह टैक्स लगायेगी तो इससे' किसानों के पर ही बोझ पड़ेगा । इस लिए मेरा कहना यह है कि जो सरकार 3 करोड़ रुपये के टैक्स लगा रही है, इसको वापिस लेना चाहिए । इसकी बजाय, इन्कम कहां से हो, वह भी मैं बताता हूं । जितनी भी फैक्ट्रीज बहादुरगढ़ और फरीदाबाद व बल्लभगढू में हैं, उन फैकट्रियों के हैड आफिस हरियाणा स्टेट में हो जाये तो मैं समझता हूं कि इससे 3 करोड़ की बजाय 10–करोड रुपये की इन्कम हो सकती है । इसलिए मेरा कहना यह है कि ऐसे कदम उठाये जाने चाहिएं कि इन फैक्ट्रिज के हेड आफिस हरियाणा में हों, इससे 3 करोड़ रुपये का जो टैक्स न लगाने से घाटा पड़ेगा वह ही पूरा नही होगा बल्कि इससे 7 करोड़ रुपया और ज्यादा इन्कम होगी इसी तरह से एक और बात मैं आपकी मार्फत इस हाउस को बताना चाहूंगा बाबू मूल चन्द जैन ने लिफट इरीगेशन स्कीम के बारे में जिक्र किया और यह कहा कि बहुत भारी खर्च हो गया । मैं उनसे इस बारे में सहमत नहीं हूं । उन्होंने यहां पर सारी लागत बताई कि इतनी लागत हो गई । मैं यह कहना चाहता हूं कि अगर कोई आदमी मकान बनाये या कुछ और बनाये तो लागत तो उस पर आयेगी जहां परपैसा इतना दिया गया है वहां पर हरियाणा के काफी एरियाज में पीने के पानी के अलावा खेती के लिए भी पानी मिला है और उस इलाका को पानी मिला है जहां एक–एक बूंद पानी के लिए तरसते थे । तो यह ठीक बात

है । इसी तरह से उन्होंने यह भी कहा कि हरियाणा भवन की दिल्ली में क्या जरुरत है? मैं उन्हें यह बताना चाहता हूं कि हरियाणा भवन को चाहे आज बेच लो । लेकिन वह तो हरियाणा के लोगों केलिए एक सुविधा है । आज आपको पता है दिल्ली देश की राजधानी है । हमारे मिनिस्टर साहेबान को, एम0 एल0 ए0 साहेबान को और अफसरान को दिल्ली मैं सलाह–मश्विरा के लिये जाना पड़ता है । इससे बड़ी सहूलियत है । गर्वनमैंट आफ इं डिया के सारे दफतर वहां हैं और दूसरे बड़े–बड़े दफतर भी वहां पर है । इसलिए हरियाणा भवन के बारे में जो कुछ उन्होंने कहा है, वह मैं समझता हूं, ठीक नही था ।

इसी तरह से उपाध्यक्ष महोदय, एक बात जनरल एडमिनिस्ट्रेशन के बारे में कहना चाहूंगा । जहां तक कुरप्शन की बात है, कुरप्शन आगे से कम नही हुई है, कुरप्शन कुछ न कुछ बड़ी है । और मैं यह भी समझता हूं कि पहले से कहीं ज्यादा ज्यादती भी हो रही हैं । मैं एक दो मिसालें बताना चाहता हूं । मैं बाकायदा एफ0 आई0 आर0 नम्बर भी बताता हूं । .....
.....

इसके अलावा और भी बहुत से झूठे केसिज लोगों के खिलाफ पुलिस वाले बना रहे हैं और यहां तक कि झूठे हल्फिया ब्यान भी सियासी आदमियों के खिलाफ लिये जा रहे हैं ।

चौधरी प्रताप सिंह : ठकरान आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर । मेरे जो दोस्त चौधरी भजन लाल जी ने फ0 आई0 आर0 नम्बर बताये, इसके बारे में यह कहना चाहता हूं कि that matter is sub-judice. और उसका रैफरैन्स नही किया जा सकता ।

चौधरी भजन लाल : यह मैटर सब–जुडिस नहीं है ।

Mr. Deputy Speaker : That should be expunged.

चौधरी भजन लाल : एक दो ज्यादतियां मैं आपको यहां पर बताना चाहता हूं । 'मैं चाहता हूं कि हाउस की एक कमेटी बना दी जाये जोकि इन ज्यादतियों की जप्त करे । अगर यह केस जिसकी मैं आपको मिसाल देता हूं, गलत साबित हो जाये, तो उनको सजा मिलनी चाहिए जिन्होंने पर्चा गलत दर्ज किया है वरना. मैं हाउस से इस्तीफा देने के लिये तैयार हूं । यहां तक हुआ है कि मौके पर कोई चीज नही है । मौके. पर भटठा नहीं, झूठा –केस हिसार में बैठकर दर्ज किया है – जबकि मौके पर कोई भट्ठा ही नहीं है, झूठी रिपोर्ट देकर कि भट्ठा का बोर्ड वहां पर नही लगा हुआ है जबकि तीन साल से वहां पर भट्ठा ही नहीं है । मैं उन अक्सरों के नाम तक दे सकता हूं

श्री उपाध्यक्ष : आप अब बैठिये । आपका टाईम समाप्त –हो गया है।

चौधरी भजन लाल : मैं आपको इनस्टांसिज दे सकता हूं । मैं यह इसलिए कहता हूं ताकि सरकार लोगों के साथ ज्यादती न करे जिससे सरकार बदनाम हो रही ह और जनता पार्टी का इम्मेज गिर रहा है । जिन लोगों ने ज्यादतियां कीं और जुल्म किये, उन लोगों का क्या हशर हुआ । यह तो आपके सामने है । इसी. तरह से अगर आज के अफसर भी उन अफसरों की तरह ही करते रहे तो उनको भी शाह कमीशन और रैडडी कमीशन के सामने जाना पड़ेगा और आने वाला वक्त उन्हें बखशेगा नहीं । इसलिए उपाध्यक्ष महोदय., मैंने बातें बहुत सी कहने के लिए लिखी हुई हैं अगर आप कहें तो मैं सारे कागज हाउस की मेज. पर रखने के लिए तैयार हूं । जो कुछ मैं ने कहा है अगर गलत हो तो मैं इस्तीफा देने के लिए भी तैयार हूं । बहुत से झूठे केस ओं की तफसील और हल्फिया ब्यान बे सदन में देने को तैयार हूं जोकि मेरे पास है । इस के लिये आप हाउस की एक कमेटी बना दें और इनमें से एकं भी गल्त हो तो मैं इस्तीफा दे दूगा ।

(इस समय बहुत से माननीय. सदस्य बोलने के लिए खड़े हो गए)

श्री उपाध्यक्ष : श्री सन्त कवर । (विघ्न एव शोर)

चौधरी लहरी सिंह मेहरा : आन ए प्वायंट आफ आर्डर । डिप्टी स्पीकर साहब, चेयरमैन साहब ने भी यह कहा था और

स्पीकर साहब ने भी यह कहा था कि जो आदमी. गवर्नर के एड्रैस पर बोल चुका है, उनको टाईम नहीं मिलेगा

श्री उपाध्यक्ष : यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नही है । आप बैठिये । सन्त कंवर जी, आप बोलिये ।

चौधरी संत कंवर (हसनगढ) : डिप्टी स्पीकर साहब, आपने मुझे मौका दिया बोलने का, आपका बहुत बहुत धन्यवाद । है इस प्रगतिशील बजट को लाने के लिए सरकार को बधाई दे ने के लिए खड़ा हुआ हूं । (व्यवधान) । अगर मैं इसका कम्पैरीजन करने. लागू पिछले बजटों से तो यह उनसे कहीं अच्छा है । डिप्टी स्पीकर साहब, यह जो जनता बजट सरकार ने पेश किया है उसके लिए में सरकार को बधाई देना चाहता हूं । पहली बार ऐसा हुआ है कि सारे हरियाणा में 80 प्रतिशत रुपया एग्रीक्लचर पर खर्च किया जाएगा उसमें से 68 प्रतिशत रुपया सिंचाई और बिजली के लिए मन्जूर किया है । **चौधरी** शमशेर सिंह किसानों की बात कर रहे थे, बड़े हमदर्द बन रहे थे किसानो के । वे इस बजट को पूरी तरह पढ़कर नही आए हैं । उन्होंने शायद इस बात की ओर ध्यान नहीं दिया कि किसान मु ख्य मन्त्री है । किसान वित्त मन्त्री है तो किसान का ही हित उनके हाथों में सुरक्षित है । आप देखें कि 68 प्रतिशत रुपया यानि 144 करोड़ रु पया बिजली और पानी पर मन्जूर किया गया है । और इस तरह से आप देखे कि बजट का मेजर पोर्शन एग्रीक्लचर के लिये मन्जूर किया गया है । डिप्टी स्पीकर साहब, इससे ज्यादा प्रगतिशील बजट और क्या हो सकता

है । दो तीन सदस्यों ने आबियाने की बात की है कि इस सरकार ने आबियाना बढ़ाया है । मैं भी इसकी हिमायत नहीं करता लेकिन **चौधरी देवी लाल : चौधरी** बंसी लाल की तरह हठधर्मी नही है, आप देख लेना यह विदड्रा होगा (विघ्न) डिप्टी स्पीकर साहब, जनता सरकार और पहली कांग्रेस सरकार में यही तो फर्क है कि आज सब को बोलने की आजादी है । जब पहले बंसी लाल की सरकार थी उस वक्त किसी को बोलने की आजादी नही थी किसी की बोलने की हिम्मत नही होती थी कि कुछ कह दें । मैं तो यही कहता हूं कि यह बढ़ा हुआ आबियाना जरूर विदड्रा होगा । हमारे मुख्य मन्त्री किसानों के बहुत ज्यादा हमदर्द हैं ।

दूसरी बात में लघु उद्योग के बारे में कहना चाहता हूं । 'डिप्टी स्पीकर साहब, इसमें थोड़ा फर्क रह गया है, थोड़े लवु उद्योग मन्जूर किये गए है । इन लघु उद्योगों से मिर्फ साढ़े तीन हजार बेकार लोगों को रोजगार मिल सकेगा । मैं सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि वहं लघु उद्योगों पर ज्यादा जोर दे । यह जो 10 –हू 2 –हू 3 की शिक्षा प्रणाली है इसका और लधु उद्योग का सम्बन्ध बनाया जा सकता है । इस प्रणाली के अन्दर टीचरों को इस किस्म कडि–रनिंग दी जाए कि तीन साल के अन्दर जब पढ़कर नौजवान बाहर आए तो वे अपने गांवों में, अपने इलाके में रुरल इन्डस्टरी, कुटीर उद्योग लगा सकें। टीचर इन पइने वालों को इस 'किस्म की टेरनिग दें 'कि जब वे पढ़कर निकले तो वे बेरोजगार न रहें, कोई छोटी–मोटी दस्तकारी कायम कर सके ।

हमारे देश के अन्दर बेरोजगारी का एक अहम मसला है । जब तक इस देश से बेरोजगारी समाप्त नहीं कर पाएंगे तब तक किसी भी सरकार को कामयाब नही कह सकते । बेरोजगारी कोई नौकरी रेने से समाप्त नही होगी बल्कि तभी खत्म होगी जब बेरोजगार नौजवानों को कोई हाथ का काम देंगे और डिप्टी स्पीकर साहब यह पहली. सरक र है जिन्होने एक ऐसी स्कीम बनाई है । चौधरी देवी लाल ने यह एक ऐ सी स्कीम बनाई है जिसके अन्दर जाति 'गति का ख्याल नहीं रखा गया है । श्री शमशेर सिंह बड़े भारी हरिजनों के हिमायती बनते हैं, बडी–बडी बातें करते हैं लेकिन इस जनता सरकार ने बेरोजगारी को दूर करने के लिए स्कीम बनाई है और उस स्कीम में कहा गया है कि एक किसान का लड़ का होगा, एक हरिजन का लड़का उसके साथ होगा, एक बैकवर्ड क्लास का होगा और एक लड़का महाजन का होगा । उनको सरकार लोन देगी और बेकार नौजवानों अपने हाथ से काम करेंगे और इस तरह से बेरोजगारी दूर होगी ।

डिप्टी स्पीकर साहब, हरिजनों की हिमायत की बात यहां– पर कही गई कि हरिजनों के साय अत्याचार होने लगे रहे हैं । जनता सरकार आने के बाद जितने अच्छे सम्बन्ध, हरिजन, किसान और दुकानदार के बीच आज हैं उतने पहले कभी नही थे । ये मेरे भाई उस वक्त को भूल गए जब हरिजनों के साथ जुल्म होते थे और उस समय बीस हजार लोगों को दिल्ली' की जेल में बन्द कर दिया था । तिहाड़ जेल में उस समय चौदह औरतों को

बच्चे हुए थे । श्री शमशेर सिंह भूल गए एमरजैन्सी के जमाने को, जब हरिजनों को बसों से नीचे उतार लिया जाता था और उनकी नसबन्दी कर दी जाती थी । आज यह हरिजनों के हमदर्द बनते हैं । इनकी हालत तो यह है कि महारानी का जो आदेश इनको मिलता है वह चीज इनको बोलनी पड़ता. है इन्होंने कहा कि इस सरकार ने औसन्जर टैक्स लगाकर बहुत भारी जनता के साथ जुल्म किया है । आज मेरे भाई भूल गए कि एमरजन्सी के अन्दर जब श्री बनारसी दास गुप्त मुख्य मन्त्री थे तो उन्होंने दस प्रतिशत टैक्स बढ़ाया था (व्यवधान) मैं कोई इस टैक्स की हिमायत नहीं कर रहा हूं । यह भी नही लाना चाहिए डिप्टी. स्पीकर साहब, इन्होंने कहा कि करनाल चुनाव में देख लेंगे । मैं कहता हूं कि बादली चुनाव भी आया था । करनाल. चुनाव में भी वेही हाल. होगा जो बादली चुनाव ने हुआ था ।

डिप्टी स्पीकर साहब, मैं एक और अर्ज अपनी सरकार से करना चाहता हूं कि जो. नौकरशाही है, ब्यूरोक्रेसी है, वह और तरह से काम नहीं कर रही है । जिस तरीके से उसको काम करना चाहिए उस तरीके से वह काम नहीं' चला रही है । पिछले तीस साल, की व्यवस्था ने इन अफसरों को खराब कर दिया है मैं यह नही कहता कि. सारे अफसर ही खराब हैं । बहुत सारे अफसर अच्छे भी है लेकिन सुरेन्द्र सिंह जैसे लोगों ने उनको डरा रखा था और अब उन अफसरों के दिल और दिमाग से उस– डर को. दूर करना पडेगा । आज हालत यह है कि सैकेटेरियट में बहुत

भारी एडमिनिस् ट्रेशन– है । क्तम थोड़ा है दो घंटे की काम भी मुश्किल से करते हैं लेकिन वहां बहुत लोग लगे हुए हैं– । कई अफसर तो सोए होते हैं किसी ने कहा है

कारे दुनिया में यु कोई बेखबर होता नही,

रात का जागा हुआ दूल्हा भी यों सोता नही ।

डिप्टी स्पीकर साहब, नौकरशाही में कई ऐसे अफसर हैं जो कार्यालय में सोते रहते है । मेरी मुख्य मन्त्री महोदय, से नम्र निवेदन है कि इस किस्म के अफसरों पर कड़ी निगरानी रखी जाए । **चौधरी** सुरेन्द्र को पता होना चाहिए कि **चौधरी**. देवी. लाल पहले चीफ मिनिस्टर है जो ठीक समय पर आकर कई दफा सेक्रेटेरियट में जाकर चौक करते हैं । डिप्टी स्पीकर साहब, यह जो तीन करोड़ रुपये के टैक्स लगाए गए है इनको न लगाकर इस घाटे को दूसरे तरीके से कम किया जा सकता है । जैसे कई आदमियों ने भी कहा कि होम गार्ड की ज्यादा जरुरत नही । सी0आर0 पी0 और होम गार्ड पर काफी. खर्चा होता है और हरियाणा में इनकी इतनी जरुरत नही है, इनका कोई खास काम हरियाणा के अन्दर नहीं है । सी0आर 0पी0 के एक हजार आदमी हैं और उनका तमाम खर्चा सरकार देती है । जब पुलिस की जरूरत होती है तो सी0 आर0 पी0 को बुलाना पड़ता है और व्यापारियों, विद्यार्थियों तथा दूसरे लोगों के दिमाग मे यह' बात रहती है कि सी0 आर0 पी 0, के आदमियों की हमारे साथ

सिम्पथी नही है । मेरी' चीफ मिनिस्टर. साहब से दरखास्त है कि वे उनको पैसा देना बन्द कर दे । हरियाणा की प्रुलिस बहादुर है । अगर ज्यादा पुलिस चाहिए तो हमारे जो नौजवान बेकार है उनको भर्ती किया जा सकता है । मु ख्य मन्त्री महोदय को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि यहां छ कमिशर भी हैं । डिप्टी स्पीकर साहब, चण्डीगढ के अन्दर जो आई0ए0 एस0 आफिसर हैं, वे पैसे, 330 रुपया ज्यादा ले रहे हैं और जो एच0 सी.0 एस 0 है वे दो सौ रुपया ज्यादा ले रहे हैं लेकिन जो कर्लक हैं या फोर्थ क्लास के एम्पलाईज हैं, उनको कुछ नही मिलता उन अफसरों को सरकार की तरफ से कर भी और कोठियां भी दी हुई हैं और अच्छी तनखाह भी मिल रही हैं । यह जो ज्यादा पैसा दियाज रहा है इसकी कोई जरूरत नही हैं ।

एक कौर चीज में सरकार के नोटिस में लाना चाहता हूं कि अफसरों के टूर के बारे में लाइन आफ ऐक्शन तैयार की जाए, कोई गाइड लाइन तय की जोत कि ज्यादा से ज्यादा पांच दिन टूर पर रहना है या दस दिन टूर पर रहना है । बहुत सारे अफसर मैं सब अफसर ओं की बात नही करता लेकिन काफी अफसर बहुत टूर पर रहते हैं । इसलिए मेरी सरकार से प्रार्थना है कि जो है कि एडमिनिस्ट्रेशन है, उसको कम किया जाए और इस खर्चे को कम करने के लिए एक कमेटी बनाई जाए ।

डिप्टी स्पीकर साहब, अभी बहुत से लोगो ने बोलना है इसलिए मैं थोड़ा समय लेकर अपना स्थान लूंगा । आपको भी

पता है और इस हाउस के माननीय सभी सदस्यगण इस बात से अवगत हैं कि इस वर्ष काफी ओले पड़े हैं और जिसके कारण किसान का काफी नुक्सान हुआ है और अब ट्रैक्टरों की कीमतें भी ज्यादा हो गई हैं । किसान को जो चीजें मिलती है, वह बहुत महंगी मिलती हैं और किसान की प्रोडक्शन की कीमत कम हो गई है । इस ओर सरकार को खास ध्यान देने की आवश्यकता है ताकि किसानों को हर तरफ से राहत मिले । डिप्टी स्पीकर साहब, यह तुक बड़ी खुशी की बात है कि हरियाणा में सारी मिलें चालू हैं और यू 0पी0 स्टेट में मिलें बन्द है । इसके लिए सरकार बधाई की पाल है और सरकार ने सरस्वती शूगर मिल को चालू रखा है, यह भी सरकार की तरफ से एक सराहनीय कदम उठाया गया है । अत इस के साथ साथ मैं सरकार से प्रार्थना करुंगा कि जहां किसानों के हितों का इतना ध्यान रखा जा रहा वहां उन पर जो आबयाना कर है, और जो दूसरे ट्रैक्टरों की कीमत बढ़ा दी गई है, टैक्स बढ़ा दिए गए हैं, उन सब को सरकार विदड्रा करेगी ताकि गरीब किसानो को सुख का सांस आए । इन लफजों के साथ कि हमारी सरकार ने जो यह बजट पेश किया है, ऐसा कभी किसी पहली सरकार ने नही किया, जिसके लिए हमारी सरकार धन्यवाद की पात है, इतना कहते हुए मैं इस बजट का समर्थन करता हूं और आपका धन्यवाद करता हू कि आपने मुझे बोलने का समय दिया ।

चौधरी जगदीश कुमार बैनीवाल (दरबाकलां) : डिप्टी स्पीकर साहब, 1 97 8– 79 का जो बजट इस हाउस में प्रस्तुत है, मैं उस पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं । कुछेक बातों की तरफ अपनी सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं । सब से पहले बात मैं अपने किसान भाइयो के हित के 'लिए कहने का साहस कर रहा हूं कि किसान को कम से कम अपनी फसल' का मूल्य– अवश्य– मिलना चाहिए । अगर किसान को उसके उत्पादन का लाभ न मिले तो कम से कम ऐसा अवश्य होना चाहिए कि उसे उसक जौ खर्चा हैं, उसका मुआवजा अवश्य मिलना चाहिए । दूसरी बात मैं यह कहूंगा कि किसान जब बैक से लोन लेता है तो उनसे 1 5, 1 6 परसेन्ट ब्याज लिया जाता है और जब इंडस्ट्रीलिस्ट बैकों से लोन लेते है तो उनसे काफी कम परसैन्ट पर यानि 2 परसेन्ट ब्याज वसूल किया जाता है, अत सरकार से मेरी दर्खास्त है कि किसानो को भी बैंकों से उसी दर पर लोन दिलवाया जाए निघ ब्याज दर पर इंडस्ट्री वालों को दिलवाया जाता है ।

इससे अगली बात वे सरकार से यह कहना चाहता हू कि सिरसा का इलाका काफी पिछड़ा हुआ है, वहां पर न तो कोई हस्पताल है और न ही कोई गर्वनमैंट कालेज. है । पिछली सरकार के जमाने से ही यह इलाका दबा आ रहा है । इस लिए **चौधरी देवी लाल :** जी जोकि उसी इलाके की रहनुमाई करते हैं, मेरी उनसे प्रार्थना है कि इस इलाके की तरफ एजुकेशन के लिहाज से भी जरा ध्यान दिया जाए तो लोगों को काफी. हद तक राहत मिल

सकेगी– और लोग खुश होंगे । कई भाइयों ने इस बात को किटीसाइज. भी' किया है कि सरकार सिरसा जिले पर काफी पैसा खर्च करने जा रहीं है । आप पिछली फिगर्ज निकाल कर देख सक्ते हैं कि वह इलाका पहले से ही बैकवर्ड करार दिया हुआ है । इसलिए मैं अपनी सरकार से व मुख्य' मन्त्री महोदय से यह कहूंगा कि वे इन' लोगों की बातों में न पड़े और सिरसा के इलाके का पूरा–पूरा ध्यान रखें चूकि यह इलाका रेतीला भी है इसलिए इस इलाके का पानी बढ़ाकर 3. 4 क्यूसिक कर दिया जाए । इन सब बातों की ओर मुख्य. मन्त्री महोदय. पूरा ध्यान देगें इस की मुझे पूरी आशा है । इसके साथ साथ मैं प्रार्थना करुंगा कि सिरसा में मिल्क प्लाट और हस्पताल. बनाने की तरफ पूरा ध्यान दिया जाए किसानों के पर जो आज–याने का खर्चा लगाया गया है, हम सब. भाई उसका विरोध करते हैं, उसको माफ कर दिया जाए और जो किसानों की फसरज. पहले बर्बाद हो गई है, उसका मुआवजा भी. उन्हें मिलना चाहिए । (विनघ) मैं कहूंगा कि पिछली सरकार ने किसानो की जो टैक्स लगा कर कमर तोड़ दी है, इन टैक्सों को न लगाकर उन्हें हर तरह से राहत दिलाई जाए ।

इससे आगे मेरा यी प्वायंट है कि किसानो को जो तकावियां दी गई हैं, उन पर कोई ब्याज न लिया जाए । और सरकार ने जो पैसेन्जर टैक्स लगाया है । उस का बोझ तो सिर्फ गरीब जनता पर ही पड़ेगा । अत सरकार से मेरी प्रार्थना है कि इस टैक्स को वापिस लिया जाए । अन्त में मैं सरकार को इसके

लिए मुबारिक–बाद देता हूं कि उसने इस वर्ष के बजट में सिंचाई और बिजली के पर 71 परसैन्ट खर्च करने के लिए पग उठाया है,, जिसके कारण से किसानों को राहत मिलेंगीं । इतना कहते हुए मैं अपना स्थान लेता हूं और आपका धन्यवाद करता हू कि आपने मुझे बोलने का समय दिया

चौधरी लाल सिंह (नारायणगढ) : डिप्टी स्पीकर साहब, मैं इस बजट का समर्थन करता हूं और हम पर बोलते हुए इस हरियाणा सरकार का धन्यजाद करता हूं और उन्हे मुबारिकबाद देता हूं कि उन्होंने एक बहूत अच्छी बजट पेश किया है । सबसे पहले तें। मैं यही रिकवेस्ट करता हूं कि जो टाइम आप देते है, वह सही मायने में हमारे इसतेमाल में आना चाहिए, न कि रौले वगैरह में ही व्यतीत हो जाता चाहिए । जो बजट पेश किया गया है एक तो इसमें यह किया गया है मुलाजमो को महगाई भत्ते की एवं और किश्त दी गई है, जो कि बहुत अच्छी' बात की है इस हमारी सरकार ने, इसके लिए हम सरकार के आभारी है । दूसरी' तरफ जो सरकार ने दुकानदारो के पर से सरचार्ज घटा कर 15 परसैन्ट की बजाये 5 पर से कर लिया है, इस लिए भी हम उनको धन्यवाद देते हैं । इससे गरीब, छोटे दुकानदारों को बहुत राहत मिलेगी । अतः यह कहा जा सकता है कि यह बजट एक बढ़िया बजट है । इसको बदनाम करने का तो कोई सवाल ही नहीं है । (विघन) डिप्टी स्पीकर साहब, मुझे हक है मैं जो चाहे बोलूं । मैं इन भाईयों को यह बता देना चाहता हूं कि नुक्ताचीनी आसान

काम है, किसी काम को संवारना, बनाना मुशकिल है जो ये लोग कर नहीं सकते । मैं इन से कहता हूं कि जरा बजट को पढो फिर बात करो । बिना पढ़े ये लोग यू ही उछल रहे हैं और ये जो नवे जवान आएं है, उछल रहे है, उनको तो तब पता चलेगा जब ये असैम्बली तोड देंगे क्योंकि हमारे साथ तो दो बार हो चुका है हमें क्या–'आप मरे जग परलों', वह ही भुगतेगे । (शोर– हंसी)

श्री उपाध्यक्ष : चौधरी लाल सिंह जी, आप बजट पर बोलें ।

चौधरी लाल सिंह : हां जी, मैं बोल रहा हूं जी, ये बोलने भी दें । भी शमशेर सिंह : डिप्टी स्पीकर साहब, अगर असेम्बली टूटेगी तो बजट कहां रहेगा, ठीक ही बजट पर बोल रहे है ये । (हंसी)

चौधरी लाल सिंह : डिप्टी स्पीकर साहब, मुझे ये लोग सुनें तो सही, मेरा हक है यहां बोलने का (शोर एवं व्यवधान) मैं बजट पर ही बोल रहाँ हूं । इस बजट पर लोग इसी लिए थोड़ा बहुत गिला कर रहे है कि इसमें जमीदारों पर टैक्स लगाया गया है । मैं सभी मैम्बरों से रिकवैस्ट करुंगा कि सरकार जमीदारों की बहुत हमदर्द है आप इस बात को एक दफा कह सकते हैं, दो दफा कह सकते हैं लेकिन सारा दिन एक ही बात करने का कोई मतलब नहीं । मैं भी सरकार से कह देता हूं कि आप जमीदारों की बजाए बड़े–बड़े लोगों पर जिनके घरों में टैलीवीजन हैं और आराम की

चीजे हैं उन पर टैक्स लगाओ, और जमींदारों का टैक्स माफ कर दिया जाए । मैं अपने दिल की बात जरुर कहता हूं क्योंकि जो आदमी अपने मन की बात नहीं कहता वह अपनी आत्मा के पर आघात करता है । अच्छाई और बुराई को बताना आदमी का फर्ज है । हर एक आदमी सरकार और मुख्य मन्त्री के खिलाफ बोलने के लिये खडा हो जाता है लेकिन सच्चाई को नही देखता । जो आदमी यहां बैठे' हैं, वे अपने सीने पर हाथ रख कर बताएं कि जो कुछ में क्ह रहा हूं वह ठीक है या गलत हमारे मुख्य मन्त्री बहुत अच्छे आदमी है और सब इनकी तारीफ करते है । जब इन्होंने मुख्य मन्त्री का पद संभाला था तो इन्होने उस वक्त अफसरों को एलान किया था कि 11 बजे ग्राउंड में बैठकर सब की शिकायतें सुननी पड़ेगी । आज सारे आई0ए 0 एस0 अफसर लोगों की शिकायते सुनते है । लेकिन बंसी लाल के राज में हमारी बात कोई नहीं सुनता था । द्उसरी बात यह कि सवेरे 6 बजे हमारे मुख्य मन्त्री जी होस्टल के ग्रा0ंड में बैठ कर हमारी बात सुनते है । अभी पीछे जब बाढ आई तो ये रात दिन कितना दौड़े । ये खुद बीमार हो गए और अपने शरीर की परवाह नही की लेकिन इन्होंने लोगों को बचाया । इसके बाद बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए ये 11 करोड़ रुपये सैन्टर से लाये इन्होंने गांव गांव में हवाई जहाज के जरिये रोटी पहुंचाई दाल पहुंचाई और कपड़ा पहुंचाया । फिर अभी पिछले दिनों में इन्होंने अपने सिर पर खुद टोकरी उठाई । आई0ए0 एस0 अफसरों ने भी टोकरी उठाई, कमिशनर ने भी अपने सिर पर टोकरी उठाई जोकि पहले कभी बात तक नहीं

करते थे । इस चीज को देख कर लोगों ने कहा जो लोग हमारे यहां वोट मांगने नही आते थे लेकिन आज वे मिट्टी उठा रहे है । यानि लोग बहुत खुश हुए । तो क्या ऐसा मुख्य मन्त्री कभी मिल सकता है? इस शख्स ने तीस साल तक लड़ाई करके हमे आजाद करवाया और हरियाणा बनाने वाला भी यही आदमी है । ये शराब नही पीते, सिग्रेट नही पीते और पराई स्त्रियों को अपनी मां बहिन की तरह समझते हैं । दूसरी बात इन्होने कहीं कि शराब बन्द कर दो, और भ्रष्टाचार बन्द कर दो । तो इसके लिये सब से पहले इन्हनिं अगने भतीजे को अन्दर किया । इस आदमी के टैरक्टर से हमें सबक लेना चाहिए इससे आगे मैं अर्ज करना चाहता हूं वह यह है कि बहुत से आदमी कहते हैं कि आई0 ए0 एस0 अफसर खराब हैं । तो मैं उनको बताना चाहता हूं कि पहले खराब होंगें क्योकि पहले तो सब कुछ खराब था लेकिन आज आई0ए0एस0 अफसर (विघन) मैं खुद देखता है (शोर) क्योंकि आप इलाके में तो जाते नही हैं इसलिए आपको पता नही है, मैं इलाके में जाता हूं । आज आई0 ए0 एस0 अफसर 11 बजे से लेकर 12 बजे तक जनता के बीच बैठते हैं उनकी बाते सुनते हैं । यह किसकी मेहरबानी हैं? यह मेहरबानी हमारे मुख्य मन्त्री की है ।

श्री कंवल सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है कि इन्होंने. जो कुछ कहा है, यह हमारे ग्र पर पर्सनल अटैक है । मैं चाहूंगा कि ये इसको वापिस ले लें । वह कैसे कह सकते है कि हम हल्के में नही जाते?

चौधरी लाल सिंह : अगर आपको महसूस हुआ है तो मैं वापिस ले लेता हूं ।

मुख्य मंत्री (चौधरी देवी लाल) : डिप्टी स्पीकर साहब, आज हाउस के सामने जो बजट पेश है यह डिवैल्पमैंट का बजट है । इस बजट की बहुत कम भाईयों ने मुखालफित की । मुझे इस बात की खुशी है कि जो भी मैंम्बर उठा और जिस आईटम पर बोला, उसने बजट की तारीफ की । सिवाए मेरे भाई **चौधरीं** भजन लाल क्ए– जिन्होंने ।रक ऐसी बात कही कि क्रप्शन पहले से ज्यादा है । उसके बाद एफ0 आई0 आर 0 का भी जिक्र किया । तो इस बारे में, मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि शायद वह एफ0आई 0 आर 0 भी क्रप्शन को दवाने के लिये हुई । क्रप्शन बढ़ी नही है बल्कि क्रप्शन का तो नामों निशान नहीं है ।

चौधरी भजन लाल : डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायट आफ आर्डर है 'कि मैंने जो बात कही थी उसके लिए हाउस की एक कमेटी बना दी जाए, अगर वह बात झूठी हो तो मैं इस्तीफा दे बू गा ।

चौधरी देवी लाल : मेरे कहने का मतलब यह है कि हमारे सूबे ले क्रप्शन के खिलाफ इस किस्म की भावना पैदा हुई है कि –पहले सुबार्डिनेट मर्जिसज सलैक्शन बोर्ड में आम क्रप्शन थी लेकिन कल का ही एक वाका, मैं आपके जेंरिये हो उस के सामने रखना चाहता हूं कि हमारे एक मैंम्बर श्री चिंता मनी को एक

लिफाफा आया । उसकी. एक, तरफ लिखा था कि लिफाफे को एकांत में पढ़ें । जब वह लिफफा खोला तो उसमें से तीन हजार रुपये मिले । उस लिफफे में से एक स्लिप मिंत्री जिस पर नाम और रोल नम्बर था और लिखा था कि इसके लिए पैसे भेजे जी रहे हैं । करप्शन के वारे में तो मैने एलान कर रखा है कि कोई सौ रुपये की क्रप्शन. पकडायेगा तो उसे 500 रुपये मिलेगा । अगर जनता इस बारे में हमारे साथ होगा. मैं समझता हूं कि क्रप्शन का कही नामों निशान भी. नहीं होगा । मैं पंसे की बाबत इतना कहना चाहता हूं कि अब से पहले प्लान पर इतना खर्चा नही होता था जितना अब हुआ है । इस में 2 1 0 करोड़ रुपये की मन्जूरी' हमें प्लान– के लिए सैन्टर से मिंत्रीं– है । जो पहले कहा करते थे कि मैं इन्दिरा के बहुत नजदीक हूं वे 1 48 करोड़ रुपये से ज्यादा कभी मन्जूर नही करवा सके थे । इस, प्लान का जितना भी– खर्च है वहं में तीन चीजों के पर खर्च करना चाहता हूं । खेतीबाड़ी' सिंचाई और बिजली । इस 2 10 करोड मैं से 168 करोड़ रुपया इन तीनों चीजों पर खर्च किया जाएगा और इसके मुकाबले में पिछले' साल की फिगर अगर बता0ं तो खेती बाड़ी और सिंचाई पर 108 करोड रुपया खर्च हुआ और एक साल 1 68 करोड़ रुपया खर्च हुआ । इसके बाद इस बजट में हम शिक्षा पर पिछले साल के मुकाबले इस साल ज्यादा खर्च कर रहे है । पिछले साल शिक्षा पर 483 लाखा रुपये खर्च हूए थे औरइस साल 760 लाख रुपये खर्च होंगे । इसी तरह से सड्कों की यहां पर चर्चा आई यह ठीक है कि इस मामले में सिरसा और हिसार

को निशाना बनाया गया लेकिन हमारे हरियाणा में सिरसा ही एक ऐसा जिला था जोकि हर एक मिनिस्टरी के टाईम में बैकवर्ड रखा गया और वहां सड्कों का नामों निशान नहीं था । एक सड़क जो मेरे गांव को सिरसा से मिलाती. है उसमें एक चार मील का टुकड़ा रहता था वह सात साल तक पड़ा रहा और अब बनाया गया है इससे – बीस मील के चक्कर की बचत हुई है । तो सड्कों पर इस' बार हम 760 लाख बच कर रहे है जबकि पिछले साल 483 लाख रुपये खर्च हुए थे । इसी तरह से सोशल सर्विस में इस साल 2500 लाख रुपये खर्च होंगे और इमके नु काबिले में पिछले साल 1 587 लाख रुपये खर्च हुए थे इन आंकड़ों से आप, अच्छी तरह से अन्दाजा लगा सकते है कि हमारी' सरकार इन बातों पर पूरा ध्यान रें रही है । अगर हरियाणा की. डिवैल्पमैंट हो जाए तो बाकी. मसला अपने आप हरन हो जाता है । सरकार ने ओलों से हुई तबाही. के बारे में काफी. इन्तजाम किया है और मैं समझता हूं पिछले साल भी बाढ़ की वजह से काफी नुकसान. हुआ था । हमारी बदकिस्मती है कि 40 गांव बाढ़ की लपेट में आ गए थे जहां पर किसानों ने ट्रैक्टरों से खेती की हुई थी, बड़ी अच्छी खेती थी और आज भी उसी इलाके में ओलों से बरबादी हुई । मैं इसकी बाबत आपके सामने एक ध्यान पढ़ना चाह रहा हू ।

" I had made a statement in the House on 8th March, 1978, about the damage caused by hailstorms in the State on 1st and 2nd March, 1978. While special girdawari is being made it appears that the hailstorms have affected about

400 villages and an area of l.13 lakhs hectares. The damage has occurred in seven, districts.

The question of grant of immediate relief and assistance for cultivation of short duration crops in the affected areas has been decided by the Government as under

(a) Taccavi loans at a concessional rate of interest of 3 % will be given in in the following manner—

Damage 25 % to 50: Rs. 50/- per damaged acre.

Damage more than 50 % : Rs. 100/- per damaged acre.

This taccavi will be given in cash for the purchase of seed, fertilisers, fodder, tractor cultivation etc.

This taccavi will be given to all those cultivators in the affected areas i.e. cultivators, tenants, share croppers etc.

(b) Cultivatation of summer moong, dhancha, cotton, cowpeas and bajra will be propogated in the damaged areas and for this purpose the Department of Agriculture will purchase and supply seed at 50 % subsidy in respect of the crops mentioned above. In the case of cotton, a subsidy will be Rs. 40 per acre.

(c) The Land Development Banks and Commercial Banks will be asked to provide loans liberaly to the affected farmers for purpchase of milch cattle.

(d) Rocovery of electricity bills will be postponed for six months in respect of consumers whose damage is more

than 5O%.--

(e) Fodder will be supplied at subsidized rate of Rs. 15/- per quintal in the affected areas.

(f) Areas where kharaba is 50 % or above , the dues of land holding tax, abiana taccavi and loans of all types including cooperative shall be deferred for a period of six months.

(g) Special remission of land holding tax and abiana will be granted on the same scale as was granted on account of flood damage during. kharif 1977.

The Government will be advancing about Rs. 2 crores as taccavi and spending about Rs. 50 lacs as subsidy on seed and fodder to be supplied to the hailstorm victims"

मैं हाउस के सामने ज्यादा न बताता हुआ, यही कहना चाहता हूं, बाकी की बातें तफसील से फाईनैसं मिनिस्टर साहब आपके सामनेरखेंगे । कुछ टैक्स केबारे में कह देना चाहूंगा कि टैक्स की बाबत काफी क्रिटिसिजम हुआ । यह सब जानते है कि टैक्स के बगैर देश की डिवैल्पमैंट नही हो सकती । हम सब डिवैल्पमैंट के काम बगैर टैक्स से नहीं कर सकते । पंजाब में भी काफी टैक्स लगाए हैं। मैं हाउस की सैन्स को देखते हुए और हाउस के बाहर जो क्रिटिसिजम हुआ है, उसको देखते हुए, हमने जो 10 परसैन्ट आबयाना बढ़ाया था, उसको वापिस लेते हैं । – (तालियां)– मेरे भाई श्री मागे राम गुप्ता ने भाई. अपनी स्पीच में बजट की तारीफ की थी, लेकिन एक चीज की बाबत कहा था कि

सरचार्ज 1 5 परसैन्ट से 5 परसैन्ट जो किया है, उससे व्यापारी खुश नही होंगे । इसलिए सेल्ज टैक्स पर जो सरचार्ज है, हम उसे वापिस लेते हैं और उम्मीद करता हूं कि अब. भाई मांगे राम जी खुश होंगे । यह कह कर मैं हाउस का शुक्रिया अदा करता हूं कि हाउस ने बहुत अच्छे तरीके से बजट डिस्कशन में हिस्सा लिया ।

श्री शमशेर सिंह जैसा कि आपने कहा कि जो किसान को नुक्सान. हुआ है, उसके लिए किसान को तकावी लोन देंगे । क्या हरिजन, सीरी और शेयर कॉपर भी. शामिल' है?

चौधरी देवी लाल :. जी हां, इसमें वे भी है ।

वित्त मन्त्री (चौधरी सतबीर सिंह मलिक) : डिप्टी स्पीकर साहब, बिधान सभा के माननीय सदस्यों के विचारों को, जनता पार्टी के पहले बजट की. प्रपोजल्ज जो हमने हाउस के अन्दर पेश की– हैं, उन पर सब के विचार बड़े ध्यानपूर्वक सुने । मुझे बड़ी. खुशी– हुई कि जितनी. भी बजट स्पीच के अन्दर सरकार ने नीतियां अपनायी हैं, नीतियों की– घोषणा की है तथा जो भी थोड़े बहुत टैक्स सरकार ने लगाए हैं, प्रपोजल्ज रखी हैं, तकरीबनत –करीबन हाउस ने, एक आध आईटम को छोड़कर सब सदस्यों ने सरकार के बजट का स्वागत पिया है । जो कुछ टैक्स के बारे में छोटा मोटा क्रिटिसिजम था भी. वह भी आदरणीय. मुख्य. मन्त्री जी ने हाउस के अन्दर विदड्रा कर लिया है । अब

अगर उस क्रिटिसिजम को देखा जाए, तो शायद 100 परसैन्ट मैंबर इस बजट प्रपोजल्ज का और सरकार की नीतियों वा स्वागत करते कुंए । लेकिन मेरे एक साथी ने चन्द बाते सरकार के खिलाफ कही थी, मैं उन एन थोड़ा सा जवाब देना जरूरी समझता है । मेरे माननीय सदस्य श्री शमशेर सिंह ने बजट स्पीच का उदघाटन किया है– । इन्होंने एक ही बात कही थी कि जनता पार्टी जो किसान का, देहातों का ढिंढोरा पीटने वाली है, वह किसान के साथ जुल्म कर रही. है, किसान पर टैक्स लगा दिया । इसके साथ ही साथ इन्होंने और भी. –जा ऐंड आर्डर के बारे में काफी बाते कही थीं । इन्होने हरिजनों के लिए बहुत मोटें मोटे आंसू हाउस में बहाये थे । मैं इनको याद दिलाना चाहता हूं कि क्या ये वो दिन भूल गए, जब बीड़, सुनारवाला और छोछकवास के हरिजनों को, जिन्होने दस– दस साल से अपने खून पसीने से बंजर जमीन– को कावलें काश्त किया था, उनको बेदखल किया था । आपके ये मोटे मोटे आंसू उस वक्त गुलाब. की तरह किला करते थे । मुझे आज आपकी जबान पर शक न होता अगर आप उस वक्त उस तानाशाही के खिलाफ खड़े हो कर कह सकते कि हरिजनों के साथ जुल्म हो रहा है ।– (व्यवधान) ––उस वक्त भी इसी जनता पार्टी के जो दूसरे नेता हैं, वही इस जुल्म के खिलाफ आवाज. उठाया करते थे, लेविन इन्हेंने. नही उठाई । दिल्ली. के अन्दर कितनी भारी– तादाद में हरिजनों के लिए स्ट्रगल और उमके बाद हरिजनों की जमीन– मिली. । यही. नही, क्या भूल गए जुल्म. की. वह कहानी कहा रिवासा काण्ड हुआ था, भाई बहन. के.

साथ जो जुल्म. रिवासा में हुआ था, मेरी समझ के मुताबिक इससे बड़ा अपराध कही नही हो सकता । क्या आप पिपली काण्ड को भूल. गए? आज अगर कोई आदमी जुल्म करता है और उसके 'खिलाफ मामला दर्ज हो जाता हैं, तो कहते है कि जुल्म हो गया । सरकारी' नीति के हिसाब से हर पुलिस स्टेशन को यह हिदायत है विय अगर कोई आदमी केस रजिस्टर करवाने के लिए आए, तो उसके केस को रजिस्टर किया जाए और उसकी इनक्वायरी की जाए । लेकिन कांग्रेस के राज में कत्ल की' रिपोर्ट दर्ज नहीं हुआ करती थी, इनक्वायरी' करने का तो सवाल ही पैदा नही होता । इसलिए मैं कहता हूं कि आज न्याय देने की कोशिश की जाती. है, लेनिन मुझे इस चीज. का अफसोस है कि कितनी बातें आत्मा के खि–जाफा, असलियत के खिलाफ एक।. माननीय सदस्य होने के नाते इन्होंने ही उसके अन्दर कही । इस सरकर ने तो पिछली सरकार ने जो जुल्म किए थे, जो पाप किए थे उनका पता लगाने के लिए, उनकी इनक्वारी करने के लिए कमीशन बैठाए हैं ताकि सच और झूठ का पता लग जाए, लेकिन और यह सरकार आप जैसी सरकार होती तो यह भी कानून के दरवाजे बन्द कर देती । मुख्य मन्त्री जी के पर कोई दबाव नही था कि ये इस तरहे से कानून के दरवाजे हर व्यक्ति के लिए खुले रखें । लेविन नही हमने जनता पार्टी ने लोगों को यह कहा था कि हम कानून. का राज. रखेंगे । डिप्टी' स्पीकर साहब आपको इस बात की. खुशी. होगी कि इस कानून के राज्य के अन्दर जों हु छ भी हो रहा है चाहिए वह कमीशन की बात है चाह किसी के खिलाफ इनक्वायरी की बात

है– चाहे कोई दोषी पाया जीता है सब. बातों में कानून का सहारा लिया जाता है वरना ये सुरेन्द्र सिंह और इनके दूसरे साथी बेल न करवाते । जिस तरह 19 महीने हम जेल के अन्दर रहे । बिना अदालत के दरवाजे खटखटाए उसी. तरह ये भी. रह सकते थे लेविन यह जनता पार्टी जिसने प्रजातन्त्र की जो एकं कड़ी है जुडिशियरी उसकी स्वतन्त्रता को दुबारा बहाल किया है ।

उपाध्यक्ष महोदय, इन मेरे साथियों ने यह कहा कि जनता पार्टी की सरकार फजूल खर्च करती हैं । मैं माननीय सदस्यों को यहं बताना चाहता हूं कि जब से जनता पार्टी की सरकार बनी है तब से इसने प्रदेश की हालत को सुधारा ही सुधारा हैं । अभिको मालूम है कि 37 करोड़ रुपए का घाटा कांग्रेस सरकार छोड कर गई थी लेकिन. उस 30 करोड़ के घाटे को हमने 791 करोड़ से बन्द किया है । इसके बावजूद भी हमने डिवैल्पमैट की रफ्तार धीमी' नही होने दी. । आपको डिप्टी स्पीकर साहब, यह भी पता है कि यहां फ्लड और ओलों का कितना प्रकोप रहा. । इन सब. बातों के लिए किसानो के जो राहत इस जनता पार्टी के शासन' ने मिंत्री है वह कभी कांग्रेस के शामन में तीस माल मे नही मिंत्री । अगर ये इस वा तको झुठला सकते हों, तो झुठलाएं । इतना होते हुए भी यह घाटा हमने, किस तरह से पूरा किया, यह इन्हे अनुमान लगाना चाहिए था । इनके जमाने मे मन्त्रियो से मिलकर इनके मुर्गो ने टैक्सिज की जो इन्स्टालमैन्टस करवाई हुई थी, स्टे ली हुई थी, उन टेक्सिज की रिकवरी को

हनने तेज किया। सेल्ज टैक्स की' रिकवरी 106 प्रतिशत से उठकर 120 प्रतिशत के पर लाकर रखी' । अपने सारे डिपार्टमैन्ट्स में औसटीयर मैयर्ज अपनाना फजूलखर्ची को बन्द किया । दफतरो के अन्दर जो बडे–बडे मेज, कुर्सियो कूलर रेंफ्रिजेटर गलीचे और दूसरी मुफत की चीजें मंगवाई जाती थी, उनको मंगवाना बन्द किया । इन आठ महीनों के शासन में इस तरह की अगर कोई एक भीं खरीद यदि हमने की हो, तो ये बताएं । इन सब बातों से सिद्ध होता है कि आज की यह सरकार उपाध्यक्ष महोदय सादगी से रहकर जनता को खुशहाल करने के लिए कटिबद्ध है । यह नमूना कांग्रेस राज के जमाने में नही मिलता था । उस समय तो पैमा पानी की तरह बहाया जाता था, लेकिन आज की सरकार एक–एक पसे को सिर्फ जनता की खुशहाली के लिए खर्च करना चाहती है ।

उपाध्यक्ष महोदय, कुछ माननीय सदस्यों ने एक बात और कही । मुझे नही पता कि वह कहां तक सच है । उन्होंने कहा कि गवर्नर महोदय बहुत भारी खर्च कर रहेहै । लेकिन मैं उन्हे विश्वास दिलाना चाहता हूं कि आदरणीय मुख्य मन्त्री जी के मार्गदर्शन पर जो सादगी से रहने का हमने वचन निया है, उसके अनुसार हम पूरी सादगी से रहेंगे और कोई फजूल खर्ची नहीं होने देगे, चाहे वह गवर्नर महोदय से सम्बन्धित हो, चाहे मुख्य मन्त्री से सम्बन्धित हो या किसी और मिनिस्टर से सम्बन्धित हो ।

उपाध्यक्ष महोदय, एक और बात में अपने माननीय सदस्यों को बताना चाहता हूं । यह पहला ही बजट सैशन है जो इतने अच्छे वातावरण के अन्दर चल रहा है । पहले जो सैशन हुआ करते थे, उनमें अपोजीशन के किसी आदमी को बोलने का टाईम नही मिला करता था, लेकिन इस बार जिस दिन मै गन शु रु हुआ. आदरणीय मु ख्य मन्त्री जी ने कहा कि सैशन भले कितना ही लम्बा करना पड़े, लेकिन सब सदस्यो को अपने अपने विचार रखने की स्वतन्त्रता होनी चाहिए और इसी बात का यह परिणाम है कि अपोजीशन के जिन सदस्यों को दस मिनट का समय नहीं मिलता था, उनको 2–2 घटे बोलने के लिए दिए गए । यह प्रजातन्त्र का सच्चा सबूत है । पहले दो दिन के अन्दर बजट पास किया करते थे लेकिन अब की बार चार दिन बहस का मौका दिया गया ।

डिप्टी स्पीकर साहब, किसानो के लिए भी यहां पर बड़े भारी आंसू बहाए गए हैं । कहा गया है कि किसानों के पर बड़ा भारी टैक्स लगा चरा गया । लेकिन उपाध्यक्ष महोदय, यह कहने से कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि सारे हरियाणा का किसान जानता है कि कांग्रेस के राज में जितना जु ल्म किसान के पर हुउन है उतना किसी और के पर नही हुआ है । मुझे वह दिन याद है जब मुख्य. मन्त्री जी, **चौधरी** रिजक राम जी और हम लोग सोनीपत के अन्दर गेहूं के भाव बढवाने के लिए जेठ के लू में धरना देकर बैठे हुए थे, किसानों को हथकडियां लगाकर लाया जा

रहा था आर उनका गेहूं जबरदस्ती लिटा जाता था । आज ये कहते हैं कि जनता पार्टी की सरकर, जिसके नेता **चौधरी** देवी लाल है, जिन्होंने सारा जीवन किसान को लिए संघर्ष में लगाया' हो, किसान के विरुद्ध है । इन्होने तो, डिप्टी स्पीकर साहब रिरिट्रव– शन्ज लगा करके किसान का मारा हुआ था, लेकिन आज जनता पार्टी की सरकार ने वे सारी रिस्ट्रिकन्ज तोड़ दी है । आज किसान अपना गेहूं दूसरी जगह को जा सकते है ।

'डिप्टी स्पीकर साहब, फलड के 'दिनो में जो काम हुआ है, उसे हाउस को बताने की जरूरत नही है, क्योंकि सारा हाउस इस बात को जानता है । लेकिन इसके साथ ही साथ मैं इन्हे यह बताना चाहता हूं कि 1 करोड़ 27 लाख रुपए की खाद के उपर हमारी सरकार ने सबसिडी दी है । क्या इतनी सबसिडी कभी कांग्रेस सरकार ने दी थी? यही नहीं किसानों की बिजली की समस्या को भी जनता पार्टी की सरकार ने समझा है । कांग्रेस राज के दिनों में किसान को रात को बिजली मिला करती थी, लेकिन मु हय माली जी के आदेश से आज दिन के अन्दर किसान का टयूबवैल चलता है । यही नही, फलैट सिस्टम के बारे में भी हाउस के अन्दर मुख्य मन्त्री जी ने अनाउसमैंट की है । यह भी किसान की बड़ी समस्या थी क्योकि मीटर रीडिंग लेते रक्त भोले भाने किसान को लूटा जाता था । इसी तरह पानी की बात है । ये तो देहात में जाते नहीं, क्योंकि इन्होंने तो लोगों के पर जुल्म क्र रखे हैं, लेकिन मैं इन्हें बताना चाहता हूं कि जब से जनता

पार्टी की सरकार आई है, नदियों में काई लग गई, क्योकि पानी नहीं रोका गया । यहीं बस नहीं, उपाध्यक्ष महोदय, अभी–अभी खाद और बीज की सबसिडी के बारे में मु ख्य मन्त्री जो ने एलान किया है । जब फ्लड आया उस वक्त हमने किसान को सबसिडी दी थी । अब जब दूसरा ओलों का प्रकोप हुआ, किसानों की खून पसीने से सोची हुई फसलें तबाह हो गई, जो उन्हें धन आना था भगवान ने उसे छीन लिया, सरकार की तरफ से यह फैसला हुआ है कि हम उनको करीब दो करोड़ रुपये का ऋण देंगे, 14 लाख रुपए के करीब बीज, खाद और चारे के रूप में सबसिडी देंगे ।

इसके माप–पाथ जो एस.वाई एल. की. समस्या थी, उसको हमने हल किया । आप की सरकार ने कभी भीथोडीबहुत कोशिश इस बारे में नहीं की. और न ही बंसी लाल ने की, लेकिन आज हरियाणा की जनता पार्टी की सरकार ने जो कदम उठाए हैं, वे किसी से छिपे हुए नही हैं । हमारे मुख्य मन्त्री जी. ऐलान कर चुके है कि अभी चन्द दिनों के अन्दर सरदार प्रकश सिंह बादल इसका. उदघाटन करेंगे और आदरणीय. मुख्य. मन्त्री. जी. जलसेकी प्रधानता करेंगे । आपकी. सरकार ने तो पानी का इन्तजाम कागजों पर ही किया था, लेकिन– असली रूप तो जनता पार्टी की सरकार नें दिया है । –– (तालियां) –जो कार्य आप अपने टाईम में नही कर सके, उसको जनता पार्टी ने कर दिखाया हैं । जनता पार्टी की सरकार ने 1 9 करोड़ रुपया एसवाईएल. के लिए बजट में सुरक्षित रखा हुआ है । अगर इस स्कीम को मुक्म्मल करने की

नीयत न होती. तो इतनी. बड़ी रकम को सुरक्षित रखने का कोई आइडिया नही है । इस स्कीम को पूरा करने के लिए यह पैसा सुरक्षित रखा हैं ।

श्री शमशेर सिंह : आन ए प्वांयट आफ आर्डर, सर । डिप्टी स्पीकर साहब, अभी मुख्य. मन्त्री जी ने और फाइनैसं मिनिस्टर साहब ने आबयाने को और सेल्ज टैक्स सरचार्ज को विदड्रा करने की घोरणा की हैं, मैं समझता हूं कि वह करनाल. सीट के लिए जहां पार्लियामैंट का इलैक्शन हो रहा है उसके कारण की है । क्या फाइनैसं मिनिस्टर साहज यह आश्वासन देंगे कि इस सैशन (वर्ष)के दौरान ये टैक्स दुबारा नहीं लगाए जाएंगे

मुख्य मन्त्री (चौधरी देवी लाल) : नही लगाए जाएने ।

चौधरी सतबीर सिंह : मलिक अभी माननीय सदस्य ने एक बात पर बड़ी चिन्ता व्यक्त की है कि क्या सरकार दुबारा तो यह टैक्स नही लगायेगी । उन्होने अपनी स्पीच में भी कहा था– कि कुछ तो घाटा है 2 5– 26 करोड़ का और उसके साथ ही. टैक्स भी विद्ड्रा किए हैं, तो किस तरह से काम चलाएंगे? उन्होंने यह भी. कहा बिय यह सरकार दुबारा तो इन टैक्सिज. को नही लगाएगी'? मैं आपके माध्यम से हाउस को यकीन. दिलाना चाहता है कि पिछले वर्ष 37 करोड़ रुपए का घा टा था और कोई खास टैक्म नही लगाए गए थे, लेकिन उसके बाद भी हमने अपनी रिकवरी' के जरिए, अपनी. बचत के कीन्ह सरकरी' कार्य को नहीं

रुकने दिया था । भगवान. की हमारे पर दुष्टि ठीक रहे और ओले या कोई अन्य. प्रकार का प्रकोप न हो, तो मैं हाउस को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि कोई नया टैक्स हाउस की. वैक से नहीं लगाएंगे । हमने टैक्स ही लगाया होता तो हाउस की. बैक पर लगा सकते थे, कोई हंमें रोक नही खलता या. । उन्होने अभी यहां आरोप लगाया है कि बजट सैशन' के पश्चात् ये टैक्स फिर लगाए जाएंगे, यह तो केवल' करनाल. की. पार्लियामैंटरी सीट के लिए ही किया है, तभी' तक के लिए 'छूट दी. है । मैं उनको यह बताना चाहता हूं कि अगर ऐसी' बात होती, ऐसा डर होता, तो हम इस टैक्स को बजट प्रपोजल. में नहीं लाते । करनाल के इलैक्शन होने के पश्चात् आर्डिनैंस के जरिए भी– हम इस टैक्स को लगा सकते थे, लेकिन. हमने सही डैमोक्रेटिक ढंग से बजट के अजर इस टैक्स को लगाया । करनाल सीट की. तो कोई बात नहीं ही है, कि हम उसकी. वजह से इसको विदड्रा कर रहे हैं । आप सभी. साथी जानते है कि हमने जो कुछ भी. किया या मुख्य मन्त्री ने जो कुछ भी. किया है, इस हाउस के विचारों को इगयर किया है । उन्होंने हाउस को मा। । दिया, सदस्यो के विचारो वा सम्मान किया है । यह कोई करनाल कांस्टीचूएसी के वोटों की वजह से नहीं किया है । वहां पा उन्हे कोई डर नही था । मुख्य मन्त्री जी ने हाउस को सम्मान दिया हैं ।

श्री शमशेर सिंह : फिर तो आर पैसेन्जर टैक्स भी वापिस ले लो ।

चौधरी सतबीर सिंह मलिक : जहां. तक पैसेन्जर टैक्स की बात है, उसके बारे में सभी साथियों को मालूम है कि ट्रांसपोर्ट के महकमें पर हर साल खर्चा बढता ही जा रहा है । आप को पता है हि टायर मंहगे हो गए, सरकार मशीनरी के पुर्जे मंहगे होते जा रहे है । सारी चीजें मंहगी होने की वजह से यह खर्चा बढता जा रहा है ।

श्री शमशेर सिंह : डिप्टी स्पीकर साहब, मैं पूछना चाहता वहू कि सरकार मशीनरी के पुर्जे कौन' से मंहगे हो गए?

चौधरी सतबीर सिंह मलिक : आपको पता हूँ कि सारे ही पुर्जे बाहर से जाने पड़ते हैं । सरकार तो पुर्जे नहीं बनाता । इसलिए जो टैक्स बढ़ा है वह ज्यादा नही है । दूसरी बात यह है कि जो पुरानी सरकार थी, उसका बनाया हुआ प्रोविजन है कि टैक्स 60 परसैन्ट तक बढाए जो सकते हैं । कांग्रेस सरकार के बनाए हुए कानून को हमने केवल कनूनी रूप दिया है । हमने 50 परसैन्ट से 60 परसैन्ट किया है । सरकार ने इसे पहले ही मंजूर किया हुआ था । हमने तो केवल इम्पलीमैंट किया है ।

डिप्टी स्पीकर साहब, एम्पलायमैंट के बारे में भी यहां उस साइड से कहा गया कि इस सरकार ने लोगों को रोजगार दिलाने के लिए क्या किया है? मैं यह कहूंगा कि ये बेरोजगारी को बीमारीं इन्ही साथियो की देन है । हमारे आने के बाद तो न मैट्रिक के ही रिजल्ट आए हैं और न बी 0ए0 के रिजल्ट आए है ।

यह सारी. बीमारी पुरानी सरकार की दी. हुई है । जनता सरकार तो ईमानदारी से बेरोजगारी की समस्या को खत्म करने पर लगी हुई है । जनता सरकार ने गांव में कुटीर उद्योग और लघु उद्योग की स्कीम बनाई है । 110 कूटीर उद्योग इसी फाईनैशियल ईयर पे यानी 1977– 78 में लगाएगी और सन् 1978– 79 में 330 और लगाए जाएंगे । मैं यह भी हाउस को बताना चाहता हू कि यदि अधिक व्यक्ति आएंगे तो 330 से ज्यादा भी लगाए जा सकते हैं । सरकार इन स्कीमों में उनको पूरा योगदान देगी । हम कांग्रेस वालों की तरह हठधर्मी नहीं हैं कि 330 से 331 नहीं करेंगे । हम चाहे पैसे का इलाज. कैसे ही करें, लेकिन कोई आदमी छोटा उद्योग देहात के अन्दर लगाना चाहेगा, तो सरकार की ओर से उसको पूरी सहायता दी जायेगी । हमें चाहे कितना भी धन लगाना पड़े । (थम्पिग)

यहां हाउस में चन्दे की बात कही गई । सारा हाउस इस बात को जानता है कि चन्दा तो पहली सरकार के टाईम पर लिया जाता था । उस टाईम पर हर तहसील में रजिस्टरी के टाईम पर, परमिट लेने के टाईम पर चन्दा लिया जाया करता था । चन्दे के बिना तो कोई भी चीज नहीं हो सकती थी । पहले तो चन्दा ही चन्दा था, लेकिन आप जानते हैं कि इस सरकर के आने के पश्चात् चन्दा नाम की कोई चीज नहीं है, कोई भी अधिकारी किसी प्रकार का चन्दा नहीं लेता है।

स्माल सेविंग जो है यह सरकारी नीति है । स्माल सेविंग एक ऐसी चीज है, जिससे हरियाणा की खुशहाली के लिए पैसा इकट्ठा होता है । अगर हमारी सरकार की ओर से दस करोड़ स्माल सेविंग में जमा करवाया जाता है तो दस करोड सैन्टर की सरकार की ओर से मिलता है । यह सारा पैसा हरियाणा की खुशहाली के लिए काम आता है ।

यह ऐसी स्कीम है, जिसको क्रप्शन नही कहा जा सकता । दूसरे लोगों की आदत को भी बदलता है, उनमें बचत की आदत पड़े बचत एक बहुत अच्छी चीज हैं । अगर किसी को यह अच्छी आदत पड़ जाए, तो आने वाली पीढ़ियां बचत से बुरा वक्त ठीक तरह से निकाल सकती है । इससे किसी को कोई गिला नही होना चाहिए । हां, किसी अधिकाश ने क्रप्शन– के तरीकों से कोई पैसा स्माल– सेविंग में जमा करवाया हो, तो हमारे नोटिस मे लाएं । जनता पार्टी की सरकार के आने के पश्चात लोगों को प्रेम से समझा बुझा कर स्माल' सेविंग में पैसा जमा करवाया है । उनको समझाया है कि यह पैसा हरियाणा की. खुशहाली के लिए खर्च होना हे । हमने लोगों से रिकवैस्ट की है, लोगों से अपील की है कि जो भी पैसा जमा करवाओगे यह उन लोगों की बचत होगी, उनको ब्याज मिलेगा और इस पैसे से, सैन्टर से हरियाणा को इमदाद मिलेगी, तह सारी हरियाणा की खुशहाली के लिए खर्च किया जाएगा ।

जैसा कि मुख्य मन्त्री जी ने हाउस में एलान किया है कि अगर कोई भी व्यक्ति भ्रष्टाचार की या किसी भी किस्म की इनफर्मेशन देगा, उसको इनाम दिया जाएगा । कल भी 'ऐक्साईज पालिसी के अन्दर यी एलान हुआ कि अगर कोई भी ऐसी 100 रुपए तक की करप्शन के बारे में इनफर्मेशन देगा, तो उसको सरकार इनाम देगी । आप लोगों ने तो कभी भी ऐसी पालिसी नही बनाई थी ।

इमके माप–माथ मैं हिन्दु सक्सैडान एक्ट के बारे में, जो मुख्य मन्त्री जी ने इस सदन में ऐलान किया है कि जनता पार्टी की सरकार, गांव के अन्दर, देहात के अन्दर भाई और बहन का रिश्ता, जो आप लोगों ने खराब कर रखा था, उसको ठीक करने के लिए हम उसमें तबदीली करवा रहे हैं । इस पवित्र कड़ी को दोबारा से जोड़ने के लिए जनता पार्टी की सरकार ने ध्यान दिया है ।

इसके साथ ही साथ अध्यक्ष महोदय, प्रोहिबीशन पालिसी के बारे में सरकार ने एलान किया है । इस लानत को खत्म करने के लिए कल ही प्रोहिबीशन पालिसी हरियाणा के हाउस के अन्दर रखी गई थी । उमके अन्दर मेन चीज यह है कि हमने शराब के पर, टैक्स के पर टैक्स बढाए हैं । इसके अलावा दो जगह ड्राई बैल्टस बनाई हैं और 20 प्रतिशत कन्जम्पशन कम की दै । इस तरह से सरकार की नीति है कि आने वाले चार सालों के अन्दर जनता पार्टी की सरकार प्रोहिबीशन के जरिए, सारे प्रान्त मे ही

नही, बल्कि सारे देश के अन्दर शराब बन्दी लागू कर देगी । हरियाणा सरकार सबसे पहली सरकार है जिसने इस तरह का इनीशिएटिव लेकर बार–बार पड़ौसी राज्यों को बुलाकर मेन निर्णय लिंए हैं और हमारे साथ ही दूसरी स्टेटस वाले भी ले रहे हैं । इसके साथ–साथ लेबर के बारे में एक बात स्पष्ट करना चाहता हुं । जिस वक्त जनता पार्टी की सरकार आई, उससे पहले यह हालत थी कि जबानों पर ताले लगे हुए थे, कोई आदमी अपनी आवाज को उठा नही सकता था । जब जनता पार्टी की सरकार आई, तो आजादी बहाल हुई और लोगों के मुंह पर लगी हुई पट्टियों को खोला गया और मजदूरों ने भी अपने कुछ खोए हुए हकों के लिए प्रयत्न किया । जब यह हुआ, तो जहां– यहां पर थोड़ा बहुत झगड़ा फिसाद हुआ, वहा उसके साथ ही आपको पता है कि उसके लिए सारी सरकारी मशीनरी, जैसे कि हाउस को पता है, फरीदाबाद और सोनीपत के अन्दर सौ– सौ रुपए फी मजदूर के हिसाब से उनको दिलाए हैं । अब जो हमारे कुछ मजदूर साथी हैं, उनकी इन्टर रीवेलरी की वजह से या सीटों की वजह से लड़ाई है, कुछ गड़बड़ है, लेकिन मैं हाउस को यह यकीन दिलाता हूं कि यह सरकार लेबर की सरकार है, मजदूरों के पक्ष की सरकार है । हम यह चाहते है कि हरियाणा के अन्दर इंडस्ट्रीज चलें और उसका पहिया जाम न हो । कुछ जो सो–काल्ड लेबर लीडर बने फिरते हैं, जो पांच रुपए की पर्ची के हिसाब से कटते हैं, उनको गलत भडकाते हैं, इस वजह से कुछ टरबल है । सरकार को यह भी पता है कि ऐसा ही एक सो–काल्ड लीडर, हिसार के अन्दर

भूख हड़ताल किये बैठा है, सरकार उसकी तरफ ध्यान लगाए बैठी है । सरकार, कम से कम चाहे मिल मालिक हो, चाहे सो–काल्ड लीडर हों, मजदूर का खून पसीना जाया नहीं जाने दगी । हम पूरा–पूरा मजदूर पक्ष का साथ देंगे ।

इन शब्दों के साथ में अध्यक्ष महोदय, हाउस से यह प्रार्थना करुगा कि यह जो बजट है, इसे पास कर दिया जाए ।

Mr. Deputy Speaker : The House stands * adjourned till Monday the 13th March, 1978, at 2 p.m.

13.45 बजे

(The Sabha then adjourned till 2 p.m. on Monday the 13th March, 1978).